12 सितंबर 2025
शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

ट्रेजरी अफसर पर जानलेवा हमला, पुलिस खाली हाथ, तथाकथित शिक्षा माफियाओं से जुड़ा हो सकता है मामला 3

नेपाल की पूर्व सीजेआई सुशीला कार्की होगी अगली अंतरित प्रधानमंत्री

♦ सुशीला कार्की ने कहा...पीएम मोदी से हूं बहुत प्रभावित

एजेंसी। काठमांडू

नेपाल की अंतरिम सरकार की मुखिया सुशीला कार्की बनने जा रही है। कार्की ने कहा कि वह पीएम मोदी से बहुत प्रभावित है। नेपाल में अंतरिम सरकार का गठन जल्द हो सकता है। नेपाल की पूर्व चीफ जस्टिस सुशीला कार्की अब देश की अगली अंतरिम प्रधानमंत्री बनेंगी। नेपाली सेना और युवा आंदोलनकारियों के बीच बातचीत शुरू हो गई है। रैपर और काठमांडू के मेयर बालेन शाह ने भी सुशीला कार्की के नाम का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि देश अतंरिम सरकार के पास जा रहा है। सुशीला कार्की ने एक इंटरव्यू के दौरान पीएम मोदी की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि मुझ पर पीएम मोदी का अच्छा प्रभाव है। वह नेपाल की जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि आंदोलनकारी व देश के युवाओं ने मुझ पर विश्वास जताया है। मैं भले ही छोटी अवधि के लिए, लेकिन सरकार की अगुवाई करूंगी। उन्होंने कहा कि मेरी पहली प्राथमिकता उन लोगों का सम्मान करना है, जिन्होंने प्रदर्शन के दौरान अपनी जान खोई है। हमारा पहला काम मारे गए लोगों के परिजनों के लिए कुछ करने का होगा। मालूम हो कि सुशीला कार्की नेपाल की पहली महिला चीफ जस्टिस रही हैं। उन्होंने साल 2016 में पद भार संभाला था, लेकिन उन पर नेपाल की सरकार ने महाभियोग चलाया था, लेकिन कार्की सुप्रीम कोर्ट गईं। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें राहत देते हुए सरकार के फैसले को पलट दिया। सुशीला कार्की का भारत से भी कनेक्शन रहा हैं। कार्की ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से राजनीति शास्त्र में मास्टर्स किया है। 1979 में उन्होंने वकालात में अपने करियर की शुरूआत की थी, इसके बाद 11 जुलाई 2016 से 6 जून 2017 तक नेपाल की मुख्य न्यायाधीश भी रहीं थीं।

सुधर रहे नेपाल के हालात

नेपाल के हालात धीरे-धीरे सुधर रहे हैं। नेपाल की राजधानी काठमांडू स्थित त्रिभुवन एयरपोर्ट से उड़ानें शुरू हो गई हैं। भारत से एयर इंडिया की विमान ने वहां फंसे भारतीयों को लाने के लिए उड़ान भर दी है। हालांकि, नेपाल की सेना ने एहतियातन तीन जिलों में कर्फ्यू लगा दिया है। कुछ जगहों पर गोलीबारी की गई थी। नेपाल में तख्तापलट के बाद भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी देखने को मिल रही है। नेपाली नागरिकों को आई-कार्ड दिखाकर नेपाल जाने दिया जा रहा है।

बीएचयू से रहा है संबंध

1970 के दशक में बीएचयू से राजनीतिक विज्ञान में मास्टर की डिग्री पूरी करने वाली सुशीला कार्की ने यूनिवर्सिटी में बिताए अपने दिनों को याद किया, जिसने उन पर गहरी छाप छोड़ी। उन्होंने खुद को भारत का मित्र बताया। कार्की ने कहा कि मैं भारतीय नेताओं से बहुत प्रभावित हूं। भारतीय दोस्त मुझे बहन की तरह मानते हैं। भारतीय प्रधानमंत्री मोदी को लेकर उन्होंने कहा कि मैं मोदी जी को नमस्कार करती हूं। मोदी जी के बारे में मेरी अच्छी धारणा है। सुशीला कार्की साल 2016 में नेपाल के सर्वोच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश बनीं थीं। वे नेपाल के इतिहास में सुप्रीट कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश बनने वाली पहली महिला थीं।

सीपी राधाकृष्णन ने राज्यपाल पद से दिया इस्तीफा

एजेंसी। मुंबई

सीपी राधाकृष्णन भारत के नए उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं। चुनाव में जीत के बाद उन्होंने महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से इस्तीफा दिया। अब आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। भारत के नए उपराष्ट्रपति चुने गए सी.पी. राधाकृष्णन ने महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से इस्तीफा दे दिया है। उनकी जगह पर राष्ट्रपति ने गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है। अब आचार्य देवव्रत गुजरात के साथ-साथ महाराष्ट्र के राज्यपाल का कार्यभार भी संभालेंगे। उपराष्ट्रपति पद के लिए मतदान 10 सितंबर को नई दिल्ली स्थित नए संसद भवन में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक हुआ था। इसके बाद हुई मतगणना में एनडीए उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन को 452 वोट मिले थे, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी, विपक्षी इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट प्राप्त हुए थे। कुल 768 सांसदों ने वोट डाले, जबकि 13 सदस्य अनुपस्थित रहे थे। चुनाव आयोग के अनुसार कुल प्रभावी मतदाता संख्या 781 थी। सी.पी. राधाकृष्णन का शपथ ग्रहण समारोह 12 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रपति भवन की ओर से इस संबंध में आधिकारिक जानकारी दी गई है।

सीआरपीएफ कोबरा कमांडो और छत्तीसगढ़ पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में बड़ी कार्रवाई

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों ने एक करोड़ के इनामी समेत 10 नक्सलियों को मार गिराया

एजेंसी। गरियाबंद

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में सुरक्षाबलों ने 10 नक्सलियों को मार गिराया है। इस मुठभेंड में एक करोड़ के इनामी नक्सली मनोज उर्फ मॉडेम भी मारा गया है। सीआरपीएफ कोबरा कमांडो और छत्तीसगढ़ पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में ये बड़ी कार्रवाई की गई है। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में नक्सलियों के खिलाफ पुलिस और सीआरपीएफ ने बड़े ऑपरेशन को अंजाम दिया है। इस एनकाउंटर में 10 नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने मार गिराया है. ।एक करोड़ के इनामी नक्सली मनोज उर्फ मॉडेम भी एनकाउंटर में ढेर कर दिया गया है। सुरक्षाबलों को मैनपुर वन इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना मिली थी। इस पर कार्रवाई करते हुए ई-30, एसटीएफ और कोबरा की संयुक्त टीमों ने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर नक्सल विरोधी अभियान शुरू किया था। गुरुवार कि सुबह से ही सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ हो रही थी. शुरूआती रिपोर्टों के अनुसार, गोलीबारी के दौरान कई बड़े नक्सलवादी मारे गए हैं।

रायपुर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा ने बताया कि मैनपुर क्षेत्र के जंगलों में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना मिलने पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की कोबरा बटालियन, विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और जिला बल के संयुक्त दल को नक्सल रोधी अभियान के लिए भेजा गया था। उन्होंने बताया सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच से रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है। इस दौरान मैनपुर के आस-पास के इलाकों में रहने वाले लोगों से अपील की गई है कि वे अपने घरों से बाहर न जायें। साथ ही फोर्स को हर तरह से मदद करें। फिलहाल मुठभेड़ खत्म हो चुकी है। रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा ने बताया कि मैनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत जंगल में उस समय मुठभेड़ शुरू हुई जब सुरक्षाकर्मी नक्सल विरोधी अभियान पर सर्चिंग पर थे। इस अभियान में विशेष कार्य बल (एसटीएफ), कोबरा (सीआरपीएफ की एक विशिष्ट इकाई - कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन) और अन्य राज्य पुलिस इकाइयों के जवान शामिल हैं। यह अभियान अभी जारी है। इस बात की उम्मीद जतायी जा रही है कि और भी नक्सली इसकी चपेट में आ सकते है। लंबे समय के बाद फोर्स ने इतनी बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। प्रेशर बम फटने से सीआरपीएफ के अधिकारी और जवान घायल

प्रेशर बम फटने से सीआरपीएफ के अधिकारी और जवान घायल

एजेंसी। नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में प्रेशर बम में विस्फोट होने से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक अधिकारी समेत दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के मालेवाही थाना क्षेत्र के अंतर्गत सातधार पुल के करीब प्रेशर बम की चपेट में आने से सीआरपीएफ के 195वीं वाहिनी के निरीक्षक दीवान सिंह गुर्जर और आरक्षक आलम मुनेश घायल हो गए हैं। अभियान के दौरान सुबह लगभग साढ़े दस बजे सातधार पुल से आगे माओवादियों द्वारा लगाए गए प्रेशर बम की चपेट में आने से गुर्जर और मुनेश घायल हो गए हैं। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में 16 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वाले सभी 16 नक्सली निचले स्तर के कैडर हैं। जो जनताना सरकार, चेतना नाट्य मंडली और माओवादी पंचायत मिलिशिया की विभिन्न इकाइयों से जुड़े थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि ये लोग सशस्त्र माओवादी समूहों को राशन, दवाइयां और अन्य जरूरी सामान बिना किसी भुगतान के पहुंचाने में सक्रिय रूप से संलिप्त थे। इसके अलावा, ये हथियार और विस्फोटक सामग्री ले जाने, आईईडी (संवर्धित विस्फोटक उपकरण) लगाने, सुरक्षा बलों की गतिविधियों की सूचना जुटाने और रेकी (निगरानी) करने में भी सहयोग करते थे।

भारत मॉरीशस को 680 मिलियन डॉलर का आर्थिक पैकेज देगा, सात समझौतों पर भी हुए हस्ताक्षर

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत ने गुरुवार को मॉरीशस के लिए करीब 680 मिलियन अमेरिकी डॉलर का विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की और दोनों देशों ने समुद्री सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने के लिए सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हिंद महासागर का स्वतंत्र और सुरक्षित रखना दोनों देशों की साझा प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में मॉरीशस के समकक्ष नवीनचंद्र रामगुलाम की मेजबानी की। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों केवल साझेदार नहीं, बल्कि एक परिवार हैं। मीडिया को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारत मॉरीशस के विशेष आर्थिक क्षेत्र की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देश स्थानीय मुद्रा में व्यापार को बढ़ावा देने की दिशा में काम करेंगे, खासकर मॉरीशस में यूपीआई और रुपे कार्ड की शुरूआत के बाद। इस विशेष आर्थिक पैकेज के तहत भारत मॉरीशस में दस परियोजनाओं को लागू करने में मदद करेगा।

भारतीय सेना ने भविष्य के युद्ध की तैयारी के मद्देनजर अरुणाचल प्रदेश के दुर्गम इलाकों में किया युद्धाभ्यास

एक्सरसाइज सियोम प्रहार: अरुणाचल के दुर्गम इलाकों में सेना का ड्रोन युद्धाभ्यास

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय सेना ने भविष्य के युद्ध की तैयारी के मद्देनजर अरुणाचल प्रदेश के दुर्गम इलाकों में युद्धाभ्यास किया है। इस युद्धाभ्यास को सियोम प्रहार नाम दिया गया है, जिसमें सेना की तरफ से ड्रोन के जरिए युद्ध का अभ्यास कराया गया। अरुणाचल प्रदेश के दुर्गम क्षेत्रों में भारतीय सेना ने दो दिन का श्एक्सरसाइज सियोम प्रहार का सफल आयोजन किया। यह एक महत्त्वपूर्ण फील्ड ट्रेनिंग अभ्यास था, जिसका उद्देश्य आधुनिक सामरिक अभियानों में ड्रोन तकनीक के प्रयोग को परखना था। इस अभ्यास का नाम सियोम नदी पर रखा गया, यह नदी अरुणाचल प्रदेश में बहती है और ब्रह्मपुत्र नदी की एक प्रमुख सहायक नदी है। गुवाहाटी में रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि युद्धभूमि जैसी यथार्थ परिस्थितियों में आयोजित इस अभ्यास ने ऑपरेशनल तैयारी में बड़ा कदम आगे बढ़ाया। ड्रोन तकनीक का प्रयोग न केवल निगरानी और टोही कार्यों तक सीमित रहा, बल्कि लक्ष्य पहचान और सटीक हमले तक विस्तारित रहा। इससे यह साबित हुआ कि ड्रोन भविष्य की लड़ाइयों में युद्ध क्षमता को नई दिशा देने वाले होंगे। इस अभ्यास का मुख्य फोकस नए टैक्टिक्स, टेक्निक्स और प्रोसीजर्स (टीटीपीएस) विकसित करना और उनकी वैधता सिद्ध करना था। इनमें ड्रोन से प्राप्त आंकड़ों को पारंपरिक हथियारों के साथ जोड़ना, संयुक्त लक्ष्य साधन की प्रक्रिया को बेहतर बनाना और बदलती युद्ध परिस्थितियों में त्वरित निर्णय लेना शामिल था। इस अभ्यास ने यह भी दशार्या कि पारंपरिक लड़ाकू बलों और नई तकनीकी क्षमताओं के बीच तालमेल और अनुकूलन कितना आवश्यक है।

हमले के 16 दिन बाद भी नतीजा शून्य, सवालों के घेरे में पुलिसिया कार्यशैली

ट्रेजरी अफसर पर जानलेवा हमला, पुलिस खाली हाथ, तथाकथित शिक्षा माफियाओं से जुड़ा हो सकता है मामला

बैंक ट्रांजेक्शन ने हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया पर सांसद सहयोगी के चुप्पी का खोला राज

फर्स्ट आईडिया की कार्यप्रणाली पर सांसद सहयोगी चुप...

सांसद सहयोगी का धौंस जमा मोटी रकम की हो रही है उगाही

विभागीय अधिकारियों पर भी उठ रहा है सवाल

केशव टाइम्स प्रकाशित कर चुका है खबर

सिर्फ मजदूरों का भुगतान करती है हाउस कीपिंग एजेंसी

■ कोषागार कार्यालय में लगा सीसीटीवी कैमरा खोल सकता है राज

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में ट्रेजरी अफसर सुकर पासवान पर हुए जानलेवा हमले के 16 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस अभी तक कोई ठोस सुराग नहीं निकाल पाई है। आश्चर्य की बात यह है कि घटना अत्यंत संवेदनशील होने के बावजूद न तो ट्रेजरी कार्यालय का सीसीटीवी फुटेज खंगाला गया और न ही अफसर के घर के आसपास लगे कैमरों की पूरी जांच की गई।

एफआईआर में नामजद आरोपी एटीओ राजवंत सिंह, जो कथित तौर पर शिक्षा विभाग के माफिया अजय सिंह और अरविंद सिंह से जुड़े हैं, खुलेआम कार्यालयों में घूम रहे हैं और पुलिस अधिकारियों के सीधे संपर्क में भी हैं। यह स्थिति पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है। बता दें कि 25 अगस्त की रात ट्रेजरी अफसर सुकर पासवान गजाधर गंज स्थित किराए के घर में घुसकर उन पर हमला किया गया था। हमलावरों ने उनपर हथौड़े से वार कर मौत के घाट उतारने की कोशिश की थी। हालांकि किस्मत ने साथ दिया और वह बच निकले। इस वारदात के बाद पूरे प्रशासनिक गलियारे में हड़कंप मच गया था, लेकिन 16 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। जिससे कई सवाल उठ रहे है। लोग यह कहने लगे है कि जब प्रशासनिक पदाधिकारी पर हुए जानलेवा हमले में पुलिस इस कदर सुस्त है तो आम आदमी की सुरक्षा की क्या गारंटी है।

19 अगस्त को केशव टाइम्स में छपी खबर से जुड़ा हो सकता है मामला

इस प्रकरण का सूत्रधार 19 अगस्त की वह बड़ी खबर मानी जा रही है, जिसे केशव टाइम्स ने अपने अंक में प्रमुखता से प्रकाशित किया था। उस दिन डिजीटल समाचार पत्र ने ह्लबैंक ट्रांजेक्शन ने हाउसकीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया पर सांसद सहयोगी के चुप्पी का खोला राजह्व शीर्षक से खुलासा किया था कि फर्स्ट आइडिया नामक हाउसकीपिंग एजेंसी द्वारा कलेक्ट्रेट स्थित केनरा बैंक की शाखा से चार खातों में लाखों रुपये का संदिग्ध ट्रांजेक्शन किया गया था। जिन खातों में ट्रांजेक्शन हुआ था, उनमे सांसद सहयोगी का तमगा लिए घुमने वाले अरविंद सिंह, उनकी पत्नी, बेटी तथा एक अन्य उपभोक्ता के खाते शामिल है। चुकि यह राशि ट्रेजरी के जरिये पास की गई थी तथा इसमें स्थानीय सांसद सहयोगी अरविंद सिंह का नाम भी जुड़ा हुआ बताया गया। जिस कारण इस खबर के प्रकाशित होते ही तथाकथित शिक्षा माफिया अजय सिंह और अरविंद सिंह बौखला गए। सूत्रों के अनुसार उन्होंने बैंक प्रबंधन से लेकर वरीय अधिकारियों तक अपनी नाराजगी दर्ज कराई थी।

हमला क्या इस खुलासे का परिणाम?

विभागीय सूत्रों का मानना है कि जिस प्रकार से ट्रेजरी से जुड़े ट्रांजेक्शन की पोल खुली, उसके बाद तथाकथित माफियाओं की नाराजगी चरम पर थी। यही कारण है कि ट्रेजरी अफसर पर जानलेवा हमला भी उसी बौखलाहट का परिणाम हो सकता है।ट्रेजरी कार्यालय से मिली जानकारी यह भी बताती है कि एटीओ राजवंत सिंह लगातार तथाकथित शिक्षा माफियाओं के संपर्क में रहते हैं। अगर उनके मोबाइल कॉल डिटेल्स और ट्रेजरी दफ्तर के सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल की जाए, तो पूरा मामला और साफ हो सकता है तथा इस बात के प्रमाण मिल जाएंगे कि राजवंत सिंह के पास तथाकथित शिक्षा माफियाओं का आना जाना होता था।

पुलिस जांच पर उठ रहे सवाल

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिस ट्रेजरी कार्यालय में करोड़ों के लेन-देन होते हैं, वहां के सीसीटीवी फुटेज अब तक खंगाले नहीं गए हैं। यहां तक कि घटना स्थल यानी सुकर पासवान के घर के आसपास के सभी कैमरों की भी पूरी जांच नहीं हुई है। एफआईआर में नाम आने के बावजूद आरोपित खुलेआम घूम रहे हैं। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर पुलिस किस दबाव में काम कर रही है। क्या आरोपितों और पुलिस के बीच सांठ-गांठ है?

पीड़ित का दर्द और उम्मीद

हमले में घायल ट्रेजरी अफसर सुकर पासवान का कहना है कि पुलिस अपना काम कर रही है। मुझे पूरा भरोसा है कि सच सामने आएगा और मुझे इंसाफ मिलेगा। हालांकि, उनकी यह उम्मीद कितनी कारगर साबित होगी, यह आने वाला वक्त बताएगा, लेकिन पुलिस की इस कार्रवाई पर अब तक कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आने के कारण लोग इसे मात्र बयानबाजी मान रहे हैं।

मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज और हर पहलू पर गहनता से काम हो रहा है। बहुत जल्द पूरे मामले से पर्दा उठा दिया जाएगा।

गौरव पांडेय, सदर एसडीपीओ, बक्सर

बड़ा सवाल, किसकी सरपरस्ती में सुरक्षित हैं आरोपित

बक्सर जैसे संवेदनशील जिले में अगर एक ट्रेजरी अफसर अपने ही घर में सुरक्षित नहीं हैं और नामजद आरोपित खुलेआम घूम रहे हैं तथा हमलावरों की एक पखवाड़े बाद भी पुलिस शिनाख्त नहीं कर पाई है तो यह सीधे-सीधे कानून-व्यवस्था पर सवाल है। पिछले दिनों की बैंकिंग ट्रांजेक्शन वाली खबर और उसके बाद बढ़ी तथाकथित माफियाओं की नाराजगी, फिर अचानक ट्रेजरी अफसर पर हमला, इन कड़ियों को जोड़कर देखा जाए तो तस्वीर साफ नजर आती है, लेकिन पुलिस की चुप्पी और ढुलमुल रवैया मामले को और संदिग्ध बना रहा है। बता दें कि बक्सर में ट्रेजरी अफसर पर हमला सिर्फ एक आपराधिक वारदात नहीं है, बल्कि यह सत्ता, प्रशासन और शिक्षा माफिया के गठजोड़ की ओर भी इशारा करता है। अगर पुलिस सच में ईमानदारी से सीसीटीवी और मोबाइल कॉल डिटेल्स की जांच कर ले, तो कई बड़े नाम सामने आ सकते हैं, लेकिन सवाल यही है कि क्या ऐसा होगा या फिर मामला दबाकर रफा-दफा कर दिया जाएगा।

एक नजर

नीलगाय से टकराई व्यवसायी की मोपेड, मौत

डुमरांव। ग्रामीण इलाकों में आवारा पशुओं और खासकर नीलगायों की बढ़ती संख्या अब राहगीरों के लिए जानलेवा साबित हो रही है। बुधवार देर रात नया भोजपुर थानाक्षेत्र के प्रतापसागर गांव के समीप हुई सड़क दुर्घटना इसका ताजा उदाहरण है। हादसे में सिमरी प्रखंड के ढकाईच गांव निवासी अशोक साह की जान चली गई। वे बक्सर से अपनी दुकान के लिए सामान खरीदकर मोपेड से लौट रहे थे कि अचानक सड़क पार करती नीलगाय से टकराकर अनियंत्रित हो गए।स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। प्रतापसागर और आसपास के क्षेत्रों में नीलगाय अक्सर सड़क पर निकल आते हैं, जिससे वाहन चालकों को खतरे का सामना करना पड़ता है। कई बार तो लोग मामूली रूप से घायल होकर बच जाते हैं, लेकिन इस बार हादसा गंभीर साबित हुआ। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल व्यापारी को अस्पताल भिजवाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। गांव में अशोक साह की मौत की खबर मिलते ही मातमी सन्नाटा छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोग प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि आवारा पशुओं को नियंत्रित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसे हादसे टाले जा सकें। थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि जब तक नीलगायों के बढ़ते आतंक को गंभीरता से नहीं लिया जाएगा, तब तक सड़क हादसों का सिलसिला थमना मुश्किल है।

राशन डीलरों का रोष: आठ माह से नहीं मिला मार्जिन मनी, सरकार पर साधा निशाना

डुमरांव। फेयर प्राइस डीलर्स एसोसिएशन की नयाभोजपुर स्थित संघ कार्यालय में गुरुवार को आयोजित बैठक में जिले भर के राशन डीलरों ने सरकार के प्रति तीखा आक्रोश जताया। बैठक में डीलरों ने एकमत होकर कहा कि उन्हें पिछले आठ माह से मार्जिन मनी का भुगतान नहीं मिला है, जिससे वे भारी आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मनोज यादव ने की। संचालन अनुमंडल अध्यक्ष हरेन्द्र पासवान ने किया। वहीं, बैठक के संयोजक की भूमिका में बैजनाथ सिंह सक्रिय रहे। उपाध्यक्ष ललन सिंह, सुरेन्द्र पासवान और जिला महामंत्री ह्रदयानंद सिंह ने भी अपनी अहम भूमिका निभाई।

डीलरों की व्यथा: "परिवार चला पाना हो रहा मुश्किल"– बैठक में मौजूद डीलरों ने कहा कि वे सरकार द्वारा निर्धारित जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी से निभा रहे हैं। गरीबों को समय पर अनाज बांटने के बावजूद उन्हें महीनों से मार्जिन मनी नहीं मिली है। कई डीलरों ने कहा कि इस स्थिति में वे खुद अपने परिवार के साथ भूखे मरने की कगार पर हैं। उनका आरोप था कि सरकार बार-बार वादा करती है, लेकिन भुगतान नहीं करती।

शिकायतों की लंबी सूची– बैठक में केवल मार्जिन मनी का मुद्दा ही नहीं उठा, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक मशीनों की खराबी और जांच प्रक्रिया की भी जमकर आलोचना की गई। डीलरों का कहना था कि रजिस्टर और इंटरनेट की गड़बड़ी के कारण अक्सर मशीनें काम करना बंद कर देती हैं, लेकिन इसकी शिकायत के बाद भी विभागीय अधिकारी समय पर कार्रवाई नहीं करते। इससे न केवल डीलरों को बल्कि आम उपभोक्ताओं को भी परेशानी उठानी पड़ती है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः– सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉंव

नया बाजार में यूरिया खाद की काला-बाजारी, सरकारी दर की खुली धज्जियां, 400 रुपए में बेंचा जा रहा एक बैग

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड क्षेत्र के नया बाजार से गुरुवार को एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। खुलेआम यूरिया खाद की कालाबाजारी हो रही है और किसानों को सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक दाम पर खाद खरीदने को मजबूर किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि नया बाजार के एक खाद विक्रेता द्वारा 400 रुपए में यूरिया का एक बैग बेचा जा रहा है, जबकि सरकार ने प्रति बैग यूरिया की कीमत 266.50 रुपए तय की है।

स्थानीय किसानों ने जानकारी दी कि जब कुछ युवक खाद लेकर जा रहे थे, तो ग्रामीणों ने उनसे पूछताछ की। इस दौरान एक किसान युवक ने स्पष्ट रूप से बताया कि उसने नया बाजार के एक विक्रेता से 400 रुपए में खाद खरीदी है। उसने विक्रेता का नाम भी उजागर किया। इस खुलासे के बाद स्थानीय किसान आक्रोशित हैं और प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि पहले से ही मौसम की मार और सिंचाई की समस्या से परेशान किसान अब महंगे दाम पर खाद खरीदने को विवश हो रहे हैं। यदि यही हाल रहा तो खेती की लागत और बढ़ जाएगी और गरीब व मध्यम वर्गीय किसान गंभीर संकट में पड़ जाएंगे। किसानों ने आशंका जताई कि यदि प्रशासन ने समय रहते इस कालाबाजारी पर अंकुश नहीं लगाया तो आने वाले दिनों में स्थिति और भयावह हो सकती है।वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि कृषि विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से ही यह अवैध धंधा फल-फूल रहा है। यदि विभाग ईमानदारी से जांच करे तो कई विक्रेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो सकती है।

इस मामले के उजागर होते ही प्रखंड क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। किसानों ने प्रखंड कृषि पदाधिकारी से तत्काल कार्रवाई करने, दोषी विक्रेताओं का लाइसेंस रद्द करने और कालाबाजारी में शामिल लोगों पर एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है। अगर प्रशासन इस मामले पर सख्ती नहीं दिखाता है तो किसानों ने आंदोलन की चेतावनी भी दी है। नया बाजार में यूरिया खाद की कालाबाजारी ने कृषि विभाग की कार्यशैली और निगरानी पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं, इस संबंध में कृषि समन्वयक हरिश्चंद्र पासवान ने बताया कि मुझे इसकी जानकारी नहीं है, मामले की जांच की जाएगी संलिप्त विक्रेता पर विधि संवत कार्रवाई की जाएगी।

बसपा की बहुजन हिताय यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, आकाश आनंद ने भरी हुंकार

केटी न्यूज/राजपुर

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की ह्लबहुजन हिताय जागरूकता यात्राह्व के दूसरे दिन बक्सर में जबरदस्त जनसमर्थन देखने को मिला। पार्टी के चीफ नेशनल कोऑर्डिनेटर एवं मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने चौसा, राजपुर और किला मैदान में सभाओं को संबोधित करते हुए बिहार की राजनीति में बदलाव का आह्वान किया।

राजपुर की सभा में आकाश आनंद का कार्यकताओं ने अनोखे अंदाज में स्वागत किया कि उन्हें पैसे से तोला गया। इस दौरान हजारों की भीड़ ने बसपा नेतृत्व के प्रति अपना समर्थन जताया। मंच पर प्रदेश प्रभारी उमाशंकर गौतम, प्रदेश अध्यक्ष शंकर महतो समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

अपने संबोधन में आकाश आनंद ने कहा कि बहुजन समाज के विकास के बिना बिहार का विकास अधूरा है। उन्होंने जोर दिया कि यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की लड़ाई है। कांग्रेस और बीजेपी पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि इन पार्टियों ने वर्षों तक समाज के दबे-कुचले वर्गों को बराबरी का हक नहीं दिया।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में बहन मायावती के नेतृत्व में बनी सरकारों ने साबित किया है कि बीएसपी ही गरीबों, मजदूरों और किसानों की सच्ची हमदर्द है। इसलिए अब बिहार की जनता को अवसर देकर नया इतिहास रचना होगा।

सभा में मौजूद भीड़ से आकाश आनंद ने अपील की कि आगामी विधानसभा चुनाव में जातिवादी और संकीर्ण सोच वाली ताकतों को सत्ता से बाहर करें और बीएसपी को मजबूत बनाएं। यह चुनाव बिहार के भविष्य का रास्ता तय करेगा।

सभा में प्रदेश महासचिव अभिमन्यु कुशवाहा, जिलाध्यक्ष सुभाष गौतम समेत जिला, प्रखंड और सेक्टर कमिटी के हजारों कार्यकर्ता व समर्थक शामिल हुए।

बक्सर में लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत, एक दिन में होगा हजारों विवादों का निपटारा

केटी न्यूज/बक्सर

न्यायालय की लंबी तारीखों और भाग-दौड़ से परेशान लोगों के लिए राहत की खबर है। शनिवार, 13 सितम्बर 2025 को बक्सर व्यवहार न्यायालय परिसर में तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होने जा रहा है। यहां एक ही दिन में सैकड़ों से लेकर हजारों तक मामलों का निपटारा आपसी सहमति से किया जाएगा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हर्षित सिंह के नेतृत्व में कुल 12 पीठों का गठन किया गया है। प्रत्येक पीठ पर न्यायिक अधिकारी और पैनल अधिवक्ता मिलकर सुनवाई करेंगे। इन पीठों में वैवाहिक विवाद, बैंकिंग विवाद, बिजली बिल, परिवहन संबंधी मामले, दीवानी व आपराधिक मामले शामिल होंगे। पहली पीठ में वैवाहिक विवाद और भारतीय स्टेट बैंक से जुड़े मामले देखे जाएंगे। दूसरी और तीसरी पीठ में इंडियन बैंक व बैंक ऑफ इंडिया के विवाद सुलझाए जाएंगे। चौथी और पांचवीं पीठ में बिजली तथा सेन्ट्रल बैंक से जुड़े मामले रखे गए हैं। छठवीं से नौवीं पीठ तक दीवानी, आपराधिक और अन्य बैंकिंग विवादों पर सुनवाई होगी। दसवीं से बारहवीं पीठ में परिवहन, एसडीजेएम व पंजाब नेशनल बैंक जैसे मामलों पर फैसला होगा।

त्वरित और आसान न्याय का मंच

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नेहा दयाल ने बताया कि लोक अदालत का उद्देश्य आम जनता को त्वरित, सस्ता और सरल न्याय उपलब्ध कराना है। यहां वादी और प्रतिवादी की सहमति से विवादों का समाधान होता है, इसलिए फैसले को बाद में चुनौती नहीं दी जा सकती।

न्यायिक कर्मियों की सक्रिय मौजूदगी

लोक अदालत में न्यायिक अधिकारियों के साथ पैनल अधिवक्ता और न्यायालय कर्मी भी मौजूद रहेंगे। ताकि किसी भी वादी को प्रक्रिया में कठिनाई न हो और सभी मामलों का निपटारा उसी दिन हो सके। इस आयोजन से न सिर्फ अदालतों पर लंबित मामलों का बोझ कम होगा, बल्कि आम जनता को भी राहत मिलेगी। उम्मीद है कि 13 सितम्बर का यह दिन बक्सर के कई परिवारों और पक्षकारों के लिए न्याय पाने की राह आसान करेगा।

जिला प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय के साथ ही अनुमंडल और प्रखंडों में समारोह की रूपरेखा तय कर दी गई

हिन्दी दिवस पर कार्यक्रमों की धूम, 14 सितम्बर को जिला, अनुमंडल और प्रखंड स्तर पर होगा आयोजन

केटी न्यूज/बक्सर

इस बार हिन्दी दिवस बड़े पैमाने पर मनाया जाएगा। सिर्फ जिला मुख्यालय ही नहीं बल्कि सभी प्रखंडो में सरकारी स्तर पर मनाया जाएगा। राज्य सरकार ने इसकी घोषणा कर दी है।

बता दें कि 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने जब देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिन्दी को केन्द्र सरकार के कामकाज की राजभाषा के रूप में अंगीकृत किया, तभी से यह दिन देश के लिए ऐतिहासिक बन गया। इसी महत्वपूर्ण अवसर की याद में हर वर्ष 14 सितम्बर को ह्यहिन्दी दिवसह्ण मनाने

की परंपरा है। इस वर्ष भी सरकार ने व्यापक स्तर पर इस दिवस को मनाने की तैयारी की है।

राज्य सरकार की ओर से निर्देश जारी किया गया है कि हिन्दी दिवस सिर्फ राज्य मुख्यालय तक ही सीमित न रह जाए, बल्कि इसे हर प्रमंडल, जिला, अनुमंडल और प्रखंड स्तर पर भी पूरी गरिमा के साथ मनाया जाए। बक्सर जिला प्रशासन ने भी इस निर्देश को गंभीरता से लिया है और सभी पदाधिकारियों को समारोह आयोजित करने का आदेश दिया गया है।

गौरतलब हो कि हिन्दी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और एकता की पहचान है। संविधान निमार्ताओं ने इसे राजभाषा के रूप में स्वीकार कर राष्ट्रीय एकता की डोर को और मजबूत करने का प्रयास किया था। इस दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य लोगों में हिन्दी के प्रति सम्मान और गर्व की भावना जागृत करना है।

जिले के सभी सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और सांस्कृतिक मंचों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे। इनमें निबंध-लेखन, वाद-विवाद, काव्य-पाठ और संगोष्ठियों के माध्यम से हिन्दी की महत्ता पर चर्चा की जाएगी। अधिकारी और कर्मचारी भी कार्यालयी कार्यों में हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग पर बल देंगे।

सरकारी स्तर पर सुनियोजित तैयारी

जिला प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय के साथ ही अनुमंडल और प्रखंडों में समारोह की रूपरेखा तय कर दी गई है। विभिन्न स्तरों पर अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है ताकि कार्यक्रम समय पर और सफलतापूर्वक संपन्न हो। सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि हिन्दी दिवस केवल औपचारिकता न होकर लोगों की सहभागिता और भाषा के प्रचार-प्रसार का वास्तविक माध्यम बने। हिन्दी दिवस को लेकर प्रशासनिक तैयारियों ने लोगों में उत्सुकता बढ़ा दी है। शिक्षा जगत से लेकर सांस्कृतिक संस्थाओं तक सभी इस आयोजन को सफल बनाने में जुट गए हैं। उम्मीद की जा रही है कि इस बार का समारोह जिले भर में हिन्दी भाषा के महत्व को और अधिक प्रखरता से स्थापित करेगा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने अधिकारियों संग की मैराथन बैठक, सभी कोषांगों की तैयारियों की गहन समीक्षा

विधानसभा चुनाव 2025 : निष्पक्ष मतदान को लेकर बक्सर में प्रशासनिक हलचल तेज

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 जैसे-जैसे नजदीक आता जा रहा है, बक्सर जिला प्रशासन की सक्रियता भी बढ़ती जा रही है। निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत चुनाव को स्वच्छ, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी बक्सर, डॉ. विद्यानंद सिंह ने की। बैठक में विभिन्न कोषांगों के वरीय पदाधिकारियों और नोडल अधिकारियों को आमंत्रित किया गया था। मुख्य रूप से सामग्री कोषांग, पोस्टल बैलट पेपर कोषांग, प्रशिक्षण कोषांग, मीडिया कोषांग और स्वीप कोषांग की अब तक की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों के अनुरूप और समयबद्ध ढंग से पूरे किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि चुनाव जैसी संवेदनशील और जिम्मेदारी भरी प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा कोताही की जाती है तो उसके खिलाफ कार्रवाई तय है।

प्रशिक्षण, पोस्टल बैलट और सामग्री वितरण पर विशेष चर्चा

बैठक में चुनाव कर्मियों के लिए होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समय-सारणी पर विशेष रूप से विचार किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि प्रशिक्षण की गुणवत्ता ही मतदान प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करेगी।

इसके साथ ही, पोस्टल बैलट की प्रक्रिया को लेकर भी गहन समीक्षा की गई। यह सुनिश्चित किया गया कि सेवा मतदाताओं को समय पर बैलेट उपलब्ध हों और उनकी गुप्तता बनी रहे। वहीं, मतदान सामग्री के संग्रहण और सुरक्षित वितरण को लेकर भी स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए।

मतदाता जागरूकता पर रहेगा जोर

स्वीप कोषांग की समीक्षा के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदाता जागरूकता ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने निर्देश दिया कि जीविका दीदी और किसान सलाहकार जैसे स्थानीय संसाधनों की मदद से प्रभावी अभियान चलाए जाएं। उद्देश्य यह है कि ग्रामीण स्तर पर भी लोगों को मतदान का महत्व समझाया जाए और शत-प्रतिशत मतदान की ओर प्रेरित किया जाए। इसके लिए नुक्कड़ नाटक, गोष्ठी, रैली और पोस्टर-बैनर जैसे माध्यमों का इस्तेमाल किया जाएगा।

प्रशासनिक समन्वय की अहमियत

बैठक में यह भी तय हुआ कि सभी कोषांग आपसी समन्वय के साथ काम करेंगे ताकि चुनावी प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा न आए। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने साफ कहा कि निर्वाचन कार्य किसी भी स्थिति में प्रभावित नहीं होना चाहिए और इसके लिए हर स्तर पर सामंजस्य जरूरी है।

अधिकारियों की रही व्यापक मौजूदगी

इस महत्वपूर्ण बैठक में उप विकास आयुक्त बक्सर, अपर समाहर्ता बक्सर, अपर समाहर्ता (विभागीय जांच), स्थापना उप समाहर्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के नोडल पदाधिकारी मौजूद रहे। बक्सर जिला प्रशासन की यह सक्रियता स्पष्ट संकेत देती है कि विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर तैयारी के स्तर पर कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी। चाहे प्रशिक्षण हो, सामग्री वितरण, पोस्टल बैलट की प्रक्रिया या फिर मतदाता जागरूकता, हर पहलू पर प्रशासन गंभीर और सतर्क नजर आ रहा है। यह तय है कि जिले में स्वच्छ और निष्पक्ष चुनाव कराने की दिशा में प्रशासन ने अब पूरी रफ्तार पकड़ ली है।

एक नजर

पंचायत भवनों में सुविधा का टोटा, ग्रामीणों की उम्मीदें अधूरी

डुमरांव। गांवों में पंचायत और सामुदायिक भवन बनने से लोगों को उम्मीद थी कि उनकी बैठकों, सामाजिक कार्यक्रमों और सरकारी कार्यों के संचालन में आसानी होगी। डुमरांव प्रखंड के कनसराय पंचायत में बने पंचायत भवन और सामुदायिक भवन को इसी उद्देश्य से तैयार किया गया। लेकिन हकीकत यह है कि निर्माण पूरा होने के बावजूद इन भवनों का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। भवन तो खड़ा हो गया, परंतु उसमें पेयजल, शौचालय, साज-सज्जा और साफ-सफाई जैसी बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है। न पानी की टंकी है, न शौचालय चालू अवस्था में। स्थिति ऐसी है कि पंचायत के लोग भवन का उपयोग करने से कतराते हैं। नतीजतन पंचायत बैठकों और ग्राम सभाओं के दौरान लोगों को परेशानी झेलनी पड़ती है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि भवन में जरूरी सुविधाएं उपलब्ध हो जाएं, तो शादी-ब्याह से लेकर छोटे-मोटे सामाजिक समारोह भी यहीं आयोजित किए जा सकते हैं। अभी की स्थिति में वे बाहर किराए के भवन या मैरिज हॉल का सहारा लेने को मजबूर हैं। इस संबंध में पंचायत राज पदाधिकारी रोहिणी कुमारी का कहना है कि जल्द ही इन भवनों में पेयजल और शौचालय की व्यवस्था कराई जाएगी। उनका कहना है कि हर पंचायत भवन और सामुदायिक भवन को सूचीबद्ध कर सुविधाएं बहाल करने का काम शुरू कर दिया गया है। भाजपा नेता संतोष दुबे ने भी इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाते हुए कहा कि जब भवन ग्रामीणों की सुविधा के लिए बने हैं, तो उनका सही उपयोग होना चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि विभागीय पहल से जल्द ही आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। ग्रामीण अब उम्मीद लगाए बैठे हैं कि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की सक्रियता से यह भवन सचमुच उनके काम आ सकेगा। सवाल यह है कि कब तक गांवों में खड़े ये भवन सिर्फ ह्लदीवारेंह्वबने रहेंगे और कब इनमें जीवन फूंकने वाली सुविधाएं जुड़ेंगी।

बक्सर में जन सुराज नेता रवि सिन्हा पर हमला, हमलावरों ने वाहन पर चलाए पत्थर

केटी न्यूज/डुमरांव

जिले के चर्चित युवा सामाजिक कार्यकर्ता व जन सुराज के नेता रवि सिन्हा पर गुरूवार को हमला किया गया है। यह हमला बक्सर-पटना फोरलेन पर दलसागर टोल प्लाजा के समीप नया भोजपुर थाना क्षेत्र में किया गया है। इस संबंध में रवि सिन्हा ने बताया कि वे अपनी चारपहिया वाहन से बक्सर से डुमरांव आ रहे थे। जैसे ही दलसागर के समीप स्थित टोल प्लाजा पार किए कि दो बाइक से पांच लड़के पहले से ही मुंह बांधकर खड़े थे और मेरी गाड़ी पर एक साथ चार पांच पत्थर से हमला कर दिए। गाड़ी तेज था केवल एक ही पत्थर गाड़ी पर पड़ा। रवि का कहना है कि इस हमले से गाड़ी पलट भी सकता था। रवि ने बताया कि हमलावरों ने आगे से शीशा पर मारा था, पर वाहन की रफ्तार तेज होने के कारण पत्थर गाड़ी के साइड में लगा है, जिससे किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ है। उन्होंने इस घटना को समाज के लिए चिंतनीय बताया और कहा कि उनका किसी से कोई विवाद नहीं है। रवि सिन्हा ने कहा कि वे इस घटना की शिकायत नया भोजपुर थाने में करेंगे। बता दें कि जन सुराज पार्टी में रवि सिन्हा एक बड़ा नाम बन गया है तथा वे डुमरांव विधानसभा के प्रत्याशी की रेस में बने है। ऐसे में यह हमला कई सवाल खड़े कर रहा है। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक उन्होंन इस घटना की जानकारी पुलिस को नहीं दी थी।

प्रखंड के 227 आंगनबाड़ी केंद्रों से घर-घर पहुंचेगी सुविधा-शबाना कस्फी

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव प्रखंड में संचालित होने वाले सभी आंगनबाड़ी केन्द्र आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे। सरकारी दिशा-निदेर्शों के तहत घर-घर सेवाएं पहुंचाने की दिशा में सक्रीता बढ़ती जा रही है। केंद्रों का लक्ष्य है कि बच्चों, गर्भवती महिलाओं और माताओं तक सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर पहुँच सके। प्रखंड स्तर पर आयोजित बैठक में सीडीपीओ शबाना कस्फी ने सेविकाओं को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी कार्य ईमानदारी और जिम्मेदारी से पूरे किए जाएँ। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा लागू नई एफआरएस प्रणाली के तहत आंगनबाड़ी सेवाओं को

और अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाया गया है। सेविकाओं को समय पर केंद्र पर उपस्थित रहना होगा, और यदि कोई बच्चा अनुपस्थित है तो उसकी जानकारी लेने के लिए घर तक जाना उनकी जिम्मेदारी होगी।

सीडीपीओ ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र न केवल नौनिहालों की देखभाल करते हैं बल्कि गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण संबंधी लाभ पहुँचाने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। केंद्रों पर स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण और पौष्टिक आहार वितरण जैसी सुविधाएँ नियमित रूप से उपलब्ध कराई जाती हैं। हालाँकि, अब भी कई आंगनबाड़ी केंद्रों का अपना भवन नहीं है और वे किराए पर चल रहे हैं। इस समस्या को लेकर विभागीय स्तर पर विचार किया जा रहा है। अधिकारियों का मानना है कि स्थायी भवन उपलब्ध हो जाने से सेवाओं की गुणवत्ता और बेहतर होगी। बैठक में यह भी तय किया गया कि सेविकाएं समय पर रिपोर्टिंग करेंगी और सभी लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाएगा। मौके पर प्रतिभा यादव सहित कई अधिकारी और सेविकाएं मौजूद रहे। इन प्रयासों से उम्मीद की जा रही है कि आंगनबाड़ी सेवाएँ अब और अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और लाभकारी रूप में आमजन तक पहुंच पाएगी।

ब्रह्मपुर में एनडीए का पावर शो, कार्यकर्ता सम्मेलन बना चुनावी शंखनाद

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्र का बीबीएन हाई स्कूल खेल मैदान गुरुवार को शक्ति प्रदर्शन का गवाह बना, जब एनडीए के कार्यकर्ता सम्मेलन में हजारों की भीड़ उमड़ी। इस आयोजन ने न सिर्फ कार्यकताओं के उत्साह को नई ऊर्जा दी, बल्कि आगामी विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए के चुनावी अभियान की औपचारिक शुरूआत जैसा माहौल भी बना दिया।

सम्मेलन की अध्यक्षता लोजपा जिला अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने की और संचालन भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश भवन ने। मुख्य अतिथि भाजपा नेता ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि ब्रह्मपुर की जनता का विश्वास

एनडीए पर लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने युवाओं, किसानों और महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं को बिहार की प्रगति की रीढ़ बताया।

नेताओं का शक्ति प्रदर्शन भी सम्मेलन की खासियत रहा। हुलास पांडे, डॉ. सत्य प्रकाश तिवारी और प्रदीप राय अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ पहुंचे। आशीष रंजन राय और

सत्येंद्र कुमार जुलूस के साथ मैदान में दाखिल हुए तो माहौल और जोशीला हो गया।

जदयू जिलाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की योजनाओंकृजल-जीवन-हरियाली, सात निश्चय और ग्रामीण सड़क निर्माण को जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया। विंध्याचल कुशवाहा ने बीस साल पहले की राजनीतिक तस्वीर का जिक्र कर कहा कि एनडीए ने बिहार को शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़क के मामले में नई दिशा दी है।

सम्मेलन का समापन कार्यकताओं की नारेबाजी और संकल्प से हुआ। सभी नेताओं और कार्यकताओं ने माना कि यह चुनाव सिर्फ प्रत्याशी की लड़ाई नहीं बल्कि विकास और विचारधारा की जंग है। भीड़ और जोश ने साफ संकेत दिया कि ब्रह्मपुर विधानसभा में एनडीए ने चुनावी रणभूमि में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा दी है।

डुमरांव में बिजली संकट पर शुरू हुआ अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल

- **सात सूत्री मांगों को लेकर सड़क पर उतरे उपभोक्ता, विभागीय आश्वासनों पर जताया अविश्वास**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में लगातार बिगड़ती बिजली व्यवस्था और उपभोक्ताओं की बढ़ती परेशानियों को लेकर अब हालात आंदोलन की स्थिति में पहुंच गए हैं। सामाजिक संस्था स्वयं शक्ति ने बिजली आपूर्ति में हो रही अनियमितताओं को लेकर गुरुवार से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है। संगठन का आरोप है कि वर्षों से बिजली की समस्या जस की तस बनी हुई है, लेकिन विभाग केवल आश्वासन देकर मामले को टालता आ रहा है।

गुरुवार दोपहर 12 बजे संस्था के संयोजक धीरज मिश्रा, सर्वेश पांडेय, अविनाश त्रिपाठी और विजय सिन्हा सहित कई सदस्य वीर शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भूख हड़ताल पर बैठ गए। इससे पहले संस्था ने 8 से 10 सितंबर तक धरना दिया था, लेकिन कोई ठोस पहल नहीं होने पर उन्होंने आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया।

भूख हड़ताल पर बैठने वाले स्वयंशक्ति के सदस्यों ने अपनी सात सूत्री मांगों को भी गिनवाया है, जिनमें शहर में पर्याप्त संख्या में नए ट्रांसफार्मर लगाने, ग्रिड को पर्याप्त बिजली आपूर्ति देने, जगह-जगह लटक रहे जर्जर तारों को बदलने, बिजली विभाग में तकनीकी कर्मियों की बहाली करने, टोल-फ्री नंबर का प्रभावी संचालन करने, लो वोल्टेज की समस्या का स्थायी समाधान करने

तथा आपदा प्रभावित क्षेत्रों में तारों को अंडरग्राउंड करना और पुराने खराब बॉक्स बदलना शामिल है।

संगठन का कहना है कि ये मांगें किसी निजी स्वार्थ से नहीं, बल्कि आम उपभोक्ताओं की सुरक्षा और सुविधा से जुड़ी हुई हैं। यदि विभाग ने इन्हें समय रहते लागू नहीं किया तो कभी भी बड़ी दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

विभाग ने दिया भरोसा, आंदोलनकारियों ने ठुकराया

धरना शुरू होने के पहले ही दिन कार्यपालक अभियंता कुमार अभिषेक, एईई आरके दुबे और जेई मोहम्मद इम्तियाज हुसैन मौके पर पहुंचे और वार्ता की। अधिकारियों ने दिवाली तक सभी जर्जर तार और पुराने बॉक्स बदलने का आश्वासन दिया। हालांकि संगठन ने इसे केवल ह्लकागजी भरोसाह्व करार देते हुए आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया।

दूसरे दिन फिर से कनीय विद्युत अभियंता मोहम्मद इम्तियाज हुसैन धरना स्थल पहुंचे और जल्द कार्य शुरू कराने की बात कही, लेकिन इस बार भी आंदोलनकारी नहीं माने। संगठन के संयोजक धीरज मिश्रा ने कहा कि अब जनता केवल वादों से संतुष्ट नहीं होगी। विभाग को ठोस कार्रवाई करनी ही होगी। वहीं, सदस्य सर्वेश पांडेय का कहना था कि सिर्फ तार और बॉक्स लाकर दिखाने से समस्या खत्म नहीं होगी। जब तक सभी मांगें पूरी तरह लागू नहीं हो जातीं, आंदोलन जारी रहेगा।

जनता का मिल रहा है समर्थन

गांव-गांव में खराब बिजली आपूर्ति को लेकर उपभोक्ताओं में पहले से ही गुस्सा है। कभी ट्रांसफार्मर जलने से अंधेरा छा जाता है, तो कभी लो वोल्टेज के कारण पंखे और बल्ब तक ठीक से नहीं जल पाते। बरसात और आपदा के समय जर्जर तारों से खतरा और बढ़ जाता है। यही वजह है कि आम लोग भी संस्था के इस आंदोलन के समर्थन में खड़े हो गए हैं।

जनता का कहना है कि बिजली की मूलभूत समस्याओं के समाधान के बिना विकास की बात करना बेमानी है। स्थानीय लोगों की यही उम्मीद है कि विभाग जल्द से जल्द समस्याओं का ठोस समाधान करे, वरना भूख हड़ताल का दायरा और बड़ा हो सकता है।

आरा परिसदन में गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा जीएसटी सुधार पर एक प्रेस वार्ता

सरकार की सुधारो का लाभ सभी को मिले, देश के सभी व्यक्ति लाभान्वित हो : संतोष पाठक

केटी न्यूज/आरा

आरा परिसदन में गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा जीएसटी सुधार पर एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष पाठक ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 से केन्द्र मे नरेन्द्र मोदी सरकार ने बहुत सारी सुधार की सुविधा प्रदान की। 2017 मे देश के कर मे सुधार करते हुए केन्द्र सरकार ने जीएसटी लागू किया। जीएसटी लागू होने से देश की आर्थिक सुधार मे अच्छा परिणाम देखने को मिला। इससे देश मे आर्थिक व्यवस्था उन्नत हुई है।बाजार मे एकीकरण हुआ है। राज्यो के बीच कम और अधिक कर और हिस्सेदारी का जो विवाद होता था,वह समाप्त हो गया। जीएसटी लागू होने के बाद किसी राज्य ने केन्द्र पर आरोप नही लगाया कि उनकी हिस्सेदारी कम मिल रहा है। आज वैश्विक अर्थव्यवस्था मे भारत की अर्थव्यवस्था जुड़ गई है और इससे देश को लाभ हुआ है। आज देश चौथी अर्थव्यवस्था हो गया है और तेजी से तीसरी एवं दूसरी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। आज जीएसटी से कलेक्शन और सामान्य वितरण के परिणाम स्वरूप ही आर्थिक व्यवस्था मजबुत हुआ है। प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि 56 वें जीएसटी कौंसिल की बैठक के बाद जीएसटी करो मे सुधार किया गया है। रोजमर्रा मे उपयोग होने वाली महत्वपूर्ण वस्तुओं की कीमत मे कमी आई है। हर घर मे उपयोग होने वाले डेयरी उत्पादों पर जीएसटी कर बारह प्रतिशत से घट कर पांच प्रतिशत हो गया। मेडिकल संबंधी उपयोगी वस्तुओं की दरों मे अठारह प्रतिशत से पाँच प्रतिवत हो गया है। उन्होनें कहा कि अटल जी के सरकार मे साक्षरता अभियान चलाया गया था। छात्रो के उपयोगी वस्तुओं पर आज केन्द्र सरकार ने जीएसटी कर जीरो प्रतिशत कर शिक्षा मे क्रांति लाने का काम की है।बिहार एक कृषि प्रधान राज्य है और किसानों के हित की ख्याल रखते हुए कृषि उपकरण पर कर अठारह प्रतिशत से पाँच प्रतिशत हो गया। देश के किसान संगठनो ने प्रधानमंत्री को इस फैसले के खुशी मे प्रशस्ति पत्र लिख कर बधाई दिए है। सभी चीजो पर कर कम कर दिया गया है। अब देश में दो प्रकार के कर स्लैब केवल पाँच प्रतिशत एवं अठारह प्रतिशतत्रका रह गया है,जिससे सभी क्षेत्रो मे लाभ मिलेगा ओर देश आर्थिक मजबुती की ओर एक कदम आगे बढ गया। उन्होने कहा कि नई जीएसटी सुधार नियम की घोषणा होते ही महंगाई दर 2.10 प्रतिशत से 1.05 प्रतिशत हो गया। सरकार की नीति है कि महंगाई नियंत्रण मे हो,सरकार की सुधारो का लाभ सभी को मिले,देश के सभी व्यक्ति लाभान्वित हो,सुदृढ,सुलभ सरकार चलती रहे,समाज मे अच्छा वातावरण बने।आज देश मे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11 वर्षो से सरकार चला रही है।आज भारतीय जनता पार्टी के विचारधारा से सभी जुड़ रहे है।

प्रेस वार्ता कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष दुर्गा राज,जिला मीडिया प्रमुख संजय कुमार सिंह, महामंत्री ममता सिंह,संतोष चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष सूर्यकांत पांडेय,ज्योति कुशवाहा, युवा मोर्चा अध्यक्ष विभु जैन,आदित्य कुमार आदि,सत्तोष पाडेय,मृत्युंजय तिवारी सहित पदाधिकारी थे।

जगदीशपुर में हादसा : सवारी बस को पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने मारी टक्कर, दो दर्जन लोग घायल

केटी न्यूज/आरा

मोहनिया नेशनल हाईवे जगदीशपुर थाना क्षेत्र के हाट पोखर के समीप गुरुवार की सुबह बेलगाम ट्रक ने यात्री बस में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी,हादसा इतना जबरदस्त था कि टक्कर लगने के बाद बस दस फीट उछलकर खाई में जाकर पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में बस पर सवार दो दर्जन से ज्यादा लोग बुरी तरह जख्मी हो गए। इसके बाद स्थानीय ग्रामीण एवं सड़क पर दौड़ रहे युवकों के मदद से सभी जख्मियों को बस से बाहर निकाला गया और एम्बुलेंस एवं अन्य वाहन के सहयोग से अलग अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया। जख्मियों में अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के खरौरा गांव निवासी शिव जी राय के 36 वर्षीय पुत्र मनोज राय, खननी खुर्द गांव निवासी नर्देश्वर पासवान के 18 वर्षीय पुत्र इंद्रजीत पासवान उसकी 23 वर्षीय बहन ऊषा कुमारी,बक्सर जिले नवानगर थाना क्षेत्र के कड़सर गांव निवासी स्व मोती लाल चौधरी के 80 पुत्र अवध बिहारी चौधरी,जगदीशपुर थाना क्षेत्र के कहथू गांव निवासी मुन्ना प्रसाद का 17 वर्षीय पुत्र दीपू कुमार,पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद निवासी तोहिद शेख के 38 वर्षीय पुत्र जाहिर शेख,धनगाई थाना क्षेत्र के धनगाई गांव निवासी स्व परशुराम पांडेय के 50 वर्षीय पुत्र ओम प्रकाश पाण्डेय एवं उनकी 17 वर्षीय बेटी साक्षी कुमारी,बक्सर जिले के नवानगर थाना क्षेत्र के महादेवगंज गांव निवासी मन्नू लाल के 35 वर्षीय पुत्र मनीष कुमार,इनकी 31 वर्षीय पत्नी जयंती कुमारी एवं 4 वर्षीय बेटा उत्कर्ष कुमार समेत दो दर्जन से ज्यादा लोग शामिल है। बताया जाता की अष्टभुजी नाम की बस मलियाबाग से आरा तक हर चलती है। इस बस से हर रोज सैकड़ों यात्री आतेझजाते है। आज सुबह करीब इस बस पर ढाई दर्जन से ज्यादा लोग सवार थे। इधर,जख्मी मनीष ने बताया कि अपने पुत्र उत्कर्ष को दिखाने के लिए आरा से पटना जाना था। आज सुबह अपने गांव महादेवगंज बस स्टॉप से बस पकड़कर आरा आ रहे थे। इसी बीच हाट पोखर गांव के समीप ट्रक वालों ने बस में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें सभी जख्मी हो गए। इधर,साक्षी ने बताया उसकी स्नातक की परीक्षा हो रही है। जिसे लेकर वो अपने पिता और भाभी के साथ आरा आ रही थी। इसी दौरान यह हादसा हो गया है। वही जख्मी इंद्रजीत ने बताया कि उसकी बहन ऊषा की डीएलएड की परीक्षा पटना में होने वाली थी। जिसको लेकर अपने गांव खननी खुर्द से बस पकड़कर आरा आ रहे थे। इसी बीच हाटपोखर गांव के समीप पैसेंजर बैठाने के लिए बस साइड ही कर रहा था तभी तेज रफ्तार से पीछे से आ रहे ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बस के अंदर बैठे 25 से ज्यादा से ज्यादा यात्री अपनी सीटों से फेंका गए और टक्कर लगते ही बस सड़क किनारे गड्ढे में जाकर पेड़ से टकरा गई। इसके बाद ग्रामीणों के मदद से सभी को बाहर निकाला गया। जख्मी मनोज राय ने बताया कि हम अपने गांव खरौरा किसी काम से गए थे। आज सुबह बस से आरा आ रहे थे,इसी बीच ट्रक ने जोरदार टक्कर मारी,टक्कर लगते ही बस स्पीड से जाकर शीशों के पेड़ से टकरा गई। बस के अंदर 30 से ज्यादा लोग सवार थे। सभी को चोटे आई है। बंगाल के मुर्शिदाबाद के रहने वाले जोहिर शेख ने बताया कि वह यहां रहकर घूम घूमकर फेरी का काम करते है। आज भी काम पर जा रहे थे। हादसे में मेरे सिर पर गंभीर चोट लगी है। इसके बाद अन्य लोगों ने पहले जगदीशपुर के अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया उसके बाद बेहतर इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया।

सासाराम : स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी ने कुख्यात चोर को किया गिरफ्तार

केटी न्यूज/रोहतास

सासाराम स्टेशन पर वरीय अधिकारियों के निदेर्शानुसार आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम हेतु आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक सासाराम संजीव कुमार तथा जीआरपी सासाराम थानाध्यक्ष सुमन कुमार के नेतृत्व में गठित टीम में उप निरीक्षक दीपेन्द्र सिंह राणावत साथ आरक्षी बबलेश कुमार मीणा, आरक्षी विमलेश भारती, आरक्षी सौरभ कुमार सभी रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सासाराम तथा जीआरपी से पुलिस अवर निरीक्षक संतोष कुमार व दयानंद सभी संयुक्त रूप से सासाराम स्टेशन पर गस्त चेकिंग व अपराधिक गतिविधि निगरानी कर रहे थे, उसी दौरान एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था मे एक लाल काले एयर बैग के साथ निकलते हुए देखा गया जिसका नाम व पता पूछने नाम विमलेश राम उम्र 26 वर्ष पुत्र प्रदीप राम निवासी ग्राम पिपराडीह ,थाना नासरीगंज, रोहतास बताया जा रहा है। जिसके पास से बरामद बैग किसी यात्री का एक बैग व तीन अदद मोबाइल चोरी कर ले जाते हुए को दबोचा लिया गया। बाद बैग को खुलवाकर चेक करने पर उक्त बैग में एक लेडिस पर्स से एक जोड़ी सोना जैसा पिला रंग का कान का टॉप,एक जोड़ी पायल सिलवर रंग का,एक पिले रंग का हार, चार अदद पिले रंग का कान का झुमका,एक अदद पिले रंग का मांग टिका,दो अदद हल्का गुलाबी रंग का अंगुठी,दो जोड़ी पिले रंग का कान का टॉप, कुछ नगद एवं बैग से महिला एवं बच्चों का दैनिक प्रयोग का कपड़े बरामद हुआ तथा उक्त व्यक्ति की तलाशी लेने पर चोरित 03 स्कीन टच मोबाईल रेडमी कम्पनी का ब्लू रंग का पैटर्न लॉक लगा हुआ। साथ ही विवो कम्पनी का ब्लू रंग का स्कीन लॉक लगा हुआ, तथा दायें पॉकेट से एक विवो कम्पनी का अरोरा गोल्ड रंग का पासवर्ड लॉक लगा हुआ मोबाइल बरामद हुआ। बाद मौके की कागजी कार्रवाई कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई हेतु राजकीय रेल पुलिस थाना सासाराम पर ले जाकर मुकदमा पंजीकृत किया गया। उक्त अपराधी का अपराधिक इतिहास ज्ञात करने पर स्थानीय थाना नासरीगंज में पॉसो एक्ट तथा जीआरपी डेहरी ओन सोन में चोरी का 2 मामला दर्ज है। अपराधी के पास से बरामद सामान की अनुमानित कीमत 1 लाख रुपए लगाया जा रहा है।

भाभी के प्यार में पागल पति ने अपने ही पत्नी का किया कत्ल, प्राथमिकी दर्ज

- **बिक्रमगंज थाना के इसरपुरा गांव में घटना को दिया अंजाम**

केटी न्यूज/रोहतास

थाना क्षेत्र के इसरपुरा गांव में बुधवार की देर रात एक विवाहिता की हत्या का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। घटना बुधवार की दोपहर करीब 5 बजे घटी। लेकिन सूचना मृतक के परिजनों द्वारा स्थानीय बिक्रमगंज पुलिस को रात करीब 8 बजे बताई दी गई। इस घटना के संदर्भ में बताया जाता है कि बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के खैरा भूधर पंचायत के इसरपुरा निवासी हनुमान उपाध्याय उर्फ श्रीकांत उपाध्याय ने अपनी 35 वर्षीय पत्नी अस्मिता कुमारी उर्फ अस्मिता देवी को चापाकल के पाइप से सिर पर जोरदार वार कर मौत के घाट उतार दिया। मौके पर ही विवाहिता की मौत हो गई । सूचना मिलते ही मृतका के मायके वाले ससुराल पहुंच गए । वहीं पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया । थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि मृतका अस्मिता कोचस थाना क्षेत्र के हरिहर डिहरी गांव की रहने वाली थी । मृतका के भाई उज्ज्वल कुमार ने पुलिस को दिए लिखित आवेदन में बताया कि करीब 12 वर्ष पूर्व

हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार सामर्थ्य के मुताबिक दान-दहेज देकर मेरी बहन अस्मिता की शादी बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के हनुमान उपाध्याय उर्फ श्रीकांत उपाध्याय से हुई थी। मृतका के भाई ने आरोप लगाया है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष लगातार मेरी बहन को प्रताड़ित करते रहे। अंततः मेरी बहन की हत्या कर दी गई । थानाध्यक्ष ने बताया कि मृतका के तीन बच्चों में एक बेटी और दो बेटे हैं। मृतका के भाई के बयान पर ससुराल पक्ष के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। थानाध्यक्ष ने कहा कि मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी गई है और दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जायेगा।

अंजबित सिंह महाविद्यालय में एलुमिनाई मीट कार्यक्रम का आयोजन

केटी न्यूज/रोहतास

स्थानीय शहर के अंजबित सिंह महाविद्यालय में एलुमिनाई मीट कार्यक्रम आयोजित की गई। जिस कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया। उसके बाद कार्यक्रम की शुरूआत गणेश मंत्र के साथ शुरूआत की गई। पूर्ववर्ती छात्र एवं शिक्षक सम्मेलन से नई ऊर्जा का संचार एवं पुरानी यादें ताजा हो जाती है। जब एक लंबे अर्से के बाद लोग एक-दूसरे से मिलते-जुलते है। जिससे यह पल काफी सुखद एवं उत्साह वर्धक रहता है । ये बाते अंजबित सिंह महाविद्यालय वनस्पति विभाग द्वारा आयोजित प्रथम पूर्ववर्ती छात्र व शिक्षक सम्मेलन समारोह में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर के प्रो. डॉ. आनंद किशोर ने कहा। इस समारोह में बहुत से पूर्ववर्ती छात्र शामिल हुए और अपने अनुभवों को साझा किए। इस अवसर पर वनस्पति विभाग द्वारा स्मारिका का भी विमोचन किया गया। जिसका सम्पादन विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. शशि भूषण द्वारा किया गया। वनस्पति विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. शंभु शरण सिंह अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से बहुत दिनों से बिछड़े लोग एक-दूसरे से मिलते है। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओम प्रकाश राम, पूर्व प्रभारी प्राचार्य डॉ भास्करम,वनस्पति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ कन्हैया सिंह ने संयुक्त रूप से किया। प्राचार्य प्रो राम ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह का कार्यक्रम सभी विभागों को आयोजित करना चाहिए और कॉलेज स्तर पर होना चाहिए। इस मिलन समारोह में सुदूर इलाकों से लगभग 25 पूर्ववर्ती छात्र सम्मिलित हुए। सभी को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मां के नाम एक पेड़ कार्यक्रम तहत महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इस मिलन समारोह का मुख्य थीम पेड़ लगाओ जीवन बचाओ था। कार्यक्रम का संचालन डॉ कन्हैया सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन वरीय शिक्षक डॉ राजेश कुमार ने किया। कार्यक्रम में अरुण कुमार सिंह, प्रो. फजल अहमद, परवेज अहमद, डॉ. रविकांत पांडेय, डॉ. सरोज राम, डॉ. सरिता कुमारी, मेघा, मुनमुन चौधरी, सुकेश्वर सिंह सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिका,शिक्षकेत्तर कर्मी एवं बच्चे उपस्थित थे।

एक नजर

इंडी को परास्त कर उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन देश के नाम लिखेंगे विकास की नई गाथा : डॉ. मनीष

उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए की जीत पर कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

बिक्रमगंज । उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के जीत पर काराकाट विधानसभा भाजपा नेता सह प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ. मनीष रंजन ने उन्हें हार्दिक बधाई दी। इस जीत पर डॉ. मनीष ने कहा कि विगत 9 सितंबर 2025 को संपन्न हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल 767 सांसदों ने वोट डाला था। जिसमें 767 वोटों में से 15 वोट रद्द हो गए। इसके बाद भी सीपी राधाकृष्णन को 452 वोट मिले। जबकि इंडी गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। जिसके बाद विजयी सरताज पहन एनडीए के सीपी राधाकृष्णन देश के 15वें उपराष्ट्रपति बनें। इस अवसर पर काराकाट विधानसभा भावी प्रत्याशी भाजपा नेता डॉ. मनीष ने एनडीए कार्यकताओं के साथ खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन में उनके दशकों के समृद्ध अनुभव राष्ट्र की प्रगति में एक महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। जिनके कार्यकाल के योगदान से पुनः भारत अब दुनिया एक प्रभावशाली और सशक्त देश बनने की ओर अग्रसर होगा। भाजपा नेता ने उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सीपी राधाकृष्णन का जीवन हमेशा समाज की सेवा और गरीबों व हाशिए पर पड़े लोगों को सशक्त बनाने के लिए समर्पित रहा है। अतः पूरे देश को उनके उपर विश्वास है कि वे एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति होंगे, जो हमारे संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करेंगे और संसदीय संवाद को आगे बढ़ाएंगे।

पीएचसी के आरसीएच 2.0 पर एएनएम का प्रशिक्षण संपन्न

बिक्रमगंज । गुरुवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बिक्रमगंज में एएनएम के लिए आरसीएच 2.0 पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पीएचसी बिक्रमगंज के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सौरभ प्रकाश ने की। प्रशिक्षण दौरान पिरामल स्वास्थ्य टीम ने प्रतिभागियों को आरसीएच 2.0 के उपयोग की जानकारी दी, तथा बताया कि किस प्रकार गर्भवती महिला का पंजीकरण से लेकर प्रसव तक का विवरण दर्ज कर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ दिलाया जा सकता है। प्रतिभागियों को हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण भी दिया गया। अवसर पर प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक अशोक कुमार,बीएम एंड इओ तथा पिरामल स्वास्थ्य की जिला स्तरीय टीम से मोशर्रफ अली,अजय पडवार और मिनाक्षी मेहर मौजूद रहे। प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक अशोक कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण को सफल बताते हुए अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि इससे मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में और सुधार होगा। मौके पर सभी एएनएम,आशा फेसिलेटर,राजू कुमार सिंह, डाटा ऑपरेटर सूरज कुमार सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी लोग मौजूद थे।

प्रसूता की मौत के दो माह बाद भी नहीं हुई कार्रवाई, परिजन परेशान

काराकाट । काराकाट नगर पंचायत गोड़ारी के बुढ़वल रोड स्थित जनता नर्सिंग होम में जयश्री गांव निवासी 26 वर्षीय प्रसूता संगीता देवी की प्रसव दौरान गलत ऑपरेशन से मौत हो गई थी। प्रसूता की मौत के मामले में डॉक्टर खिलाफ कारवाई को ठंढ़े बस्ते में डाल दिया गया है। गौरतलब हो कि 7 जुलाई को प्रसूता संगीता देवी जो पति विनोद प्रसाद की पत्नी थी उसकी मौत हुई थी। जो विगत 11 जुलाई को जनता नर्सिंग होम के संचालक राजदेव कुमार सिंह पर एफआईआर दर्ज हुआ था। सीएस डॉ. मणिराज रंजन, बीडीओ राहुल कुमार सिंह, सीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राजीव कुमार, थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार व पुलिस बल की मौजूदगी से नर्सिंग होम को सील किया गया था। एफआईआर के बाद डॉक्टर फरार हो गया था। उस समय पुलिस ने परिजनों को आश्वासन दिया था कि डॉ. को गिरफ्तार कर बहुत जल्द जेल भेज दिया जाएगा। लेकिन एफआईआर के दो माह बीत जाने के बाद भी न डॉक्टर गिरफ्तार हुए न परिजन को दिया गया आश्वासन पूरा हुआ। फर्जी क्लीनिकों के संचालन पर रोक लगाने की मांग उक्त घटना के पहले से मांग होती आ रही थी, लेकिन फर्जी क्लिनिक का न संचालन रुका न विभागीय कार्रवाई हुई। जबकि हालात ये है कि सीएचसी काराकाट गोड़ारी के पांच सौ मीटर के दायरे में कई अवैध फर्जी क्लिनिक संचालित है। सबसे चौकाने वाला बात ये बताया जाता है कि फर्जी क्लीनिकों पर छापेमारी के पहले ही सूचना मिल जाती है ।क्लिनिक बंद कर सभी फरार हो जाते है। जब विभाग की मिली भगत नहीं होगी तो कैसे फर्जी क्लिनिक वालों को पता चलेगा कि छापेमारी दल छापेमारी को जा रही है। मृतक प्रसूता के परिजनों ने बताया कि दो माह का समय पूरा हो गया लेकिन पुलिस एक आरोपित डॉक्टर को नहीं पकड़ सकी। इसमें पुलिस की डॉक्टर को बचाने की जरूर संलिप्तता है। थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने जनाकारी ली गई तो बताया गया कि जांच जारी है।

काराकाट पुलिस में शस्त्र सत्यापन किया शुरू

काराकाट। बिहार विधान सभा चुनाव को ध्यान में रख क्षेत्र के शस्त्र लाइसेंसधारियों का सत्यापन किया जा रहा है। शस्त्र सत्यापन का कार्य 11 सितंबर से शुरू हुआ और अंतिम तिथि 17 सितंबर तक कराने का निर्देश दिया गया। काराकाट थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने बताया कि बिहार विधान सभा चुनाव में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए वरीय अधिकारियों के आदेशानुसार क्षेत्र के सभी लाइसेंसधारी अपने शस्त्र का थाना परिसर में भौतिक सत्यापन कराना अनिवार्य समझें । विधि- व्यवस्था बनाए रखने के लिए शस्त्रों का भौतिक सत्यापन करना आवश्यक है। यदि लाइसेंसधारी सत्यापन में किसी प्रकार की लापरवाही बरतते हैं,तो उनका लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा। लापरवाही बरतने वाले लाइसेंसधारियों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि शस्त्र लाइसेंसधारियों को ऐसा लगता होगा कि आगे शस्त्र को सत्यापन कराने के लिए दोबारा मौका मिले यह लापरवाही होगी । लाइसेंसधारीयों को जल्द से जल्द निर्धारित तिथि के अंदर अपना शस्त्र का सत्यापन सुनिश्चित करना होगा,नहीं तो करवाई के साथ साथ लाइसेंस रद्द की जा सकती है।

पशु मेला से चोरों ने उड़ाया बाइक पपुलिस ने किया बरामद

काराकाट। काराकाट पशु मेला के समीप से एक बाइक चोरी होने का मामला प्रकाश में आया है। चोरी की घटना बुधवार दोपहर की बताई जा रही है। सूत्रों द्वारा बताया गया कि रोहतास जिला अंतर्गत अकोढ़ी गोला के चिरैयाडीह निवासी स्व. बदन सिंह के पुत्र संजय सिंह अपना बाइक पशु मेला के समीप खड़ा कर पशु खरीदने गए थे। जब वो वापस लौटे तो देखा कि उक्त स्थल पर बाइक नही थी, काफी खोजबीन करने पर भी बाइक का कही पता नही चला, तो अगले दिन एक लिखित आवेदन लेकर थाना पहुंचे। संजय यादव ने कहा कि मैं कल बुधवार को पशु मेला में गाय खरीदने के उद्देश्य से आया था। इसी बीच अपने बाइक काराकाट पशु मेला के पास अपनी बाइक खड़ा कर चला गया। जब वापस लौटा तो बाइक गायब थी काफी खोजबीन के बाद भी जब बाइक नहीं मिला तो काराकाट थाना में एक लिखित आवेदन दिया। इस मामले में काराकाट थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने बताया कि संजय सिंह की बाइक का आवेदन प्राप्त हुआ हैं,गुरुवार को जांचोंपरांत इस पर प्राथमिकी दर्ज की ही जाती,तभी गस्त टीम को एक लावारिस बाइक हाथ लग गई,जो इसी संजय सिंह की थी।

10 सितंबर को पटना के बीजेपी दफ्तर का घेराव करने पहुंचे जमीन सर्वे के बर्खास्त संविदा कर्मियों पर पुलिस ने किया था लाठीचार्ज

लाठीचार्ज से गुस्साए बर्खास्त सर्वे कर्मियों ने पटना में निकाला आक्रोश मार्च

एजेंसी। पटना

10 सितंबर को पटना के बीजेपी दफ्तर का घेराव करने पहुंचे जमीन सर्वे के बर्खास्त संविदा कर्मियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया था, जिसमें कुछ का सिर फट गया था, वही कई कर्मी घायल हो गये थे। नौकरी से बर्खास्त विशेष सर्वेक्षण संविदा कर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। आज फिर उन्होंने पटना में आक्रोश मार्च निकाला। पटना के गर्दनीबाग धरनास्थल से यह जुलूस निकला और पटना जंक्शन होता हुआ बुद्धा स्मृति पार्क के पास पहुंचा। जहां आंदोलनकारियों ने एनडीए सरकार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। आंदोलनकारी

लाठीचार्ज की घटना से आक्रोशित थे और दोषी पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे। गुस्साएं बर्खास्त कर्मियों सरकार के समक्ष अपनी मांगे रखी और इस पर विचार करने की बातें कही। इससे पहले विशेष सर्वेक्षण संविदा कर्मी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने राजद नेता तेजस्वी यादव से मुलाकात की। तेजस्वी यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर इस बात की जानकारी दी। तेजस्वी यादव ने लिखा कि "विशेष सर्वेक्षण संविदा कर्मी संघ की तरफ से पुनः एक बार फिर प्रतिनिधि मंडल मिला। सरकार ने इन्हें एकमुश्त सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। संपूर्ण बिहार के हजारों संविदा कर्मी 16 अगस्त से हड़ताल पर हैं। इनके शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन को पुलिस द्वारा लाठीचार्ज कर बर्बरतापूर्वक कुचल दिया गया। हम इनकी निम्नवत मांगों के साथ है। धरना-सत्याग्रह में बर्खास्त किये गए सभी कर्मियों की सेवा तत्काल बहाल की जाए, इनकी सेवा 60 वर्ष तक नियमित की जाए, नियमित नियुक्ति में इन्हे अनुभव के आधार पर अधिमानता दी जाए , मंहगाई भत्ता, पदनाम परिवर्तन, EPFO अंशदान इत्यादि अन्य मांगों को स्वीकार किया जाए। बता दें कि बर्खास्त अमीन एवं अन्य सर्वेक्षण कर्मियों को बहाल करने और समान वेतन सहित अन्य मांगों को लेकर पटना के गर्दनीबाग में पिछले कई दिनों से धरना-प्रदर्शन पर 9000 से ज्यादा कर्मी बैठे। सरकार ने एक झटके में सबको नौकरी से हटा दिया है। लेकिन अपनी मांगों को लेकर अभी भी अनशन पर भी बैठे हुए है। कुछ अनशनकारियों की तबीयत भी इस दौरान बिगड़ गयी, जिन्हें इलाज के लिए पीएमसीएच में भर्ती कराया गया। आंदोलनकारियों का प्रदर्शन लगातार जारी है। बुधवार 10 सितंबर को प्रदर्शनकारी काफी देर तक भाजपा कार्यालय के गेट पर डटे रहे और राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी से मिलने की मांग पर अड़े थे। इस दौरान सभी ने बीजेपी दफ्तर का घेराव कर दिया था। जिन्हें वहां से हटाने के लिए पुलिस की टीम लगी हुई थी। इस दौरान धक्कामुक्की भी हुई। तभी वहां तैनात पुलिस कर्मियों ने इन बर्खास्त कर्मियों पर लाठीचार्ज कर दिया। इस दौरान एक कर्मी का सिर फट गया वही कई लोग घायल हो गये। बता दें कि विशेष सर्वेक्षण संविदा कर्मी लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा पूरे बिहार में राजस्व महाभियान चलाया जा रहा है। बिहार सरकार ने इस अभियान के दौरान आंदोलन करने वाले कई कर्मियों को पिछले दिनों बर्खास्त कर दिया था। प्रदर्शनकारी उन्हें बहाल करने और अमीन, बंदोबस्त पदादिकारियों की सेवा नियमित करने और समान वेतन, भत्ते की सुविधा देने की मांग कर रहे हैं।

बिहार पुलिस को मिलेंगे 30 प्रशिक्षित कुत्ते, ड्रग्स, बम और शराब पकड़ेंगे झटपट

एजेंसी। पटना

बिहार पुलिस के श्वान दस्ते की ताकत जल्द ही और बढ़ने वाली है. राज्य पुलिस में सुरक्षा और अपराध नियंत्रण की क्षमता को मजबूत करने के लिए 30 नए प्रशिक्षित कुत्तों को दस्ते में शामिल किया जाएगा. यह जानकारी बुधवार को पटना में अतिरिक्त महानिदेशक (सीआईडी) प्रशांत कुमार ने दी. प्रशांत कुमार ने बताया कि फिलहाल इन कुत्तों को हैदराबाद के मोइनाबाद स्थित इंटीग्रेटेड इंटेलिजेंस ट्रेनिंग एकेडमी में प्रशिक्षित किया जा रहा है. अगले दो से तीन महीनों में यह सभी कुत्ते बिहार लौटेंगे और श्वान दस्ते का हिस्सा बन जाएंगे. इन कुत्तों के शामिल होने से दस्ते की कुल संख्या 97 हो जाएगी. वर्तमान में बिहार पुलिस के पास 67 प्रशिक्षित कुत्ते हैं, जबकि स्वीकृत संख्या 200 है. प्रशांत कुमार ने आगे बताया कि दस्ते का दायरा और जिम्मेदारी बढ़ने के कारण इसमें कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ाई जा रही है. इसी क्रम में पंजाब स्थित होमगार्ड प्रशिक्षण संस्थान से 50 अतिरिक्त कुत्तों की खरीद की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है. यह प्रक्रिया भी अगले कुछ महीनों में पूरी कर ली जाएगी. वर्तमान में दस्ते में मौजूद 67 कुत्तों में से 19 कुत्तों को विस्फोटक सामग्री की पहचान करने का विशेष प्रशिक्षण दिया गया है. 21 कुत्तों को अपराधियों का पीछा करने की कला सिखाई गई है, जबकि 21 कुत्ते शराब की पहचान करने में माहिर हैं. इसके अलावा छह कुत्ते मादक और मनःप्रभावी पदार्थों का पता लगाने में दक्ष हैं।

प्राथमिक विद्यालय पोखरैरा बिचला टोला में दर्जनों बच्चों की तबीयत बिगड़ी

मिड-डे मील में छिपकली गिरने से 62 बच्चे बीमार, 8 एसकेएमसीएच रेफर

एजेंसी। मुजफ्फरपुर

बिहार में मध्यान्ह भोजन योजना एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। मुजफ्फरपुर जिले के सकरा प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय पोखरैरा बिचला टोला में बुधवार को दर्जनों बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। बच्चों ने स्कूल में परोसे गए मिड-डे मील खाने के बाद उल्टी, पेट दर्द और चक्कर आने की शिकायत की। देखते ही देखते हालात गंभीर हो गए और आनन-फानन में सभी बच्चों को नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (उ्लउ) पहुंचाया गया। प्रधान शिक्षक रमेश राम ने जानकारी दी कि बुधवार को विद्यालय में अर्द्धवार्षिक परीक्षा चल रही थी। स्कूल में कुल 102 नामांकित बच्चों में से 100 उपस्थितथे। पहली पाली की परीक्षा समाप्त होने के बाद बच्चे भोजन करने बैठे। उसी दौरान परोसी गई सब्जी में छिपकली गिर गई। जानकारी मिलते ही भोजन को

फेंकवाया गया, लेकिन तब तक कई बच्चे खाना खा चुके थे।करीब आधे घंटे के अंदर ही बच्चों में उल्टी, पेट दर्द और चक्कर की शिकायत शुरू हो गई। तुरंत शिक्षकों ने सभी को प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी सकरा में भर्ती कराया। सीएचसी प्रशासन ने बताया कि कुल 62 बच्चों को इलाज के लिए भर्ती कराया गया। इनमें से अधिकांश की स्थिति सामान्य होने पर उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद दवा देकर घर भेज दिया गया। लेकिन 8 बच्चों की हालत गंभीर पाई गई, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, मुजफ्फरपुर रेफर कर दिया गया। 52 बच्चों का इलाज सीएचसी में ही कर उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। फिलहाल बच्चों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। वहीं, बीमार हुए कुछ छात्र-छात्राओं ने बताया कि खाना खाने के कुछ ही देर बाद उन्हें चक्कर और घबराहट महसूस हुई। इसके बाद उल्टी और पेट दर्द की शिकायत होने लगी। अचानक दर्जनों बच्चों की हालत बिगड़ने पर स्कूल में अफरा-तफरी मच गई।जिले के डीईओ (जिला शिक्षा पदाधिकारी) अरविंद सिन्हा ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि एमडीएम की सब्जी में छिपकली गिरने से यह गंभीर लापरवाही हुई है। उन्होंने बताया कि डीपीओ (जिला कार्यक्रम पदाधिकारी) और बीईओ (प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी) से जवाब-तलब किया गया है। दोनों अधिकारियों को संयुक्त जांच कर 24 घंटे के अंदर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। डीईओ ने यह भी माना कि स्थानीय स्तर पर स्कूलों की मॉनिटरिंग में गंभीर कमी है, जिसके कारण ऐसे मामले सामने आ रहे हैं। बिहार में मध्यान्ह भोजन योजना का उद्देश्य बच्चों को पोषक आहार उपलब्ध कराना है। लेकिन अक्सर इसमें लापरवाही और गुणवत्ता को लेकर सवाल उठते रहे हैं। घटना के बाद अभिभावकों में भारी आक्रोश है। कई लोगों ने सवाल उठाए कि आखिर बच्चों के स्वास्थ्य के साथ इतनी बड़ी लापरवाही क्यों की गई? माता-पिता का कहना है कि सरकार बच्चों को पढ़ाई के साथ भोजन देने की सुविधा तो देती है, लेकिन उसकी गुणवत्ता पर कोई ठोस नियंत्रण नहीं है। कई अभिभावक एसकेएमसीएच पहुंचे और बच्चों की स्थिति जानने के बाद प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। इस घटना ने एक बार फिर एमडीएम योजना पर सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। क्या स्कूलों में भोजन की गुणवत्ता की सही तरीके से जांच हो रही है? क्या खाना बनाने और परोसने की प्रक्रिया पर शिक्षकों और प्रशासन की नियमित निगरानी है? अगर छिपकली जैसी घटना हो सकती है, तो बच्चों की सुरक्षा को लेकर और कितनी लापरवाहियां हो सकती हैं।

शिक्षा विभाग के क्षेत्रीय उप निदेशक के पटना समेत कई ठिकानों पर रश्व का छापा, अवैध संपत्ति की जांच

एजेंसी। मुजफ्फरपुर

विशेष निगरानी इकाई (SVU) ने गुरुवार को शिक्षा विभाग में बड़ी कार्रवाई करते हुए तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर के क्षेत्रीय उप-शिक्षा निदेशक बीरेन्द्र नारायण के ठिकानों पर छापेमारी की। इस कार्रवाई से पूरे विभाग में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, बीरेन्द्र नारायण के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया गया है। जांच में सामने आया है कि उन्होंने अपने सेवाकाल के दौरान लगभग 3.75 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति अर्जित की है, जो उनकी ज्ञात वैध आय से कहीं अधिक है।उनके खिलाफ कांड संख्या-18/2025 दर्ज किया गया है। यह केस भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 13(1)(), 13(2), 12 और भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 61(2)() के तहत दर्ज किया गया है। छापेमारी एक साथ पटना, मुजफ्फरपुर और पूर्णिया स्थित उनके कई ठिकानों पर की गई है। फिलहाल निगरानी टीम दस्तावेजों और संपत्ति से जुड़े कागजात की गहन जांच कर रही है। जांच में सामने आया है कि बीरेन्द्र नारायण ने अपने सेवाकाल के दौरान विभिन्न पदों पर रहते हुए 3 करोड़ 75 लाख 66 हजार 92 रुपये की अवैध संपत्ति अर्जित की है, जो उनकी वैध आय से कहीं अधिक है। विशेष न्यायाधीश, निगरानी, पटना से प्राप्त वारंट के आधार पर आज एक साथ कई ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

इनमें शामिल हैं

तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर स्थित उप-शिक्षा निदेशक का कार्यालय

मुजफ्फरपुर स्थित आवास

पटना के जगनपुरा (पटना सेंट्रल स्कूल के पास) स्थित आवास

पैतृक आवास, ड्राईवर टोला, रामबाग, पूर्णिया

भारत-नेपाल सीमा पर बड़ा ऑपरेशन गौर जेल के 5 फरार कैदी पकड़े गए

एजेंसी। पटना

नेपाल में जारी हिंसा और तनाव के बीच रौतहट जिले के गौर जेल से फरार हुए पांच कैदियों को भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी ने धर दबोचा। पकड़े गए सभी कैदी नेपाल के ही निवासी बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, मोतिहारी के कुंडवा चैनपुर बॉर्डर पर तैनात एसएसबी की टीम ने बुधवार दोपहर महुलिया बॉर्डर के पास जांच के दौरान इन कैदियों को पकड़ा। बताया जाता है कि नेपाल में जारी विद्रोह का फायदा उठाकर सभी आरोपी जेल तोड़कर भाग निकले थे।एसएसबी की 20वीं बटालियन, सीतामढ़ी के कमांडेंट गिरीशचंद्र पांडेय ने पुष्टि की कि कुंडवा चैनपुर बटालियन ने ही इन कैदियों को गिरफ्तार किया था। पकड़े गए कैदियों की पहचान रौतहट जिले के गौर गढ़वा वार्ड नंबर-5 निवासी विश्वनाथ यादव, रवि यादव, राहुल राय यादव, चंद्रानिकाहपुर के सूरज राय और गरुवा निवासी राम विनोद प्रसाद के रूप में हुई है।

पटना में एसआईटी की बड़ी कार्रवाई : हथियारबंद 8 अपराधी गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार बरामद

एजेंसी। पटना

अवैध हथियार तस्करों और नशे के सौदागरों के खिलाफ पटना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने से वाले अपराधियों को धड़ दबोचा है। आपराधियों के पूरे प्लान को नाकाम कर दिया है। वरीय पुलिस अधीक्षक पटना के निर्देश पर गठित विशेष जांच टीम (रव्ळ) ने बुधवार देर रात सगुना मोड़ के पास वाहन चेकिंग के दौरान 8 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। सूचना पर नगर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) के नेतृत्व में टीम गठित कर वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इसी दौरान दो मोटरसाइकिल और एक स्कूटी पर सवार आठ लोग पुलिस को देखते ही भागने लगे, जिन्हें बल प्रयोग कर पकड़ा गया। गिरफ्तार अपराधियों के पास से पुलिस ने भारी मात्रा में हथियार और अन्य सामान

बरामद किया है। 04 देशी कट्टा, 02 देशी पिस्टल, 01 मैगजीन, 08 जिंदा कारतूस, 02 मोटरसाइकिल, 01 स्कूटी और 05 स्मार्टफोन बरामद किया गया है। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान 1. चंदन कुमार (21 वर्ष), पिता- राम कुमार सिंह, निवासी महदीनगर, समस्तीपुर, वर्तमान पता- मीठापुर, पटना, 2. टुनटुन यादव (35 वर्ष), पिता- शिवनंदन राय, निवासी इन्द्रानगर, थाना कंकड़बाग, पटना, 3. सुमित कुमार उर्फ कल्लु उर्फ फ्ळ्र (27 वर्ष), पिता- राकेश कुमार, निवासी न्यू विगरापुर, थाना जक्कनपुर, पटना, 4. कुमार अमरजीत यादव उर्फ छोटु (22 वर्ष), पिता- सत्येन्द्र प्रसाद यादव, निवासी अवस्थी चौक, थाना गौरीचक, पटना, 5. राहुल कुमार (23 वर्ष), पिता- दीनानाथ राय, निवासी रामविलास चौक, थाना कंकड़बाग, पटना, 6. मनीष कुमार (29 वर्ष), पिता- रामनिरेखन राय, निवासी नया टोला सगुना, थाना दानापुर, पटना, 7. योगी कुमार (29 वर्ष), पिता- महेन्द्र प्रसाद, निवासी मुगिया चक, थाना हिलसा, नालंदा और 8. राधेश्याम प्रसाद (40 वर्ष) के रूप में हुई है।

सीतामढ़ी में कमरे से मिला पति-पत्नी का शव इलाके में सनसनी

सीतामढ़ी। सीतामढ़ी जिले के बोखरा थाना क्षेत्र के पतनुका गांव में उस वक्त सनसनी फैल गई जब गांव के एक घर से पति-पत्नी का शव बरामद हुआ। मृतकों की पहचान मोहन कुमार और उनकी पत्नी मीना देवी के रूप में हुई है। दोनों पति-पत्नी की लाश कमरे के अंदर संदिग्ध हालात में मिला है। सूचना मिलते ही पुपरी डीएसपी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचीं और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के कारणों का पता अभी तक नहीं चल पाया है। पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। इस रहस्यमयी घटना के बाद गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। घटना से परिजनों के बीच कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इलाके के लोग भी इस घटना से हैरान हैं।

बिहार में आज पटना, गोपालगंज, सीवान समेत कई जिलों में बारिश

बिहार के कई जिलों में आज बारिश की संभावना

एजेंसी। पटना

बिहार की राजधानी पटना सहित कई जिलों में गुरुवार को मौसम विभाग ने बारिश का अनुमान जताया है। पटना में आज आसमान में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं और एक-दो स्थानों पर गरज के साथ हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने गोपालगंज, किशनगंज, मुजफ्फरपुर, सीवान, पूर्वी चंपारण, सारण, शिवहर, सीतामढ़ी, वैशाली और भागलपुर जैसे जिलों में भी हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। लोगों को सलाह दी गई है कि वे छाता या रेनकोट साथ रखें और गरज-बिजली से सावधान रहें। किसानों को विशेष रूप से बिजली गिरने के प्रति सतर्क रहने की हिदायत दी गई है। बुधवार को पटना में दिनभर सूरज की तेज धूप के कारण तापमान में 0.6 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई, जिससे दोपहर में गर्मी का एहसास हुआ। हालांकि, शाम होते ही बादल छाए और कुछ इलाकों में बूंदाबांदी के साथ झमाझम बारिश हुई। इस बारिश से करीब 10 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। बारिश के बाद भी गर्मी और उमस ने लोगों को परेशान किया। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि गुरुवार को भी कुछ इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है, जिससे मौसम सुहावना हो सकता है। गोपालगंज में बुधवार को दोपहर में करीब आधे घंटे तक तेज बारिश हुई, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। लेकिन, इस बारिश ने शहर की कई सड़कों पर जलभराव और कीचड़ की समस्या पैदा कर दी। बस पड़ाव और आसपास की सड़कों पर कीचड़ के कारण लोगों को आने-जाने में काफी परेशानी हुई। सीवान में भी बुधवार दोपहर बाद अचानक मौसम बदला और तेज बारिश ने माहौल को खुशनुमा बना दिया। बारिश के साथ चली हल्की हवाओं ने मौसम को और भी सुहावना कर दिया।

सुभाषितम्

पहले आपको खुद बदलना होगा, जैसा की आप दुनिया को देखना चाहते है। - महात्मा गांधी

नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता

नेपाल बड़े राजनीतिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। नेपाल का सत्ता संघर्ष, सरकार बदलने की निरंतरता और राजनीतिक दलों के बीच अविश्वास और सत्ता संघर्ष ने वहां लोकतंत्र को कमजोर कर दिया है। हाल ही में नेपाल में जिस तरीके से युवा सड़कों पर आ गए। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार से त्रस्त युवा सोशल मीडिया को प्रतिबंधित कर देने की घटना से इतने उत्तेजित हो गए कि वह सड़कों पर उतरकर संसद भवन में घुस गए। संसद भवन,राष्ट्रपति भवन, तथा मंत्रियों के बंगलो को आग के हवाले कर दिया गया। नेपाल में कर्फ्यू लगाना पड़ा, पुलिस ने गोली चालान किया, जिसमें दो दर्जन से ज्यादा युवा मारे गए। उसके बाद भी नेपाल की जन क्रांति को नियंत्रित नहीं किया जा सका। नेपाल में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद, बेरोजगारी, महंगाई को लेकर इस कदर परेशान हो गई थी। वह राजनीतिक दलों के नेताओं एवं उनके परिवार जनों के खिलाफ सड़कों पर लड़ाई लड़कर अपने अधिकारों के लिये लड़ रही है। जिस ढंग से नेपाल के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रियों को भागकर अज्ञातवास में जाना पड़ा। सेना को सत्ता सौंपने की बात नेपाल में होने लगी। देखते ही देखते एक झटके में नेपाल में सत्ता में परिवर्तन हो गया। इसने सभी को आश्चर्य में डाल दिया है। नेपाल की जन क्रांति ने इतिहास की रूसी जन क्रांति की याद दिला दी। 1917 में जार शासन के खिलाफ जनता ने विद्रोह कर जार शासको को मारकर सत्ता पर कब्जा जमा लिया था। रूस की जार क्रांति का नेतृत्व भीड़ कर रही थी। इस भीड़ का नेतृत्व लेनिन कर रहे थे। बाद में जनता ने उन्हें अपना नेता मान लिया। रूस की उस जन क्रांति के बाद रुस में कम्युनिस्ट विचारधारा की स्थापना हुई। सभी नागरिकों को समान अधिकार मिले। दोनों ही घटनाओं में जनता ने अपने अस्तित्व को बचाने सत्ता के केंद्रीकरण और जनता के बीच के असंतोष की झलक समान रूप से दिखाई देती है। भुखा-प्यासा आदमी अपने जीवन को बचाने के लिये किसी भी स्तर पर जा सकता है। इस भीड़ के सामने पुलिस और सेना ज्यादा देर टिक नहीं पाती है। नेपाल का राजनीतिक परिदृश्य बीते दो दशकों से अस्थिरता से भरा है। राजशाही की समाप्ति के बाद से वहां लोकतंत्र मजबूत होने के बजाय दलगत स्वार्थ और गठबंधन की राजनीति और भ्रष्टाचार का शिकार होता चला गया। सत्ता के लिए बार-बार अनैतिक सत्ता परिवर्तन, नेताओं के निजी स्वार्थ हितों को सर्वोपरि रखना नेपाल में अराजकता का कारण बना। नेपाली नेताओं ने जनता के हितों की उपेक्षा की। जनता बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार के कारण परेशान होती रही। राजनेताओं ने जनता कि मूलभूत सुविधाओं की ओर कोई ध्यान नहीं दिया। नेपाली नेता भ्रष्ट तरीके से कमाई कर रहे थे, अपने बच्चों को विदेश में पढ़ा रहे थे। उनके बच्चे और परिवार के लोग ऐश कर रहे थे, जनता भुखमरी और बदहाली का जीवन जी रही थी। रूस के जार शासन के समय जनता भूख से मर रही थी। शाही परिवार और उससे जुड़े हुए लोग एश्वर्य पूर्ण जीवन जी रहे थे, उसका प्रदर्शन कर रहे थे। भूख, गरीबी और शोषण ने जनता को सड़कों पर उतरने को मजबूर किया। वहां की जनता भूख से इतनी प्रताड़ित थी कि उसने राज परिवार के हर सदस्य को महल में घुसकर मार डाला। जार शासको की सेना उन्हें नहीं बचा पाई। वही स्थिति वर्तमान में नेपाल की है। जब सरकार में बैठे लोग अपने आप को सर्वशक्तिमान मान लेते हैं, तब इस तरह की जन क्रांति सामने आती है। श्रीलंका, बाग्लादेश और नेपाल में हुए जन विद्रोह में एक सी समानता है। सत्ता से जुड़े हुए लोग जब जनता की उपेक्षा करते हैं। अपने जीवन को बचाए रखने के लिए भीड़ सड़कों पर आती है। लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास घटता है। ऐसी स्थिति में असंतोष भीड़ तंत्र के रुप में देखने मिलता है। दुनिया के देशों को लोकतांत्रिक व्यवस्था है। उन्हें श्रीलंका, नेपाल की वर्तमान स्थिति को देखते हुए सबक लेना होगा। लोकतांत्रिक देशों के नेताओं को चाहिए, वह दलगत हितों से ऊपर उठकर स्थिर शासन की ओर कदम बढ़ाएं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता ही सरकार बनाती है। नेपाल, श्रीलंका बांग्लादेश की सत्ता में बैठे हुए लोगों को जिस तरह से भीड़ ने उन्हें देश छोड़ने के लिए विवश किया है।

चिंतन-मनन

सन्मार्ग की प्रवृत्ति

उत्तम कार्य की कार्य प्रणाली भी प्रायः उत्तम होती है। दूसरों की सेवा या सहायता करनी है, तो प्रायः मधुर भाषण, नम्रता, दान, उपहार आदि द्वारा उसे संतुष्ट किया जाता है। परन्तु कई बार इसके विपरीत क्रिया-प्रणाली ऐसी कठोर, तीक्ष्ण एवं कटु बनानी पड़ती है कि लोगों को भ्रम हो जाता है कि कहीं यह दुर्भाव से प्रेरित होकर तो नहीं किया गया। ऐसे अवसरों पर वास्तविकता का निर्णय करने में बहुत सावधानी बरतने पड़ती है। सीधे-सादे अवसरों पर सीधी-सादी प्रणाली से भली प्रकार काम चल जाता है। भूखे, प्यासे की सहायता करनी है, तो वह कार्य अन्न-जल देने के सीधे-सादे तरीके से चल जाता है। किसी दुःखी या अभावग्रस्त को अभीष्ट वस्तुएं देकर उसकी सेवा की जा सकती है। धर्मशाला, कुआं, पाठशाला, अनाथालय, औषधालय आदि द्वारा लोकसेवा की जा सकती है। ऐसे कार्य निश्चय ही श्रेष्ठ हैं और उनकी आवश्यकता व उपयोगिता सर्वत्र स्वीकारी जा सकती है। परन्तु कई बार ऐसी सेवा की भी बड़ी आवश्यकता होती है, जो प्रत्यक्ष में बुराई मालूम पड़ती है और उसे करने वाले को अपयश ओढ़ना पड़ता है। इस मार्ग को अपनाने का साहस हर किसी में नहीं होता। दुष्ट और अज्ञानियों को उस मार्ग से छुड़ाना, जिस पर वे बड़ी ममता और अहंकार के साथ प्रवृत्त हो रहे हैं, साधारण काम नहीं है। सीधे आदमी की भूल ज्ञान से, तर्क से, समझाने से सुधर जाती है पर जिनकी मनोभूमि अज्ञानान्धकार से कलुषित हो, साथ ही जिनके पास कुछ शक्ति भी है, वे ऐसे मदान्ध हो जाते हैं कि सीधी-सादी क्रिया-प्रणाली का उन पर प्रायः कुछ असर नहीं होता। मनुष्य शरीर धारण करने पर भी जिनमें पशुत्व की प्रधानता है, दुनिया में उनकी कमी नहीं है। उन्हें ज्ञान, तर्क, नम्रता, सज्जनता, सहनशीलता से अनीति के दुःखदाई मार्ग से पीछे नहीं हटाया जा सकता। पशु केवल दो चीजें पहचानता है- एक लोभ, दूसरा भय। दाना, घास खिला उसे ललचा कर कहीं भी ले जाइए, वह पीछे-पीछे चलेगा या लाठी का डर दिखा जिधर चाहे उधर ले जा सकते हैं। भय या लोभ से अज्ञानियों को, कुमार्गगामियों को सन्मार्ग में प्रवृत्त किया जा सकता है।

वेदांत को समझे बिना क्रांति संभव नहीं : आचार्य विनोबा

-निमिषा सिंह

1947 हमारा देश आजाद हुआ। अंग्रेज तो चले गए पर पीछे छोड़ गए एक ऐसा रूढ़िवादी भारतीय समाज जो अशिक्षा जाति व्यवस्था और भयंकर गरीबी के संकट से जूझ रहा था। यकीनन जिससे निजात पाने के लिए अभी एक और लंबी लड़ाई लड़नी थी। अंग्रेजी सरकार जाते जाते भारत को चारो तरफ से कमजोर बनाकर गई। कई लोग तो इस तरह से गरीब हो गए थे कि उनके पास रहने तक के लिए जगह नही थी। वर्ष 1951, लोगों के बीच खासकर ग्रामीणों तक यह खबर फैल गयी थी कि कोई संत निकला है जो दान में भूमिहीनों के लिए जमीन मांगता है और कहता है कि हवा पानी और आसमान की तरह जमीन भी ईश्वर की बनाई हुई है जो सबके लिए है। आप मुझे अपना बेटा मानकर अपनी जमीन का छठा हिस्सा दे दीजिए। भूदान आंदोलन के जनक प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी एवं अहिंसा के प्रबल समर्थक आचार्य विनोबा भावे नवंबर1951 में पूरे उत्साह के साथ दिल्ली से उत्तर प्रदेश की ओर पद यात्रा पर निकल पड़े। पूरे देश की नजर विनोबा के भूदान यज्ञ की ओर टिक गयी। भूदान आंदोलन की शुरूआत ऐसे समय में की गई जब देश में जमीन को लेकर रक्तपात होने की आशंका उत्पन्न हो गई थी। तेलांगना और फिर उत्तर प्रदेश की भूदान यात्रा के तहत अप्रैल 1952 में सेवापुरी में हुए चौथे सर्वोदय समाज सम्मेलन में सर्व सेवा संघ ने अगले दो सालों में पूरे देश भर में 25 लाख एकड़ भूदान प्राप्त करने का संकल्प किया। इसी सम्मेलन में बिहार से कुछ अग्रणी समाज सेवक लक्ष्मी बाबू, ध्वजा बाबू रामदेव बाबू और वैद्यनाथ बाबू आये थे जिनका इरादा बिनोवा जी को बिहार लाना था। विनोबा ने इनसे बिहार में भूदान के तहत चार लाख एकड़ हासिल करने की बात कही। लक्ष्य काफी मुश्किल था बावजूद इसके इन नेताओं ने विनोबा की बात कबूल कर ली और इस तरह बिहार में विनोबा जी का आना तय हो गया। संयुक्त बिहार (झारखंड तब बिहार का अंग था) में भूदान और ग्रामदान अभियान के लिए विनोबा छह बार आए और गए। एक तरफ तो समाजवादी दल,सर्वोदयी नेताओं और रचनात्मक कार्यकताओं और जनता के समर्थन तथा सहयोग से भूदान आंदोलन में तेजी आ रही थी वहीं दूसरी तरफ साम्यवादी कार्यकताओं द्वारा इस आंदोलन का विरोध किया जा रहा था। विनोबा के बिहार में प्रवेश करते ही साम्यवादियों का विरोध और तेज हो गया। उनकी शिकायत थी कि भीख मांगने से क्रांति नहीं आ सकती है। विनोबा ने बिहार प्रवेश के पहले ही दिन दुर्गावती में कहा था कि मैं कम्युनिष्टो को कहना चाहता हूं कि हिन्दुस्तान में क्रांति किस ढंग से हो सकती है यह मैं आपसे बेहतर जानता हूं। मैं वेदों से लेकर गांधी तक के सारे विचार घोलकर पी गया हूं। सब विचारों का अध्ययन किया है। वेदांत समझे बिना यहां कोई भी क्रांति नहीं हो सकती है। अगर आप आत्मा के टुकड़े करेंगे वर्ग बनाएंगे और कटुता तथा द्वेष फैलाएंगें तो उससे क्रांति नहीं होगी। मैं भूमिहीनों के लिए भीख नहीं उनका हक मांगने आया हूं। बिहार के बड़े कांग्रेसी नेता और सरकार चला रहे श्रीकृष्ण सिंह और अनुग्रह नारायण सिंह ने भूदान आंदोलन को अपना समर्थन दिया। महान समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण भी भूदान आंदोलन में कूद पड़े। बिहार खादी समिति और बिहार गांधी स्मारक निधि ने भी भूदान कार्य में अपने को पूरा झोंक दिया। प्रांतीय भूदान आंदोलन समिति के लक्ष्मी बाबू सहित रामदेव बाबू, ध्वजा बाबू, रामाचरण बाबू, गजानंन दास, गोपाल झा शास्त्री, भवानी सिंह, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, सहरसा, रांची जिलें पूरी तरह से सक्रिय हो गए। इसके अलावा संथालपरगना में मोतीलाल केजरीवाल, शाहाबाद में प्रद्युम्न मिश्र, भागलपुर में बोधनारायण मिश्र, शुभकरण चुड़ीवाला, मानभूमि में लालबिहारी सिंह और शीतल प्रसाद तायल, सारण जिले में हीरालाल सर्राफ, पटना जिले में अवध बिहारी सिंह, पूर्णिया जिले में वैद्यनाथ प्रसाद चैधरी, चंपारण जिले में बिहार कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पंडित प्रजापति मिश्र ने भूदान आंदोलन में खुद को झोंक दिया। मुंगेर जिले में खादीग्राम भूदान आंदोलन का केन्द्र बन गया। दादा धर्माधिकारी, विमला ठकार, शंकरराव देव और धीरेन्द्र भाई जगह- जगह सभाएं करने लगे जिससे भूदान आंदोलन के अनुकूल माहौल बनने लगा। बोधगया में जिले के करीब पांच सौ कार्यकर्ता ने एक लाख एकड़ भूमि भूदान में प्राप्त करने का संकल्प लिया। गया के बाद पलामू और रांची की पदयात्रा के बाद विनोबा लोहरदग्गा गए। वहां से सिंहभूम जिले में पदयात्रा आरंभ हुई। उनकी यात्रा से भूदान प्राप्ति में अच्छी प्रगति होने लगी थी।चांडिल पहुंचते-पहुंचते विनोबा की तबियत बिगड़ने लगी। 106 डिग्री बुखार रहने लगा था। विनोबा जी ने अंग्रेजी दवा लेने से इनकार कर दिया आखिरकार डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद और बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री कृष्ण बाबू के आग्रह पर उन्होंने दवा ली। स्वास्थ्य में सुधार के बाद बिनोवा जी के चांडिल में रहते हुए सर्वोदय समाज का पांचवा वार्षिक सम्मेलन मार्च 1953 में हुआ। इसमें राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद और जयप्रकाश नारायण ने भाग लिया।बिनोवा ने इस सम्मेलन में देश भर से आए प्रतिनिधियों को अपने-अपने प्रांत जाकर अपना पूरा समय एक साल तक भूदान कार्य के लिये देने की अपील की। चांडिल में 87 दिनों तक ठहरने के बाद अगला पड़ाव मानभूमि जिले के झरिया में था। यहां विनोबा ने कहा - हमने सुना कि झरिया एक बड़ा कुरूक्षेत्र है यहां लड़ाइयां चलती हैं। यहां कितने दुर्योधन दुःशासन और कितने कौरव पुत्र हैं हम नहीं जानते लेकिन यहां मजदूर अवश्य रहते हैं। उनसे काम लेना है और हर हालत में लेना है। कोयला निकलवाना है। अगर जमीन से कोयला नहीं निकला तो देश का मुंह काला हो जाएगा। कहते हैं कि यहां गुंडों का राज चलता है। एक गुंडे वे हैं जो गुंडे कहलाते हैं और दूसरे वे हैं जो सेनापति या कार्यकर्ता कहलाते हैं। जबतक देश की रक्षा गुंडों पर निर्भर है गुंडों का ही राज चलेगा भले चाहे जो नाम दें। अगला पड़ाव हजारीबाग जिले में रहा जहां से ताल्लुक रखने वाले बिहार के राजस्व मंत्री कृष्णवल्लभ सहाय और रामगढ़ के राजा कामाख्या नारायण सिंह ने भूदान कार्य में बड़ा सहयोग दिया। हजारीबाग में 21 दिनों की पदयात्रा के बाद विनोबा जी फिर गया पहुंचे। अब तक गया जिला पूरे भारत का मोर्चा बन चुका था। विनोबा के पवनार आश्रम और वर्धा से लोग गया पहुंच गए थे। स्कूल कॉलेज के नौजवान भी भूदान कार्य में जुट गए थे। गया जिला उस वक्त न केवल बिहार अपितु संपूर्ण देश की प्रयोग भूमि बना हुआ था। गया जिले में 27 दिनों के कार्यक्रम के बाद विनोबा जी पलामू जिले की ओर गए जहां रंका में बिनोवा जी दो दिन ठहरे। रंका के राजा गिरिवरनारायण सिंह ने जोत और परती जमीन सहित कुल एक लाख दो हजार एक एकड़ जमीन दान में दे दी। पलामू के बाद वे फिर रांची गए और यहां उन्होंने बिहारवासियों के नाम एक पत्र जारी किया। पत्र में उन्होंने लिखा- मैं भूदान के सिलसिले में बिहार प्रदेश की यात्रा कर रहा हूं। बिहार से मैंने 32 लाख एकड़ की मांग की है जो भूमिहीनों में बांटी जा सके। अब यह तो नहीं हो सकता कि मै खुद हर गांव पहुंचूं। इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि आप ही अपनी जमीन का दानपत्र हमारे कार्यकर्ता के पास पहुंचा दे। हमारा भरोसा है कि जैसे अहिंसा की ताकत से हमने राजनीतिक आजादी हासिल की वैसे आर्थिक आजादी का मसला भी आप हम मिलकर हल कर लेंगे।

भारतीय संज्ञा प्रज्ञा विज्ञा का परिचय

- डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी

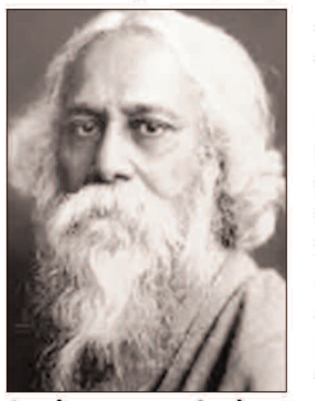

कविवर रविन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था यदि आप भारत को समझना चाहते हैं तो स्वामी विवेकानंद को संपूर्णतः पढ़ लीजिये। नोबेल सम्मानित फ्रांसीसी लेखक रोमां रोलां ने स्वामी जी के विषय में कहा था उनके द्वितीय होने की कल्पना करना भी असम्भव है वे जहाँ भी गये, सर्वप्रथम ही रहे। हमारें इस देश में देव स्वरुप जन्में स्वामी विवेकानंद एक ऐसे विद्वान, संत, चिन्तक व अद्भुत पुरुष हुए हैं जिन्हें हर दृष्टि से केवल और केवल चमत्कारिक देव पुरुष ही कहा जा सकता है। 1893 में शिकागो में आयोजित धर्मसभा में जब यह तेजस्वी विचारक बोलनें उठा तो वहां उपस्थित विश्व भर का प्रबुद्ध और संत समुदाय उनकें एक एक शब्द को सुनकर जैसे जड़वत होता चला गया और उन्हें श्रद्धाभाव और भक्तिभाव से सुनते रहनें को विवश हो गया था। यह एक सर्व विदित गौरव गाथा है जो प्रत्येक भारतीय सगर्व बोलता सुनता है। आज हमें देखनें में आ रहा है कि जहाँ पाश्चात्य विश्व के बुरे- खारिज कर दिए विचार, फैशन शैली, परम्पराएं और पद्दतियां जो हमारी पीढ़ी को अच्छी लग रहीं हैं वहीं भारतीय - हिन्दू जीवन शैली को पश्चिमी देश बेधड़क और तेजी अपनाते चले जा रहें हैं। वर्तमान में हमें इस पीड़ादायक तथ्य को स्वीकार करना होगा कि भारत की वैचारिक दुनिया में जिस प्रकार बुरे विचारों ने अच्छे विचारों को प्रचलन से बाहर कर दिया है या करते जा रहा है तब स्वामी जी के विचारों का प्रकाश ही हमें इस षड्यंत्रपूर्ण कुचक्र से बाहर निकाल सकता है। स्वामी जी ने जब शिकागो में अपनें विचारों को व्यक्त करते हुए कहा था कि राष्ट्रीयता का मूल धर्म व संस्कृति के विचारों में ही बसता हैह्न तब सम्पूर्ण पाश्चात्य विश्व ने उनके इस विचार से सहमति व्यक्त की थी और भारत के इस युग पुरुष के इस विचार को अपनें अपनें देशों में जाकर प्रचारित और प्रसारित किया था और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान प्रकट किया था। पिछले दिनों क्रिसमस के अवसर पर जब ब्रिटिश प्रधानमन्त्री ने कहा कि ब्रिटेन एक इसाई राष्ट्र है और इसे कहनें में किसी को कोई भय या संकोच नहीं होना चाहिए तब निश्चित ही उनकी इस घोषणा की पृष्ठ भूमि में विवेकानंद जी का यह विचार ही था। कितने आश्चर्य का विषय है कि आज जब समूचा विश्व धर्म निरपेक्षता के शब्दार्थों को विवेकानंद जी के विचारों में खोज और पा रहा है हम उनकें एतिहासिक शिकागो संभाषण को और उनकें समूचे जीवन वृत्त को याद ही नहीं कर रहें हैं! इस संभाषण में उन्होंने गौरव पूर्वक कहा था कि भारत एक हिन्दू राष्ट्र है और हिन्दू जीवन शैली के साथ जीवन यापन करना ही इस आर्यावर्त का एक मात्र विकास मार्ग रहा है और भविष्य में विकास करनें की और एक आत्म निष्ठ समाज के रूप में अस्तित्व बनाएं रखनें में यही एक मात्र मन्त्र ही सिद्ध और सफल रहेगा। स्वामी जी ने अपनें एतिहासिक व्याख्यान में कहा था कि भारत के विश्व गुरु के स्थान पर स्थापित होनें का एक मात्र कारण यहाँ के वेद, उपनिषद, ग्रन्थ और लिखित अलिखित करोड़ों आख्यान और गाथाएँ ही रहीं हैं। अपनी बात को विस्तार देतें हुए उन्होंने कहा था कि जिस भारत को विश्व सोने की चिड़ियाँ के रूप में पहचानता है उसकी समृद्धि और ऐश्वर्य का आधार हिन्दू आध्यामिकता में निहित है। आज यदि हम इस तथ्य को प्रामाणिकता की कसौटी पर परखें तो हमें निश्चित ही यह भान होगा कि भारत के प्राचीन विचार में निहित गुरुकुल, विज्ञानं निष्ठ त्यौहार, आयुर्वेद, आयुर्विज्ञान, अन्तिरिक्ष विज्ञान, काल गणना, अणु विज्ञान, अर्थशास्त्र, नीति शास्त्र आदि के सहारे यदि हमारा समाज चलता रहता तो आज हमारी विकास गति और विश्व में हमारा स्थान कुछ और ही होता। चरक, आर्यभट्ट, चाणक्य, धन्वन्तरी आदि न जानें कितनें सौ ऐसे भारतीय वैज्ञानिकों, चिंतकों, विचारकों, अविष्कारकों के नाम गिनाएं जा सकतें हैं जिनका ध्यान स्वामी विवेकानंद के मानस में हिन्दू भारत या हिन्दू जीवन शैली कहते हुए रहता होगा। शिकागो संभाषण के समय स्वामी जी के मष्तिष्क में यह भी रहा ही होगा कि भारत पर विदेशी आक्रमणों का इतिहास जितना पुराना और व्यापक है उतना विश्व में अन्यत्र दूसरा कोई उदाहरण नहीं है। इन में कुछ अत्यंत बर्बर खूरेंजी शकों, हूणों, चंगेजों, मंगोलों, अरबों, तोमानी, यवनों, तुर्कों, अफगानों, पठानों, मुगलों, यूरोपियनों और खासकर अंग्रेज संगठित सैन्य आक्रान्ताओं ने यहाँ के तत्कालीन बेहतरीन सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, कृषि, भोजन, शिक्षा और प्रशासनिक ताने-बाने को ध्वस्त कर उनके अपने अनुरूप सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक, राजनैतिक और व्यापारिक मूल्य स्थापित किये जो उनके लिये वरदान थे और भारत के लिये अभी तक अभिशाप हैं बनें हुए हैं। स्वामी जी के विचारों से प्रभावित होकर जब पाश्चात्य देशों का नेतृत्व उनकें यहाँ कोई नीति बनाता है तब हम बड़े गौरान्वित होतें हैं किन्तु अपने ही देश में हम स्व के भाव को विस्मृत करते जा रहे हैं। सम्पूर्ण विश्व में भारत ही एक मात्र ऐसा राष्ट्र है जहां बहुसंख्यक समाज को अपने विचारों, मान्यताओं और परम्पराओं के पालन और रक्षण के लिए भी उन्हें धर्मनिरपेक्ष न होनें का ताना सुनना पड़ता है। विवेकानंद जी के विचारों का प्रवाह और उनकी निरंतर सतत समीक्षा वह कक्षा है जहां से इस राष्ट्र को समग्र विकास और सांस्कृतिक अक्षय के साथ सोने की चिड़िया और विश्व गुरु बनानें वालें स्नातक निकल सकतें हैं; हमें इस सर्वकालीन तथ्य और ब्रह्म सत्य को पहचानना होगा।

सदैव स्मरणीय रहेगा स्वामी विवेकानंद का शिकागो में दिया भाषण

- योगेश कुमार गोयल

युवाओं के प्रेरणास्रोत तथा आदर्श व्यक्त्वि के धनी माने जाते रहे स्वामी विवेकानंद को उनके ओजस्वी विचारों और आदर्शों के कारण ही जाना जाता है। सही मायनों में वे आधुनिक मानव के आदर्श प्रतिनिधि थे। विशेषकर भारतीय युवाओं के लिए तो भारतीय नवजागरण का अग्रदूत उनसे बढ़कर अन्य कोई नेता नहीं हो सकता। कोलकाता में 12 जनवरी 1863 को जन्मे स्वामी विवेकानंद अपने 39 वर्ष के छोटे से जीवनकाल में समूचे विश्व को अपने अलौकिक विचारों की ऐसी बेशकीमती पूंजी सौंप गए, जो आने वाली अनेक शताब्दियों तक समस्त मानव जाति का मार्गदर्शन करती रहेगी। वे एक ऐसे महान व्यक्तित्व थे, जिनकी ओजस्वी वाणी सदैव युवाओं के लिये प्रेरणास्रोत बनी रही। उन्होंने देश को सुदृढ़ बनाने और विकास पथ पर अग्रसर करने के लिए सदैव युवा शक्ति पर भरोसा किया। दरअसल युवा वर्ग से उन्हें बहुत उम्मीदें थी। स्वामी विवेकानंद ने 11 सितम्बर 1893 को शिकागो के विश्व धर्म सम्मेलन में हिन्दू धर्म पर अपने प्रेरणात्मक भाषण की शुरूआत ह्यमेरे अमेरिकी भाईयों और बहनोंह्न के साथ की तो बहुत देर तक तालियों की गड़गड़ाहट होती रही। अपने उस भाषण के जरिये उन्होंने दुनियाभर में भारतीय अध्यात्म का डंका बजाया। विदेशी मीडिया और वक्ताओं द्वारा भी स्वामीजी को धर्म संसद में सबसे महान व्यक्तित्व और ईश्वरीय शक्ति प्राप्त सबसे लोकप्रिय वक्ता बताया जाता रहा। स्वामी विवेकानंद की चर्चा जब भी होती है तो अमेरिका के शिकागो की धर्म संसद में वर्ष 1893 में दिए गए उनके उस ओजस्वी भाषण की चर्चा अवश्य होती है। उसी ओजस्वी भाषण को यादगार बनाए रखने और युवाओं को उस भाषण के जरिये ऊर्जावान बनाए रखने के लिए ही प्रतिवर्ष 11 सितम्बर का दिन ह्यशिकागो वक्तृता दिवसह्न के रूप में मनाया जाता है। यह स्वामी विवेकानंद का अद्भुत व्यक्तित्व ही था कि वे यदि मंच से गुजरते भी थे तो तालियों की गड़गड़ाहट होने लगती थी। युवाओं की अहम् भावना को खत्म करने के उद्देश्य से ही स्वामी विवेकानंद ने अपने एक भाषण में कहा था कि यदि तुम स्वयं ही नेता के रूप में खड़े हो जाओगे तो तुम्हें सहायता देने के लिए कोई आगे नहीं बढ़ेगा। इसलिए यदि सफल होना चाहते हो तो सबसे पहले अपने अहम् का नाश कर डालो। उनका कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र, बुद्धिमत्ता, दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता, खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है। युवा शक्ति का आव्हान करते हुए स्वामी विवेकानंद ने अनेक मूलमंत्र दिए, जो देश के युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। उनका कहना था, ह्यह्यब्रह्मांड की सारी शक्तियां पहले से ही हमारी हैं। वो हम ही हैं, जो अपनी आंखों पर हाथ रख लेते हैं और फिर रोते हैं कि कितना अंधकार है। मेरा विश्वास युवा पीढ़ी में है, आधुनिक पीढ़ी से मेरे कार्यकर्ता आ जाएंगे। डर से भागो मत, डर का सामना करो। यह जीवन अल्पकालीन है, संसार की विलासिता क्षणिक है लेकिन जो दूसरों के लिए जीते हैं, वे वास्तव में जीते हैं। जो भी कार्य करो, वह पूरी मेहनत के साथ करो। दिन में एक बार खुद से बात अवश्य करो, नहीं तो आप संसार के सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति से मिलने से चूक जाओगे। उच्चतम आदर्श को चुनो और उस तक अपना जीवन जीयो। सागर की तरफ देखो, न कि लहरों की तरफ।

आज का राशिफल

मेष कोई रुका काम बन सकता है, जिससे तनाव कम होगा। साथ ही, कार्यक्षेत्र में सहयोगियों का साथ मिलेगा।	**तुला** लेन-देन से जुड़ी समस्या का सामना कर रहे थे, तो अब उसका समाधान हो सकता है।
वृषभ क्षेत्र में समय आपके लिए अनुकूल रहेगा। आपके द्वारा किए गए प्रयासों से सफलता प्राप्त हो सकती है।	**वृश्चिक** आज आपकी सेहत कुछ खराब रह सकती है। ऐसे में कामकाज में थोड़ा कम मन लगेगा।
मिथुन कार्यक्षेत्र में आपके रुके हुए काम धीरे-धीरे पूरे हो सकते हैं। जिससे तनाव कुछ हद तक कम रहेगा।	**धनु** दिन शुभ रहने वाला है और कार्यक्षेत्र में प्रभाव बढ़ेगा। जिससे विरोधी आपकी प्रशंसा करेंगे।
कर्क आज आपका दिन शुभ रहने वाला है और उत्तम संपत्ति प्राप्त होने के योग बन रहे हैं।	**मकर** आर्थिक मामलों में दिन बेहतरीन रहने वाला है आपको बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है।
सिंह नए स्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में मधुर वाणी और व्यवहार के चलते आपको सम्मान प्राप्त होगा।	**कुंभ** सोच-समझकर कोई भी फैसला लेना जरूरी होगा, अन्यथा नुकसान हो सकता है।
कन्या भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और अपेक्षा से भी ज्यादा सफलता प्राप्त हो सकती है।	**मीन** कामकाज के सिलसिले में किसी भी यात्रा पर जाते वक्त सावधानी बरतनी जरूरी होगा।

विशेष

मोदी और गडकरी चर्चाओं में

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को इथेनॉल और पेट्रोल को लेकर निशाने पर रखा जा रहा है। उनके दोनों पुत्रों के ऊपर आरोप लगाया गया है। पेट्रोल में जो 20 फीसदी एथेनॉल मिलाया जा रहा है। इसका फायदा नितिन गडकरी के परिवार को मिल रहा है। गडकरी के पुत्र की 18 करोड़ की कंपनी 400 करोड़ पर पहुंच गई है 1 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 75 वर्ष की आयु पूर्ण करने जा रहे हैं 1 इसके बाद नितिन गडकरी को प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में देखा जा रहा है 1 जिसके कारण नितिन गडकरी को मोदी- शाह ने निशाने पर ले लिया है। गडकरी इससे नाराज हैं। आगे क्या होता है, यह तो समय ही तय करेगा। लोग कहने लगे हैं। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में गडकरी की यह नाराजी देखने को मिल सकती है। पर्दे के पीछे क्या-क्या होगा, कुछ कहा नहीं जा सकता है।

संघ और जोशी का अर्थ चिंतन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की बैठक में पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी ने 70 स्लाइड के माध्यम से संघ को देश की आर्थिक स्थिति की सत्यता को प्रदर्शित किया है। इस सत्यता को जानकर संघ के नेता हैरान और परेशान हो गए हैं।अनुवांशिक संगठन भी चिंतित हो गए हैं। 91 साल के जोशी ने संघ की आंखों को पूरी तरह से खोल दिया है। रही सही कसर आत्महत्या और नशे के मामले ने संघ को गहरी चिंता में डाल दिया है। इस बैठक का असर सरकार के ऊपर पड़ेगा या नहीं, इसको लेकर अटकलों का दौर चल पड़ा है। अपने अपने भविष्य को लेकर सभी चिंतित हैं।

कार्टून कोना

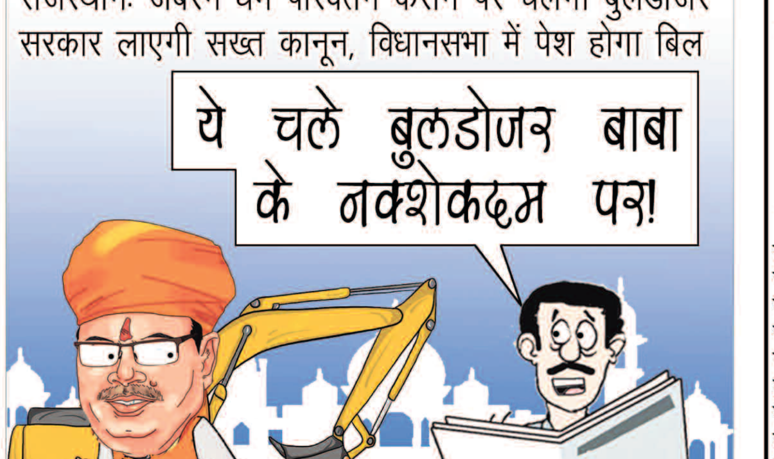

आज का इतिहास

1830: इक्वाडोर गणराज्य की स्थापना हुई . 1862: अमरीकी लेखक ओ. हेनरी का जन्म. 1885: अंग्रेजी भाषा के साहित्यकार डी. एच. लारेंस का जन्म. 1893: स्वामी विवेकानंद ने शिकागो की धर्म संसद में अपना भाषण दिया. 1895: आचार्य विनोबा भावे का जन्म. 1973: चिली में सेना ने सत्ता पर कब्जा किया. 1978: निकारागुवा में सैनिक और विद्रोहियों के बीच संघर्ष में 20 व्यक्ति मारे गए और एक सौ से अधिक लोग घायल हुए. 1987: लीबिया ने युद्ध विराम की घोषणा की. 1991: सोवियत राष्ट्रपति मिखाइल गोबार्चेव ने क्यूबा से अपने सैनिकों को हटाने की घोषणा की. 2001: इतिहास के क्रूरतम आतंकवादी हमले के तहत अमेरिकी नगर न्यूयार्क स्थित वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की 110 मंजिली इमारत के दोनों टावर्स, वाशिंगटन स्थित अमेरिकी रक्षा कार्यालय पेंटागन पर आतंकवादियों ने विमानों का अपहरण कर उक्त भवनों से टकरा कर हमला किया.

दैनिक पंचांग

सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

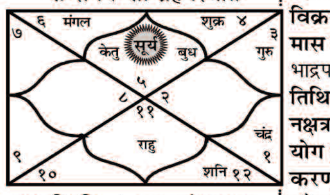

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.14 बजे से
चंद्र	मेष में	तुला	08.24 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	10.39 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	12.55 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	15.00 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	16.47 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.20 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.50 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.30 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मिथुन	23.28 बजे से
		कर्क	01.42 बजे से
		सिंह	03.58 बजे से

2025 वर्ष का 254 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण
तिथि चतुर्थी 12.46 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अश्विनी 13.58 बजे को समाप्त।
योग ध्रुव 17.05 बजे को समाप्त।
करण बालव 12.46 बजे तदनन्तर कौलव 23.22 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 18.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 04° 32'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872464
जूलियन दिन 2460929.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल **तारीख** 18
विशेष महा भरणी, पंचमी श्राद्ध।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

केशवनगर में बुलडोजर चला, अवैध निर्माण ध्वस्त

रातू, एजेंसी। थाना क्षेत्र के केशवनगर में मंगलवार को हाईकोर्ट के आदेश पर रामाधीर तिवारी के घर के बाहर स्थित अवैध निर्माण को सीओ रवि कुमार के निर्देश पर मजिस्ट्रेट सह अंचल निरीक्षक सरफराज अहमद की उपस्थिति में तोड़ दिया गया। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में सड़क में बने बाउंड्रीवॉल सहित अवैध निर्माण को हटाया गया। अतिक्रमण हटाने के दौरान आरोपी पक्ष द्वारा मजिस्ट्रेट सहित पुलिस बल के साथ धक्का मुक्की की गई। ज्ञात हो कि केशवनगर निवासी सुदर्शन पांडेय ने अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए झारखंड़ सरकार पर पीआईएल दर्ज कराया था।

एकलव्य विद्यालयों के आदिवासी छात्रों की मदद करेगी कोल इंडिया

रांची, एजेंसी। कोल इंडिया एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के छात्रों की मदद करेगा। कोल इंडिया ने मंगलवार को एकलव्य विद्यालय प्रबंधन के साथ समझौता किया। इस समझौते के तहत कोल इंडिया द्वारा एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के आदिवासी छात्रों को कंप्यूटर और टैबलेट वितरित किया जाएगा। कोल इंडिल एवं जनजातीय मामलों के मंत्रालय के तहत आने वाले राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त और विकास निगम के बीच एमओयू हुआ है। इस समझौते के तहत कोल इंडिया द्वारा एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के आदिवासी छात्रों को कंप्यूटर और टैबलेट वितरित किया जाएगा। एमओयू का उद्देश्य छात्रों की डिजिटल पहुंच को बढ़ाना और उन्हें करियर विकल्प बनाने में मदद करने के लिए मेंटरशिप कार्यक्रम आयोजित करना और उनके मानसिक स्वास्थ्य का समर्थन करना है। ईएमआरएस में सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और इंसिनरेटर लगाकर छात्राओं के लिए मासिक धर्म स्वच्छता और सम्मान को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

प्रखंड-अंचल कार्यालय में भ्रष्टाचार के खिलाफ लोगों ने किया प्रदर्शन

नामकुम, एजेंसी। जनप्रतिनिधियों एवं सैकड़ों ग्रामीणों द्वारा भ्रष्टाचार के खिलाफ मंगलवार को प्रखंड व अंचल कार्यालय का घेराव-प्रदर्शन किया गया। इससे पूर्व नामकुम बाजार चौक पर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण जुटे। सभी कोई हाथ में तख्तियां लिए पैदल ही सदाबहार चौक होते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रखंड कार्यालय परिसर पहुंचे। वहां पहुंचकर जनप्रतिनिधियों ने आक्रोशपूर्ण भाषण दिया। जनप्रतिनिधियों का कहना था कि प्रखंड व अंचल में भ्रष्टाचार इतना ज्यादा व्याप्त है कि बिना पैसे के कोई काम होता ही नहीं है। भोले-भाले ग्रामीण परेशान होकर थक जाते हैं। प्रखंड सह अंचल कार्यालय द्वारा जनप्रतिनिधियों के सम्मान की बात तो दूर उनके द्वारा दिए गए जनता की समस्या का समाधान में भी अधिकारियों की रूचि नहीं रहती है। कुछ घंटों के बाद मौके पर सीओ एवं बीडीओ पहुंचे। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने एक मांग पत्र सौंपा। मौके पर आरती कुजूर, मुखिया पुष्पा तिर्की, पूर्व मुखिया रितेश उरांव, अन्नु तिवारी, कार्मेला कच्छप, अजय मुंडा, विनिता कच्छप, सुमित्रा देवी सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे। ये है मांगें : कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार पर रोक लगाई जाए। ओलावृष्टि से क्षतिग्रस्त मकान के मुआवजा का भुगतान अविलंब कराने, परमिशन एवं म्यूटेशन के नाम पर अवैध वसूली बंद किया करने, ऑनलाइन के नाम पर गरीबों से अवैध वसूली पर रोक लगाने, ग्रामसभा की सहमति के बगैर जमीन की खरीद-बिक्री पर पूर्णत: रोक लगाने, जाति, आवासीय, आय, जन्म व मृत्यु प्रमाणपत्र बनाने में परेशानी न हो।

देवघर के स्कूलों में पढ़ाया जाएगा साइबर सिक्योरिटी का पाठ, भारत सरकार ने शुरू किया खास प्रोग्राम

देवघर, एजेंसी। डिजिटल युग में साइबर अपराध से बचाव अब पाठशालाओं से ही शुरू होगा। भारत सरकार के वैज्ञानिक संस्थान सी-डैक (सेंटर फार डेवलपमेंट आफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग) ने स्कूली बच्चों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने का बीड़ा उठाया है। देवघर, जो साइबर अपराध के मामलों में लगातार सुर्खियों में रहा है, अब देश में साइबर सुरक्षा की नई पहचान बनाने जा रहा है। योजना के तहत बच्चों को सीधे प्रशिक्षित करने से पहले स्कूल के शिक्षकों को मास्टर ट्रेनर बनाया जा रहा है। ये शिक्षक केवल किताबों से नहीं बल्कि रोजमर्रा के डिजिटल जीवन से जुड़े उदाहरणों से बच्चों को साइबर सुरक्षा का पाठ पढ़ाएंगे। यह प्रोजेक्ट मिनिस्ट्री आफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड आईटी की ओर से चलाया जा रहा है। इसका क्षेत्रीय समन्वय सी-डैक, पटना के हाथ में है। उद्देश्य हर नागरिक को सुरक्षित डिजिटल नागरिक बनाना है, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ तकनीक का उपयोग कर सकें। जामताड़ा के बाद अगर कोई जिला साइबर अपराध के लिए चर्चित रहा है, तो वह देवघर है। लगातार छापेमारी में यहां से ठग पकड़े जाते रहे हैं। देश का शायद ही कोई राज्य ऐसा बचा हो, जिसकी पुलिस ने देवघर में छापेमारी न की हो। अप्रैल 2023 में यहां पहली बार साइबर ठग को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी- यह देश का पहला मामला था।

बीसीसीएल की जर्जर आवास ढहने से तीन की मौत, प्रबंधन की लापरवाही पर सवाल

झरिया, एजेंसी। तेज बारिश की वजह से बुधवार की देर शाम लोदना आठ नंबर में तेज आवाज के साथ बीसीसीएल की खाली जर्जर आवास अचानक गिर गया। बारिश से बचने के लिए आवास के अंदर रुके नौ लोग आवास के मलबे में दब गए। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे।

स्थानीय लोगों की मदद से लोगों को मलबे से बाहर निकाला गया। जिसमें से तीन लोगों की हालत काफी गंभीर होने की वजह से झरिया के एक नर्सिंग होम में इलाज के लिए भेज दिया। जहां चिकित्सकों ने गंभीर हालत देख सभी को धनबाद एसएनएमएमसीएच रेफर कर दिया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मरने वालों में लोदन चार निवासी तीस वर्षीय गोपाल मिस्त्री, उसकी भांजी 12 वर्षीय सुषमा कुमारी व बीसीसीएल कर्मी करमु पासवान के 12 वर्षीय पुत्र चिराग कुमार है। घटना में घायल शंभू पासी, आर्यन कुमार, आकिब अंसारी, सचिन यादव, अभी कुमार व बंटी कुमार इलाजरत है। जिसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

मालूम हो कि लोदना आठ नंबर के कई लोगों को बीसीसीएल प्रबंधन व सुशी परियोजना के विस्तार व बस्ती के बीच से सड़क बनाने के लिए लोदना आठ नंबर से कुसुम बिहार व करमाटांड़ में आवास आवंटन कराया था। कई लोग अपना घर खाली कर चले भी गए पर खाली आवास को बीसीसीएल द्वारा तोड़ा नहीं गया।

वहीं मौके पर मौजूद आक्रोशित लोगों ने कहा कि कुछ लोग ट्रैक्टर से खाली व बंद आवास से ईट निकाल रहे थे। तभी यह घटना हुई। मौके पर लोदना ओपी पुलिस व सीआईएसएफ टीम पहुंची। एम्बुलेंस बुलाकर सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

मौके पर जेसीबी मशीन भी पहुंच कर खुदाई शुरू कर दिया। वहीं स्थानीय लोगों ने आरोप लगाते हुए कहा कि घटना की जानकारी देने के लिए अधिकारी को फोन किया गया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया।

मौजूद आक्रोशित लोगों ने बीसीसीएल पर आरोप लगाते हुए कहा की बीसीसीएल के लापरवाही का खामियाजा तीन मासूमों को अपनी जान देकर चुकाना पड़ा। चार माह पूर्व यहां कई क्वार्टर को खाली करवाया गया था। लेकिन बीसीसीएल ने उसको पूरी तरह ध्वस्त नहीं किया। जबकि नियमावली यह है कि घर आवंटन करने के बाद खाली करते ही पुराने घर को तुरंत ध्वस्त कर देना है। लेकिन बीसीसीएल ने ऐसा नहीं किया। नतीजा आज की घटना से तीन लोगों की मौत हो गई। है व चार लोग घायल है। मृतक के स्वजन ने बीसीसीएल के ऊपर आरोप लगाया है कि बीसीसीएल दलाल के जरिए ईंट व करकट बेचती है।

लोदना आठ नंबर समीप खाली आवास गिरने से तीन लोगों की मौत व चार लोग घायल होने की सूचना के लगभग दो घंटे बाद सिंदरी डीएसपी आशुतोष कुमार व झरिया सीओ घटनास्थल पहुंचे। जिसके बाद स्थानीय लोगों से मामले की जानकारी ली।

वहीं डीएसपी ने मौके पर मौजूद एक साइकिल व ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। डीएसपी ने कुछ लोगों को वार्ता के लिए लोदना ओपी बुलाया। डीएसपी ने लोगों से पुरी जानकारी ली। उन्होंने मौजूद लोगों से कहा कि स्वजन के लिखित शिकायत पर कार्रवाई की जाएगी। मामले को लेकर हमलोग गंभीर है।

एनएच-33 बना मौत का हाईवे, चार साल में 991 लोगों की गई जान

जमशेदपुर, एजेंसी। रांची-टाटा एनएच-33 अब 'मौत का हाईवे' बन चुका है। रोजाना हो रही सड़क दुर्घटनाएं दर्जनों परिवारों को उजाड़ रही हैं, लेकिन प्रशासन और सरकार की लापरवाही से हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं।

आंकड़े बताते हैं कि बीते चार-साढ़े चार वर्षों में 352 सड़क हादसों में 991 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 635 लोग घायल हुए हैं। सिर्फ बुंडू, चांडिल, सरायकेला और खरसावां थाना क्षेत्रों में इन वर्षों में 200 लोगों की मौत हुई है।

हादसों के पीछे के कारणों की बात करें तो तेज रफ्तार, खतरनाक घुमाव, रोड इंजीनियरिंग की खामियां, हाईवे पर चेतावनी बोर्ड और संकेतक की कमी, फोर लेन का हाईवे और डिवाइडर का अभाव, रफ्तार पर लगाम के लिए इंटरसेप्टर वाहनों की कमी, फोर लेन का काम अब तक पूरा नहीं होना आदि है।

सड़क चौड़ीकरण की डीपीआर तो तैयार हो चुकी है, लेकिन काम की गति बेहद धीमी है। दस वर्षों से फोर लेन निर्माण अधूरा पड़ा है। कई स्थानों पर सड़क उखड़ चुकी है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा और बढ़ गया है। चिलगु-शहरबेड़ा पुल पिछले नौ महीनों से बंद है, जिसे मिट्टी डालकर अवरुद्ध कर दिया गया है। मजबूरी में एनएच को वन-वे कर दिया गया है, जिससे दुर्घटनाएं और बढ़ गई हैं। सड़क पर सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। भारी वाहन सड़क किनारे अव्यवस्थित रूप से खड़े रहते हैं, न तो कहीं साइनबोर्ड लगे हैं, न ही कट प्वाइंट पर कोई मार्गदर्शन है। शाम के समय हादसों की संख्या और बढ़ जाती है। एनएच-33 अब लोगों के लिए जीवनदायिनी नहीं, बल्कि 'मौत की फिसलपट्टी' बनता जा रहा है।

बनी-बनाई सड़कों को दोबारा बनाने के लिए 3 करोड़ मंजूर, डीसी ने जांच के बाद रद्द किया प्रस्ताव

धनबाद, एजेंसी। बोकारो के बाद धनबाद में भी डीएमएफटी फंड के दुरुपयोग का मामला सामने आया है। जांच में डीएमएफटी (जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट) के पैसे से सड़क निर्माण में बड़ी गड़बड़ी पकड़ी गई है। आरईओ ने पहले से बनी सड़कों को दोबारा बनाने का प्रस्ताव भेज दिया था।

इन प्रस्तावों को स्वीकृति भी मिल गई थी, लेकिन जांच के बाद खेल खुला और धनबाद उपायुक्त आदित्य रंजन ने तीन सड़कों की स्वीकृति रद कर दी। उपायुक्त ने इस मामले में आरईओ के कार्यपालक अभियंता को शोकाज भी किया है।

गोविंदपुर, कलियासोल और निरसा इलाके की तीन सड़कों पर यह गड़बड़ी पकड़ी गई। गोविंदपुर के जंगलपुर पंचायत में भीम पांडे के आवास से सोमरा मांझी के आवास तक पीसीसी सड़क पहले से बनी हुई थी। इसी तरह कलियासोल के पंचेत में कुर्बान घाट से जीरो प्वाइंट बांदा ग्राम डैम साइट तक बनी सड़क को भी दोबारा बनाने का प्रस्ताव दिया गया।

वहीं निरसा के चरघरा पंचायत में नहर किनारे बनी सड़क के समानांतर दूसरी सड़क बनाने का प्रस्ताव भेजा गया, जिसकी कोई उपयोगिता नहीं थी। नहर के एक छोर पर पहले से अच्छी हालत में सड़क है।

डीएमएफटी फंड से सड़क निर्माण के लिए 13 सड़कों का प्रस्ताव आरईओ ने भेजा। इसे सैंक्शन भी करा दिया गया। अचानक डीसी ने इन सड़कों की जांच कराई तो चौकाने वाले तथ्य सामने आए। तीन सड़कें ऐसी मिली जो पूरी तरह ठीक हालत में हैं। पहले से बनी हुई हैं।

इनमें कुछ जगह रिपेयर से ही काम चल सकता है। तीनों सड़क के लिए करीब तीन करोड़ के फंड स्वीकृत कर दिए गए थे। खास बात यह भी है कि पिछले सात आठ वर्ष में डीएमएफटी फंड से बनी सड़कों को बिना जांच के ही बना दिया जाता था।

डीसी ने स्पष्ट किया कि बिना उपयोगिता वाले प्रस्ताव अब पास नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि डीएमएफटी से बनने वाली सड़कों के लिए अब यूटिलिटी सर्टिफिकेट जरूरी होगा। इसमें यह बताना अनिवार्य होगा कि कितनी आबादी को सड़क से फायदा होगा, कौन-कौन से गांव और संस्थान इससे जुड़े होंगे। अब सड़क योजनाओं की स्वीकृति से पहले उपयोगिता का ब्योरा देना अनिवार्य कर दिया गया है, ताकि डीएमएफटी की राशि का दुरुपयोग न हो।

जेजेएमपी का कुख्यात उग्रवादी कलेश्वर खेरवार गिरफ्तार, पुलिस के हाथ लगे कई अहम सुराग

लोहरदगा, एजेंसी। झारखंड में नक्सल उन्मूलन अभियान लगातार तेज़ी पकड़ रहा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और डीजीपी के स्पष्ट निर्देश के बाद पुलिस एवं अर्धसैनिक बल नक्सल प्रभावित इलाकों में लगातार दबिश दे रहे हैं। इसी कड़ी में लोहरदगा पुलिस एवं 32वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस की संयुक्त टीम ने कुख्यात जेजेएमपी उग्रवादी कलेश्वर खेरवार को ब्राह्मणडीहा गांव से धर दबोचा।

पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (किस्को) वेदांत शंकर के नेतृत्व में विशेष अभियान चलाया गया। इसमें 32वीं वाहिनी एसएसबी के जी कंपनी के अधिकारी, किरको, कुडू, बगडू, पेशरार और जोबांग थाना प्रभारी, तकनीकी शाखा के कर्मी और सैट-75 बल शामिल थे।

इसी क्रम में गुप्त सूचना एसपी सादिक अनवर रिजवी को मिली कि कलेश्वर खेरवार अपने घर सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत ब्राह्मण्डीहा गांव आकर घर में छिपा हुआ है।

जिसके बाद एसपी ने टीम गठित कर सूचना का सत्यापन करते हुए टीम को छापेमारी कर उग्रवादी को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस की टीम ने ब्राह्मणडीहा गांव में छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार उग्रवादी पूर्व में भाकपा माओवादी दस्ता में सक्रिय था और वर्ष 2017 में आत्मसमर्पण कर चुका है, लेकिन बाद में दोबारा जेजेएमपी उग्रवादी संगठन से जुड़ गया। इसकी जानकारी मीडिया से बातचीत में बुधवार को एसडीपीओ वेदांत शंकर ने दी। उन्होंने बताया कि कलेश्वर से संगठन के अन्य सक्रिय सदस्यों की जानकारी मिली है। जिसके बाद उनकी भी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने अभियान को और तेज कर दिया है।

गिरफ्तार उग्रवादी को 10 सितंबर 2025 को न्यायिक हिरासत में लोहरदगा जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार कलेश्वर खेरवार पहले भाकपा माओवादी संगठन में सक्रिय था और 2017 में उसने आत्मसमर्पण किया था, लेकिन कुछ समय बाद वह दोबारा जेएमएमपी संगठन से जुड़ गया और इलाके में सक्रिय हो गया। कलेश्वर खेरवार की गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने उसके पास से ब्लू रंग का स्मार्टफोन, काला बैग, एयरटेल के 4 सिम कार्ड, नेवी ब्लू डायरी और जेजेएमपी उग्रवादी संगठन के पर्चे बरामद किए।

अभियान का नेतृत्व एसडीपीओ किस्को वेदांत शंकर ने किया। उनके साथ पुलिस निरीक्षक मनीष कुमार (32वीं वाहिनी एसएसबी) और जिले के विभिन्न थाना प्रभारियों सहित तकनीकी शाखा के अधिकारी और एसएसबी के जवान शामिल थे। किस्को और पेशरार के सीमांत थाना क्षेत्र में पुलिस और जेएमएमपी उग्रवादियों के बीच 26 जून 2025 को मुठभेड़ हुई थी। जिसमें उग्रवादी मौके से भागने में सफल रहे थे। इसके बाद पुलिस ने इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया और घटनास्थल से एक एसएलआर मैगजीन, 51 कारतूस, इंसास और 7.62 के खोखे, पांच एंड्रॉयड मोबाइल, तीन कीपैड मोबाइल, वॉकी-टॉकी, पावर बैंक, नकद 3100 रुपये समेत अन्य सामान बरामद किए थे।

सरकार की नई भूमि आवंटन नीति का ड्राफ्ट तैयार, अब पांच साल से पहले नहीं बिकेगी फैक्ट्री की जमीन

आदित्यपुर, एजेंसी। आदित्यपुर समेत राज्य के सभी औद्योगिक क्षेत्रों में जमीन की खरीद-बिक्री कर मुनाफा कमाने का खेल अब बंद हो जाएगा। झारखंड सरकार एक नई भूमि आवंटन नीति लाने जा रही है, जिसमें यह अनिवार्य किया जा रहा है कि कोई भी उद्यमी आवंटित जमीन पर उत्पादन शुरू करने के पांच साल बाद ही अपनी इकाई किसी दूसरे को बेच या हस्तांतरित कर सकेगा।

इस नियम का मुख्य उद्देश्य औद्योगिक जमीन की जमाखोरी और सट्टेबाजी पर रोक लगाना और केवल गंभीर उद्यमियों को ही अवसर प्रदान करना है। पूर्व में यह देखा गया था कि कई लोग झारखंड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (जियाडा) से रियायती दरों पर जमीन आवंटित करा लेते थे, लेकिन उस पर उद्योग लगाने की बजाय कुछ समय बाद उसे ऊंचे दामों पर बेच देते थे। इससे वास्तविक उद्यमियों को जमीन नहीं मिल पाती थी।

औद्योगिक विकास भी प्रभावित होता था। नई नीति में पांच साल का लाक-इन पीरियड इस प्रवृत्ति पर सीधी चोट करेगा। सरकार का मानना है कि इससे केवल वे ही उद्यमी जमीन के लिए आवेदन करेंगे, जो वास्तव में उद्योग लगाना चाहते हैं।

नई नीति में सिर्फ पांच साल की शर्त ही नहीं है, बल्कि इकाई के हस्तांतरण (ट्रांसफर) को महंगा भी किया जा रहा है। प्रस्ताव के अनुसार, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) श्रेणी की इकाइयों के ट्रांसफर पर लगने वाले शुल्क को वर्तमान भूमि मूल्य के 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत किया जाएगा।

वहीं, बड़ी इकाइयों के लिए यह शुल्क 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 40 प्रतिशत करने का प्रस्ताव है। शुल्क में इस भारी वृद्धि से जमीन को एक निवेश की वस्तु समझने वालों को बड़ा झटका लगेगा।

सरकार जमीन आवंटन की पात्रता को भी सख्त बना रही है, ताकि केवल वित्तीय रूप से मजबूत और गंभीर आवेदक ही आगे आएं। नए नियमों के मुताबिक, आवेदक की अपनी नेट वर्थ प्रस्तावित परियोजना की कुल लागत का कम से कम 30 प्रतिशत अनिवार्य होगा।

इसके साथ ही आवेदक के टर्नओवर को भी देखा जाएगा। उदाहरण के तौर पर, आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में 21 हजार 780 से 43 हजार 560 वर्गफीट जमीन के लिए आवेदन करने वाली इकाई का न्यूनतम टर्नओवर तीन करोड़ रुपये होना चाहिए।

उद्योग जगत ने इस कदम का स्वागत किया है, लेकिन कुछ चिंताएं भी जाहिर की हैं। एसिया (आदित्यपुर स्माल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन) के अध्यक्ष इंदर अग्रवाल ने कहा, यह एक अच्छा कदम है, जिससे जमीन के खेल पर लगाम लगेगी। लेकिन सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि किसी वास्तविक मजबूरी के कारण अपनी इकाई बेचने वाले सही उद्यमी प्रताड़ित न हों।

क्योंकि कोई भी उद्यमी अपनी कंपनी बेचने के लिए उद्योग नहीं लगाता। सरकार के इस मसौदे को अब अंतिम मंजूरी मिलना बाकी है, जिसके बाद इसे पूरे राज्य में लागू कर दिया जाएगा।

संदिग्ध आतंकी का खुराफाती दिमाग, फेसबुक पर अशहर दानिश ने खुद को साइबर सेक्युरिटी स्पेशलिस्ट बताया

रांची, एजेंसी। रांची से पकड़ाया संदिग्ध आतंकी अशहर दानिश फेसबुक पर एक्टिव था। उसकी प्रोफाइल फोटो में इस्लामिक धार्मिक स्थल की फोटो लगी है। उसने खुद को डिजिटल क्रिएटर और साइबर सिक्योरिटी स्पेशलिस्ट बताया है। फेसबुक पर उसके 492 फालोअर्स हैं और वह 113 लोगों को फालो करता है। होम टाउन बोकारो स्टील सिटी बताया है। जून 2024 में उसने पोस्ट कर बताया कि रांची में नई नौकरी ज्वाइन की है। खुद को रिलेशनशिप में बताया है। साल 2024 में उसने अपनी चार फोटो पोस्ट की है। इसमें एक फोटो कांके रॉक गार्डेन की है।

लाज के संचालक मो ताबरक हुसैन ने बताया कि उन्हें यकीन नहीं हो रहा है अशहर दानिश इस तरह की गतिविधि में शामिल मिलेगा। वर्ष 2016 में लाज की शुरुआत की। जहां अधिकर गरीब परिवार के बच्चे रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करते हैं।

तबारक बताते हैं कि इसी साल लाज में रहने वाले एक छात्र ने जेपीएससी में 17वां रैंक हासिल किया। कुछ साल पहले एक छात्र दारोगा में बहाल हुआ। यहां रह चुके कितने छात्र आज शिक्षक, रेलवे और बैंक में नौकरी कर रहे हैं।

संदिग्ध आतंकी अशहर दानिश ताबरक लाज में रह कर एसएससी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। लाज के संचालक मो तबारक हुसैन ने बताया कि 16-17 महीने पहले अपने पिता के साथ मेरे लाज आया था।

उसके पिता ने बताया था कि वह रांची में रह कर एसएससी की तैयारी करेगा। तबारक ने बताया कि वह रोजाना पुरुलिया रोड स्थित लाइब्रेरी में पढ़ने के लिए भी जाता था।

चंपाई की घोषणाओं पर सरकार का ब्रेक: आदित्यपुर में फ्लाईओवर और गम्हरिया व राजनगर में डिग्री कॉलेज का काम रुका

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के कार्यकाल में स्वीकृत कई जनहितकारी योजनाओं पर रोक लगा दी है। चंपाई सोरेन विधानसभा चुनाव 2024 से पहले मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर झामुमो छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। उनके गृह क्षेत्र सरायकेला विधानसभा में आदित्यपुर-कांड्रा रोड पर सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए प्रस्तावित दो फ्लाईओवर, गम्हरिया और राजनगर के गोविंदपुर में डिग्री कॉलेज सहित अन्य योजनाओं पर अब कार्य ठप हो गया है। मुख्यमंत्री रहते हुए चंपाई सोरेन ने अल्प अवधि में चुनावी माहौल को देखते हुए अपने विधानसभा क्षेत्र में विकास योजनाओं की घोषणा की थी और इन्हें कैबिनेट से भी मंजूरी दिलाई थी।

बावजूद इसके अधिकांश परियोजनाओं पर अब तक कार्यारंभ नहीं हुआ है और योजनाएं अधर में लटकी हुई हैं। राज्य सरकार उनकी योजनाओं को लेकर गंभीर नहीं दिखाई पड़ रही है। पूर्व सीएम ने आदित्यपुर में फ्लाईओवर व गम्हरिया में डिग्री कॉलेज की स्थापना की घोषणा की थी। एक साल से अधिक समय बीत गए, लेकिन सरकार की ओर से एक इंच भी काम नहीं हुआ।

चंपाई सोरेन ने आदित्यपुर में आशियाना से एस-टाइप होते हुए आकाशवाणी चौक तक फ्लाईओवर तथा गम्हरिया लाल बिल्डिंग चौक से अंचल कार्यालय तक दूसरा फ्लाईओवर निर्माण का प्रस्ताव दिया था। प्रारंभिक तैयारी भी शुरू हुई थी, लेकिन उनके हटते ही यह योजना कागजों तक सीमित रह गई।

गम्हरिया में डिग्री कॉलेज का विरोध: गम्हरिया के बुरूडीह में डिग्री कॉलेज की स्थापना का आदेश दिया गया था, परंतु स्थानीय ग्रामीणों ने भूमि को लेकर आपत्ति दर्ज की है। विवाद सुलझे बिना निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। यह कॉलेज भी पांच एकड़ में 40 करोड़ रुपए से बनना था।

राजनगर में डिग्री कॉलेज का निर्माण रुका: राजनगर के गोविंदपुर में 40 करोड़ की लागत से 5 एकड़ भूमि पर डिग्री कॉलेज निर्माण का कार्य शुरू हुआ था। पिछले तीन महीने से यह पूरी तरह बंद पड़ा है। इसके शुरू होने से सैकड़ों विद्यार्थियों को फायदा होता।

हेमंत सोरेन सरकार में चंपाई सोरेन न केवल पूर्व मुख्यमंत्री बल्कि जल संसाधन मंत्री के रूप में 'नंबर टू' के पोजिशन पर थे। अधिकारियों और मंत्रियों के बीच उनकी विशेष हैसियत थी। किंतु झामुमो से 40 वर्ष पुराना नाता तोड़ने के बाद उनकी योजनाओं पर भी ब्रेक लगा दिया गया। अब इन योजनाओं का भविष्य अनिश्चित है।

आदित्यपुर-कांड्रा रोड के व्यस्ततम क्षेत्र आदित्यपुर और गम्हरिया मेन रोड पर एक-एक फ्लाईओवर का प्रस्ताव है। अभी इसका डीपीआर तैयार किया जा रहा है। रांची मुख्यालय से स्वीकृति मिलने के बाद ही निर्माण कार्य आगे बढ़ेगा। - अशोक रजक, ईई, पथ निर्माण विभाग, सरायकेला प्रमंडल

मेरे विधानसभा क्षेत्र ही नहीं, पूरे झारखंड में योजनाओं का काम धीमी गति से चल रहा है। केवल औपचारिकता पूरी की जा रही है। जनता को गुमराह किया जा रहा है।

हाइपोथायरायडिज्म में भी घट सकता है वजन, फॉलो करें ये टिप्स

थायरॉइड की समस्या से जूझ रही महिलाओं के लिए वजन कम करना किसी चुनौती से कम नहीं होता।
हाइपोथायरॉइडिज्म होने पर मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, जिससे वजन तेजी से बढ़ने लगता है। लेकिन घबराइए नहीं, क्योंकि सही डाइट और लाइफस्टाइल में बदलाव से थायरॉइड के बावजूद वजन कम किया जा सकता है। हम आपको थायरॉइड में वजन घटाने के 5 वैज्ञानिक तरीके बताएंगे जो वाकई में काम करते हैं। ये कोई क्रैश डाइट या मुश्किल एक्सरसाइज रूटीन नहीं, बल्कि छोटे-छोटे बदलाव हैं जिन्हें आप आसानी से अपनी दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं। इनमें से कुछ टिप्स तो आपकी रसोई में पहले से मौजूद चीजों से जुड़े हैं! सबसे अच्छी बात यह है कि ये तरीके न सिर्फ वजन घटाने में मदद करेंगे, बल्कि आपके थायरॉइड लेवल को भी संतुलित रखेंगे। तो आइए जानते हैं वो 5 गोल्डन टिप्स जो आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना देंगे।

ये चीजें जरूर खाएं

थायरॉइड में वजन घटाने के लिए सबसे पहले डाइट पर ध्यान देना जरूरी है। सेलेनियम और जिंक से भरपूर चीजें जैसे ब्राजील नट्स, अंडे और दालें थायरॉइड फंक्शन को इम्प्रूव करती हैं। नारियल तेल का इस्तेमाल करें क्योंकि इसमें मौजूद MCT फैट मेटाबॉलिज्म को 12% तक बढ़ा सकता है।

ग्लूटेन फ्री डाइट क्यों है जरूरी?

रिसर्च बताती है कि थायरॉइड पेशेंट्स को ग्लूटेन से परहेज करना चाहिए। गेहूं, जौ और राई की जगह बाजरा, कुट्टू और अमरन्थ का आटा इस्तेमाल करें। ये न सिर्फ वजन कम करने में मदद करेंगे बल्कि थायरॉइड एंटीबॉडीज को भी कम करेंगे।

ये 3 वर्कआउट देंगे बेस्ट रिजल्ट

थायरॉइड में हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग (HIIT) और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग सबसे अच्छे विकल्प हैं। हफ्ते में 3 बार 30 मिनट की वॉक जरूर करें। योगासनों में सर्वांगासन और मत्स्यासन थायरॉइड ग्लैंड को एक्टिवेट करते हैं।

स्ट्रेस मैनेजमेंट वजन घटाने की कुंजी

तनाव थायरॉइड हार्मोन को और असंतुलित कर देता है। रोज 10 मिनट की डीप ब्रीदिंग और मेडिटेशन करें। अश्वगंधा और ब्राह्मी जैसी आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां स्ट्रेस हार्मोन कोर्टिसोल को कम करने में मदद करती हैं।

नींद है सबसे जरूरी

रात की खराब नींद थायरॉइड पेशेंट्स के वजन को बढ़ा देती है। हर रात 7-8 घंटे की नींद जरूर लें। सोने से 1 घंटे पहले मोबाइल का इस्तेमाल बंद कर दें और गर्म दूध में दालचीनी मिलाकर पिएं। थायरॉइड की दवा खाली पेट लेनी चाहिए और उसके 1 घंटे बाद तक कुछ न खाएं।

शरीर के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी है हीमोग्लोबिन

शरीर के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी है, इसकी कमी शरीर को तोड़कर रख सकती है, इसकी कमी पूरी करने के लिए आपको आयरन वाली चीजें खानी चाहिए।

अगर आपको हमेशा थकान, कमजोरी या सिरदर्द जैसी समस्या रहती है, तो इसका मतलब है कि आपके खून में हीमोग्लोबिन की कमी हो गई है। हीमोग्लोबिन क्या है? यह एक प्रोटीन है जो रेड ब्लड सेल्स में पाया जाता है। ब्लड सेल्स का काम शरीर के चारों ओर ऑक्सीजन ले जाने का काम करती हैं।
हीमोग्लोबिन कम होने से क्या होता है? हीमोग्लोबिन का लेवल कम होने से शरीर का कामकाज बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। इसका लेवल कम होना संकेत है कि आप खून की कमी से जूझ रहे हैं या लिवर या किडनी की किसी बीमारी से पीड़ित हैं। हीमोग्लोबिन की कमी से होने से आपको थकान-कमजोरी, पीलिया या लगातार सिरदर्द होना जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं।

हीमोग्लोबिन कैसे बढ़ाएं?

हीमोग्लोबिन का लेवल बढ़ाने के लिए आपको आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए।
आयरन हीमोग्लोबिन के उत्पादन बढ़ाने के अलावा रेड ब्लड सेल्स को बनाने में भी मदद करता है। हीमोग्लोबिन की नॉर्मल रेंज पुरुषों के लिए 13.2 से 16.6 ग्राम प्रति डेसीलीटर है जबकि महिलाओं के लिए 11.6 से 15 ग्राम प्रति डेसीलीटर है।

हीमोग्लोबिन कम होने के कारण और लक्षण

हीमोग्लोबिन कम होने के कई कारण हो सकते हैं जिनमें मुख्यत: खाने में आयरन और विटामिन बी-12 की कमी, खून का कैंसर, किडनी या लिवर की बीमारी, थाइरोइड, थैलासीमिया और फेफड़ों से जुड़ी कोई बीमारी आदि शामिल हैं। ऐसा होने पर आपको नीचे बताए लक्षण महसूस हो सकते हैं-

- दिल की धड़कन बढ़ना
- त्वचा का पीला होना और मसूड़ों में खून आना
- हमेशा थकान और कमजोरी महसूस होना
- मांसपेशियों में कमजोरी
- हमेशा थकान के साथ सिरदर्द रहना
- सांस में कमी

विटामिन-सी से भरपूर खाद्य पदार्थ

एक अध्ययन के अनुसार शरीर आयरन को पूरी तरह से अवशोषित नहीं कर पाता है यही वजह है कि इसे अवशोषित करने के लिए आपको विटामिन सी की जरूरत होती है। आपको अपने खाने में संतरे, नींबू, शिमला मिर्च, टमाटर, अंगूर, जामुन आदि विटामिन-सी से भरपूर चीजों को शामिल करना चाहिए।

चुकंदर

चुकंदर आयरन, मैग्नीशियम, कॉपर, फॉस्फोरस और विटामिन बी1, बी2, बी6, बी12 और सी से भरपूर होता है। यह चमत्कारिक सब्जी हीमोग्लोबिन काउंट बढ़ाने और रेड ब्लड सेल्स को बनाने का काम करती है। इसका आप सब्जी, सलाद या जूस के रूप में सेवन कर सकते हैं।

सहजन

एक स्टडी के मुताबिक सहजन की पत्तियां जिंक, आयरन, कॉपर, मैग्नीशियम, विटामिन ए, बी और सी जैसे मिनरल्स से भरी होती हैं। यह सभी तत्व आयरन, हीमोग्लोबिन और रेड ब्लड सेल्स के लिए जरूरी हैं। ऐसा माना जाता है कि इन पत्तियों को गुड़ के साथ लेने से आपको ज्यादा फायदा मिल सकता है। इसके अलावा आप डॉक्टर की सलाह पर इसका रस पी सकते हैं या इसकी फली की सब्जी बना सकते हैं।

हरे पत्ते वाली सब्जियां

हरी सब्जियां जैसे पालक, सरसों का साग, अजवाइन और ब्रोकली आयरन का बढ़िया स्रोत हैं। पालक को पकाकर खाने की सलाह दी जाती है क्योंकि कच्ची पत्तियों में ऑक्सालिक एसिड होता है जो शरीर में आयरन के अवशोषण को रोक सकता है। इनमें मौजूद विटामिन बी 12, फोलिक एसिड और अन्य पोषक हीमोग्लोबिन बढ़ाने का काम करते हैं।

खजूर और कद्दू के बीज

खजूर आयरन का बढ़िया स्रोत है, जो खून में हीमोग्लोबिन लेवल बढ़ाता है। हालांकि डायबिटीज के रोगियों को ज्यादा खजूर खाने से बचना चाहिए। इधर कद्दू के बीज भी कैल्शियम, मैग्नीशियम, मैंगनीज और आयरन का बेहतर स्रोत हैं।

ब्रोकोली

गोभी परिवार की यह सब्जी आयरन और बी-कॉम्प्लेक्स विटामिन फोलिक एसिड का बढ़िया स्रोत है और इसमें मैग्नीशियम, विटामिन ए और सी जैसे अन्य जरूरी पोषक तत्व भी पाए जाते हैं।
आयरन और हीमोग्लोबिन काउंट बढ़ाने के लिए आप इसे उबालकर या सलाद के रूप में या सब्जी बनाकर खा सकते हैं।

अनार

अनार प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और फाइबर के साथ-साथ कैल्शियम और आयरन दोनों का एक शानदार स्रोत है।
हीमोग्लोबिन बढ़ाने के अलावा इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व सेहत को दुरुस्त बनाए रखते हैं। आयरन और हीमोग्लोबिन लेवल बढ़ाने लिए रोजाना अनार का जूस पिएं।

खर्राटों की समस्या से निजात दिला सकता है ये उपकरण

अगर आपको भी खर्राटे लेने की समस्या है तो आपके लिए एक खुशखबरी है। माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने चुंबक की मदद से एक ऐसा उपकरण बनाया है जो खर्राटों की समस्या से निजात दिला सकता है। दो चंबुकों के खींचने की क्षमता की मदद से हवा की नली को रात में सोने के दौरान खुला रखकर खर्राटों की समस्या को ठीक किया जा सकता है।

इस समस्या से दुनियाभर में लाखों लोग जूझ रहे हैं। इस बीमारी के कारण रात को सोते वक्त हवा की नली संकरी हो जाती है और सांस लेने में अवरोध पैदा होता है। इसके लक्षणों में खर्राटे लेना और मुंह से अजीब आवाजें निकालना भी शामिल है। यह बीमारी 40 साल की उम्र से ऊपर के पुरुषों में ज्यादा होती है। मोटापा, शराब की लत और धूम्रपान इसके जोखिम कारक हैं। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। मैग्नेटिक एपनोइया प्रीवेंशन (मैगनैप) उपकरण में उस तरह के चुंबक का इस्तेमाल होता है जो कंप्यूटर हार्ड ड्राइव और साइकिल के डायनेमो में पाए जाते हैं। यह उपकरण सांस की नली को खुला रखने में मदद करता है। चुंबक में एक क्षरण-प्रूफ टाइटेनियम कोटिंग है और यह दावा किया जाता है कि इन्हें एक बार प्रतिरोपित करने के बाद सालों तक सुरक्षित रूप से शरीर में छोड़ा जा सकता है। इस उपकरण का आकार पचास पैसे के सिक्के के जितना है और इसे सर्जरी के द्वारा गले के हायोड बोन में फिट किया जा सकता है। यह हड्डी जीभ के ठीक नीचे गले में होती है। इस चुंबक को फिट करने की सर्जरी को करने में एक घंटे का समय लगेगा। सर्जरी के चार हफ्ते के बाद एक और चुंबक गले में लगाया जाएगा। यह दूसरा चुंबक पहले से गले में लगाए गए चुंबक को आकर्षित करेगा जिससे एक हल्का खिंचाव तैयार होगा और हवा की नली खुल जाएगी। मरीज के गले और हवा की नली के आकार के अनुसार विभिन्न आकार के चुंबकों का प्रयोग किया जा सकेगा। अब तक माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में छह लोगों के गले में इस उपकरण को प्रतिरोपित किया गया है। उनकी निगरानी की जा रही है ताकि इस उपकरण की उपयोगिता का पता लगाया जा सके।

दिल की बीमारियों को भी दूर रखने में मदद करता है मैथीदाने का नियमित सेवन

मैथीदाने का प्रयोग आप खाने के स्वाद को बढ़ाने में करते हैं, लेकिन इसके सेहत और सौंदर्य लाभ आपको हैरत में डाल देंगे। आइए जानते हैं इनके अनमोल गुण।

- मैथीदाने का चूर्ण प्रतिदिन खाने से आपका वजन नियंत्रित रहता है और वसा की मात्रा धीरे-धीरे कम हो जाती है। इस तरह से आप अपना वजन भी कम कर सकते हैं।
- मैथीदाने का नियमित सेवन दिल की बीमारियों को भी दूर रखने में भी मदद करता है। यह दिल का दौरा पड़ने की आशंका को बेहद कम कर देता है और आप अपने हृदय को रख सकते हैं बिलकुल स्वस्थ।
- मधुमेह के मरीजों के लिए मैथीदाना बहुत फायदेमंद होता है। इसको रोज रात में भिगोकर रखने के बाद रोज सुबह चबाकर खाने से और इसके पानी के सेवन से लाभ मिलता है।
- बालों की खूबसूरती के लिए भी मैथीदाना फायदेमंद है। इसका पेस्ट बनाकर बालों में लगाने से बालों से रूखापन गायब होता है, साथ ही बाल मजबूत बनते हैं।
- चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने में भी यह मैथीदाना कुछ कम गुणवान नहीं है। इसे पीसकर चेहरे पर लगाने से त्वचा में चमक के साथ कसाव आता है। इसके अलावा रूखी त्वचा वालों के लिए यह बहुत लाभप्रद है, क्योंकि यह त्वचा को नमी प्रदान करता है।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से हो सकते हैं मानसिक दिव्यांगता का शिकार

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से ऑटिज्म जैसी मानसिक दिव्यांगता विकसित हो सकती है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय समेत तीन संस्थानों के अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। ऑटिज्म के मरीज न तो अपनी बात ठीक से कह पाता है ना ही दूसरों की बात समझ पाता है और न उनसे संवाद स्थापित कर सकता है। यदि इन लक्षणों को समय रहते भांप लिया जाए, तो काबू पाया जा सकता है। प्रतिष्ठित नेचर पत्रिका में प्रकाशित इस रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चे के धीमे मानसिक व शारीरिक विकास से जुड़ी इस बीमारी के लक्षण बचपन में ही दिखने लगते हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय, मैसाचुएट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने कोलेस्ट्रॉल और ऑटिज्म के संबंध के बारे में जानने के लिए वैज्ञानिक अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑटिज्म के सबटाइप वाली एक बीमारी उन्हीं अनुवांशिक तत्वों से होती है जो शरीर में कोलेस्ट्रोल मेटाबोलिज्म और मस्तिष्क विकास को नियंत्रित करते हैं। वैज्ञानिकों ने मस्तिष्क के नमूनों के डीएनए अध्ययन से पाया कि लिपिड डायफंक्शन और ऑटिज्म के बीच साझा आणुविक जड़ें होती हैं। फिर वैज्ञानिकों ने ऑटिज्म पीड़ित लोगों के मेडिकल रिकॉर्ड का अध्ययन करके इस बात की पुष्टि की। लिपिड जीवित कोशिकाओं में एक महत्वपूर्ण अवयव होता है जो एल्कोहल में घुलनशील है। अध्ययनकर्ता इसहाक कोहेन का कहना है कि शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि यह बहुत जटिल बीमारी है और इसके विभिन्न प्रकार अलग-अलग कारणों से उत्पन्न होते हैं।

रिपोर्ट में खुलासा

क्रिप्टोकरंसी को पूरी तरह नियंत्रित करने वाला कानून नहीं बनाएगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार क्रिप्टोकरंसी को लेकर ऐसा कानून बनाने के पक्ष में नहीं है, जो इसे पूरी तरह से नियंत्रित करे। इसके बजाय, सरकार आंशिक नियंत्रण बनाए रखने की योजना बना रही है, क्योंकि उसका मानना है कि इस डिजिटल संपत्ति को देश की मुख्यधारा की वित्तीय व्यवस्था में शामिल करना बड़े जोखिम खड़े कर सकता है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में एक सरकारी दस्तावेज के हवाले से जानकारी दी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस दस्तावेज में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की उस सलाह का हवाला दिया गया है, जिसमें कहा गया है कि क्रिप्टोकरंसी से जुड़े जोखिमों को केवल नियमों के जरिए रोक पाना वास्तव में मुश्किल होगा। क्रिप्टोकरंसी की वैश्विक स्तर पर स्वीकार्यता में सुधार हुआ, खासकर जबसे अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार कार्यभार संभाला है। बिटकॉइन के दाम रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचे हैं, जो दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो संपत्ति है। अमेरिका ने भी एक ऐसा विधेयक पास किया है, जो स्टेबलकॉइंस के व्यापक उपयोग की अनुमति देता है। स्टेबलकॉइनंस वह क्रिप्टोकरंसी होती है, जो किसी सामान्य मुद्रा (जैसे डॉलर) से जुड़ी होती है और इस वजह से इसमें उतार-चढ़ाव कम होता है। चीन ने अब भी क्रिप्टोकरंसी पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। लेकिन पिछले महीने रॉयटर्स की रिपोर्ट में कहा गया कि वह युआन से जुड़ा स्टेबलकॉइन लाने पर विचार कर रहा है। जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश क्रिप्टो संपत्तियों के लिए नियम बना रहे हैं, लेकिन बहुत सतर्क रुख अपनाए हुए हैं और इस क्षेत्र को सक्रिय रूप से बढ़ावा नहीं दे रहे हैं। भारत में अगर सरकार क्रिप्टोकरंसी को विनियमित (रेगुलेट) करने के लिए कानून बनाती है तो इससे उसे वैधता मिल जाएगी, जिससे यह क्षेत्र इतना बड़ा हो सकता है कि यह देश की वित्तीय प्रणाली के लिए खतरा बन सकता है।

55 रुपये का शेयर अब 2500 के पार, 3 साल से कम में 4600 प्रतिशत की तूफानी तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडस्ट्रियल प्रॉडक्ट्स इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी कॉनकॉर्ड कंट्रोल सिस्टम्स के शेयर बुधवार को रिकॉर्ड हाई पर जा पहुंचे हैं। कॉनकॉर्ड कंट्रोल सिस्टम्स के शेयर बुधवार को क्क्बीएसईश्भ में इंट्राडे के दौरान 12 पर्सेंट चढ़कर 2588.75 रुपये पर पहुंच गए। कारोबार के आखिर में कंपनी के शेयर 2570 रुपये पर बंद हुए। कंपनी के शेयरों ने अपने पिछले हाई लेवल को पीछे छोड़ दिया है। कंपनी के शेयर 8 सितंबर 2025 को 2525 रुपये पर थे। पिछले 6 महीने में कॉनकॉर्ड कंट्रोल सिस्टम्स के शेयरों में 134 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। कॉनकॉर्ड कंट्रोल सिस्टम्स का आईपीओ 27 सितंबर 2022 को दांव लगाने के लिए खुला था और यह 29 सितंबर तक ओपन रहा। आईपीओ में कॉनकॉर्ड कंट्रोल सिस्टम्स के शेयर का दाम 55 रुपये था। कंपनी के शेयर 10 सितंबर 2025 को क्क्स्भ में 2570 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले 5 महीने में कंपनी के शेयरों में 145 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है।

एप्पल का सबसे बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा भारत

वर्कफोर्स में 90 % युवा महिलाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में आईफोन 17 को बनाने के लिए एप्पल की फैक्ट्रियां पूरी क्षमता से जुटी हुई हैं। इसे मंगलवार देर रात लॉन्च किया गया था। इन फैक्ट्रियों में देश की अब तक की सबसे बड़ी उत्पादन सुविधा शामिल है। इसमें ताइवान की फ़ोक्सकनन की बेंगलुरु यूनिट भी शामिल है। यह आईफोन की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर है। फ़ोक्सकनन की यह सुविधा भारत में अब तक किसी भी कंपनी द्वारा स्थापित सबसे बड़ी सुविधा है।

लगभग 300 एकड़ में फैला यह प्लांट इस अप्रैल में नए आईफोन मॉडल का टेस्ट प्रोडक्शन शुरू कर चुका है। मामले से परिचित लोगों ने बताया कि फैक्ट्री में फिलहाल लगभग 25,000 कर्मचारी हैं। यह इसकी पूरी क्षमता 100,000 का लगभग एक चौथाई है। लोगों ने बताया कि कुल वर्कफोर्स में से लगभग 90 प्रतिशत युवा महिलाएं हैं। इन्हें पिछले चार महीनों में नवीनतम मॉडल पर काम करने के लिए ट्रेंड किया गया है। मामले से जुड़े लोगों ने बताया कि इस फैक्ट्री की क्षमता भारत में अन्य एप्पल सप्लायर्स, जैसे टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स या पहले की विस्ट्रॉन और पेगाट्रॉन की तुलना में कहीं अधिक है।

इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में काम करने वाले एक अधिकारी ने कहा, एप्पल विविधीकरण के प्रयास में लगातार अपनी सप्लाई चेन (चीन से दूर) बदल रहा है। अधिकारी ने आगे कहा, पहले चीन में आईफोन बनाने वाली ऐसी विशाल फैक्ट्रियां होती थीं और अब भारत में भी ऐसा ही होगा। देश की सबसे बड़ी फैक्ट्री ने अब अपना परिचालन शुरू कर दिया है।

भारत बड़ा उत्पादन हब

भारत तेजी से एप्पल के लिए एक बड़ा उत्पादन हब बनकर उभरा है। देश अमेरिका में बिकने वाले सभी आईफोन का लगभग आधा हिस्सा सप्लाई करता है। भारत में बने आईफोन अब बिक्री के पहले दिन से ही वैश्विक स्तर पर उपलब्ध होते हैं। पहले शुरुआती मांग चीन से पूरी की जाती थी और भारत में बने फोन देरी से आते थे।

गौतम अडानी ने पूरी जिंदगी जितना कमाया

उससे ज्यादा एक दिन में कमा गए लैरी एलिसन

नई दिल्ली, एजेंसी। डेटाबेस सॉफ्टवेयर बनाने वाली कंपनी ओरेकल के शेयरों में बुधवार को करीब 40 प्रतिशत अधिक तेजी आई। इससे कंपनी के फाउंडर लैरी एलिसन कुछ समय के लिए दुनिया के सबसे बड़े रईस बन गए। इस तेजी से उनकी नेटवर्थ में 100 अरब डॉलर की तेजी आई। आखिरकार कंपनी का शेयर करीब 35 फीसदी के साथ बंद हुआ और एलिसन की नेटवर्थ 383 अरब डॉलर पहुंच गई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक एलिसन की नेटवर्थ में बुधवार को 88.5 अरब डॉलर की तेजी आई जो गौतम अडानी की कुल नेटवर्थ (80.9 अरब डॉलर) से ज्यादा है। मस्क 384 अरब के साथ इस लिस्ट में पहले नंबर पर बने हुए हैं। वह करीब एक साल से नंबर 1 बने हुए हैं लेकिन अब उनकी कुर्सी को खतरा पैदा हो गया है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 48.2 अरब की गिरावट आई है जबकि एलिसन की नेटवर्थ 191 अरब बढ़ी है। ओरेकल के तिमाही नतीजे अनुमानों से बेहतर रहे हैं। इस कारण कंपनी के शेयरों में तेजी आई। इस साल कंपनी के शेयरों में 45 प्रतिशत तेजी आई है। एलिसन ने करीब 37 साल तक ओरेकल की कमान संभालने के बाद सितंबर 2014 में सीईओ पद से इस्तीफा दे दिया था। अब वह कंपनी के चेयरमैन और चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर हैं। फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के सीईओ मार्क जकरबर्ग 264अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। पांचवें, सर्गेई ब्रिन (196 अरब डॉलर) छठे, स्टीव बालमर (172 अरब डॉलर) सातवें, बर्नार्ड आरनॉल्ट (162 अरब डॉलर) आठवें, एनवीडिया के जेंसन हुआंग (154 अरब डॉलर) नौवें और माइकल डेल (151 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर हैं।

12 सरकारी बैंकों का विलय कर बनाए जाएंगे 3-4 बड़े बैंक- रिपोर्ट

बैंकिंग सिस्टम में बड़ा धमाका

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार एक बार फिर बड़े पैमाने पर सरकारी बैंकों के विलय की योजना बना रही है। ईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा 12 सरकारी बैंकों को मिलाकर सिर्फ 3 से 4 बड़े और मजबूत सरकारी बैंक बनाने पर विचार किया जा रहा है। इस कदम का उद्देश्य भारतीय बैंकिंग सेक्टर को वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाना है। यह पहला मौका नहीं है जब सरकार ने सरकारी बैंकों के विलय पर कदम उठाया हो। इससे पहले 2020 में 10 सरकारी बैंकों को मिलाकर 4 बड़े बैंक बनाए गए थे। उस फैसले से सरकारी बैंकों की संख्या 27 से घटकर 12 रह गई थी। अब इसी प्रक्रिया को आगे बढ़ाकर बैंकिंग सिस्टम को और सशक्त बनाने की तैयारी है। भारत में फिलहाल सिर्फ स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और एचडीएफसी बैंक ही ऐसे बैंक हैं जो दुनिया के 100 सबसे बड़े बैंकों (एसेट्स के आधार पर) में जगह बना पाए हैं। इसे देखते हुए केंद्र सरकार एक बार फिर से सरकारी बैंकों के विलय पर विचार कर रही है, ताकि कुछ बड़े और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बैंक बनाए जा सकें। इस बैठक में केवल बैंक ही नहीं, बल्कि नेशनल बैंक फॉर फाइनेंसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट और इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड जैसे संस्थान भी शामिल होंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि 2040 तक भारत को करीब 4.5 ट्रिलियन डॉलर के इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश की जरूरत होगी, जिसके लिए मजबूत और बड़े बैंकों की भूमिका अहम होगी।

जल्द हो सकता है नया फैसला

आगामी पीएसबी मंथन बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा की जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सरकार इस बार भी बैंकों से बातचीत के बाद ही कोई फैसला लेगी, जैसा कि 2020 में किया गया था। उस समय 27 सरकारी बैंकों की संख्या घटाकर 12 कर दी गई थी। सरकार का लक्ष्य इस बार कम से कम 3-4 बड़े बैंक बनाना है, जो वैश्विक स्तर पर पहचान बना सकें।

क्रेडिट ग्रोथ में गिरावट

एक और अहम बात यह है कि देश में कर्ज देने की रफ्तार धीमी पड़ती नजर आ रही है। जुलाई 2025 में गैर-खाद्य कर्ज में सिर्फ 9.9 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी हुई, जबकि जुलाई 2024 में यह दर 13.7 प्रतिशत थी। बड़ी इंडस्ट्री को दिए जाने वाले कर्ज में भी सिर्फ 1 प्रतिशत से कम की वृद्धि हुई है। इसकी वजह है निजी कंपनियों की ओर से पूंजी निवेश में सुस्ती।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश अगस्त में

22 घटकर 33,430 करोड़ रुपए पर: एम्फी

नई दिल्ली, एजेंसी। इक्विटी म्यूचुअल फंड योजनाओं में निवेश अगस्त महीने में घटकर 33,430 करोड़ रुपए रह गया जो जुलाई की तुलना में 22 प्रतिशत कम है। उद्योग निकाय एम्फी ने बुधवार को यह जानकारी दी। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक, इक्विटी आधारित फंड योजनाओं में जुलाई के दौरान 42,702 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश आया था लेकिन अगस्त में यह घटकर 33,430 करोड़ रुपए रह गया। विशेषज्ञों ने इस गिरावट का प्रमुख कारण नई कोष पेशकश (एनएफओ) में आई कमी को बताया है।

मोतीलाल ओसवाल एसेट मैनेजमेंट कंपनी के कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कारोबार अधिकारी अखिल चतुर्वेदी ने कहा, ''जुलाई की तुलना में करीब 9,000 करोड़ रुपये की गिरावट के पीछे एनएफओ में आई कमी प्रमुख वजह है। शेष प्रवाह स्थिर और स्वस्थ बना हुआ है। उन्होंने कहा कि व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) के जरिये म्यूचुअल फंड योजनाओं में निवेश अगस्त में करीब 27,000 करोड़ रुपए पर स्थिर रहा जो अपेक्षा से कम है। उन्होंने कहा, ''हालांकि, वैश्विक अनिश्चितताओं और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली के बीच भी भारतीय निवेशक इक्विटी में निवेश जारी रख रहे हैं, जो बाजार के लिए सकारात्मक है।

म्यूचुअल फंड के श्रेणीवार आंकड़ों में फ्लेक्सी कैप फंड में अगस्त के दौरान सबसे अधिक 7,679 करोड़ रुपए का निवेश आया। मिडकैप फंड में 5,330 करोड़ रुपए, स्मॉलकैप फंड में 4,993 करोड़ रुपए, क्षेत्रवार/विषयवस्तु वाले फंड में 3,893 करोड़ रुपए और लार्जकैप फंड में 2,835 करोड़ रुपए का निवेश आया। दूसरी तरफ, ऋण-आधारित फंड योजनाओं में 7,980 करोड़ रुपए की निकासी देखी गई। कुल मिलाकर, म्यूचुअल फंड उद्योग में अगस्त माह के दौरान कुल 52,443 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जो जुलाई के 1.8 लाख करोड़ रुपए की तुलना में बहुत कम है। अगस्त अंत तक उद्योग की प्रबंधन-अधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) घटकर 75.2 लाख करोड़ रुपए पर आ गई जो जुलाई अंत में 75.36 लाख करोड़ रुपए थी।

औद्योगिक हब की चुनौतियां, गाजियाबाद इंजीनियरिंग गुड्स का मैन्युफैक्चरिंग हब

इंजीनियरिंग गुड्स का गढ़ गाजियाबाद, अंतरराष्ट्रीय पहचान की राह में बढ़ते कदम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) की भूमिका अहम है। रोजगार सृजन, नवाचार और क्षेत्रीय विकास में योगदान देने वाला यह क्षेत्र अब वैश्विक मंच पर अपनी पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इन्हीं संभावनाओं को गति देने के लिए अमर उजाला ÷एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव÷ का आयोजन कर रहा है।

इस कॉन्क्लेव में विशेषज्ञ न केवल भविष्य की फंडिंग व्यवस्था और मार्केटिंग- ब्रांडिंग की रणनीतियों पर चर्चा करेंगे, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन जैसी नई तकनीकों को अपनाने के तरीकों पर भी विचार साझा करेंगे। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और नवाचारी वित्तीय विकल्पों के जरिये एमएसएमई को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने पर भी जोर रहेगा।

एजेंडे का बड़ा हिस्सा 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) योजना को समर्पित होगा। इस योजना का उद्देश्य हर जिले के विशिष्ट उत्पाद को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाना है। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जैसे जिले इसमें अहम भूमिका निभा सकते हैं। गाजियाबाद का इंजीनियरिंग गुड्स सेक्टर भी वैश्विक ब्रांड बनने की क्षमता रखता है।

कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसे ठोस उपाय तलाशना है, जिनसे गाजियाबाद जैसे औद्योगिक जिलों के पारंपरिक उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके और एमएसएमई क्षेत्र को भारत की आर्थिक रीढ़ से आगे बढ़ाकर वैश्विक पहचान दिलाई जा सके। गाजियाबाद एमएसएमई क्षेत्र में एक प्रमुख मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित हो रहा है। यहां इंजीनियरिंग गुड्स, स्टील, इलेक्ट्रॉनिक्स और एफएमसीजी के क्षेत्र में एमएसएमई इकाइयां कार्यरत हैं।

सरकारी सहायता के तहत औद्योगिक क्षेत्र, डीआईसी, यूपीएसआईडीसी कल्सटरों जैसे योजनाओं के माध्यम से एमएसएमई को तकनीकी समर्थन, वित्तीय मदद और मार्केट एक्सपेंशन की सुविधा दी जा रही है। मुख्य एमएसएमई में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, साइकिल और इंजीनियरिंग एमएसएमई शामिल हैं। यह मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में नवाचार व गुणवत्ता के क्षेत्र में देशभर में अपनी पहचान बना चुके हैं। गाजियाबाद को एनसीआर के निकट मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में जाना जाता है।

बरेली का जरदोजी और बेंत शिल्प उद्योग

ब्रांडिंग और मार्केटिंग से मिलेगी वैश्विक पहचान

ई दिल्ली, एजेंसी। रतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले सूक्ष्म, घु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) रोजगार सृजन लेकर नवाचार और क्षेत्रीय विकास तक अहम मिका निभा रहे हैं। इन्हीं संभावनाओं को और आगे ढ़ाने के उद्देश्य से अमर उजाला एमएसएमई फॉर रत कॉन्क्लेव का आयोजन कर रहा है।

इस कॉन्क्लेव में विशेषज्ञ भविष्य की फंडिंग वस्था, ब्रांडिंग और मार्केटिंग की नई रणनीतियों, जिटल ट्रांसफॉर्मेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सी उभरती तकनीकों और नवाचारी वित्तीय कल्पों पर गहराई से चर्चा करेंगे। महिलाओं की गीदारी बढ़ाने और भारतीय एमएसएमई को श्विक स्तर पर स्थापित करने के उपाय भी एजेंडे ा हिस्सा होंगे।

विशेष ध्यान 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' ओडीओपी) योजना पर रहेगा, जिसके तहत हर लो के खास उत्पाद को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने ा लक्ष्य है। इस संदर्भ में उत्तर प्रदेश का बरेली जिला शेष महत्व रखता है। कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसे

उपाय तलाशना है, जिससे बरेली जैसे जिलों के एमएसएमई अपने पारंपरिक उत्पादों को वैश्विक मंच पर मजबूत ब्रांड के रूप में स्थापित कर सकें। एमएसएमई सेक्टर में बरेली का विशेष योगदान है। यहां जारी-जरदोजी कढ़ाई, कैन फर्नीचर और बांस वर्क्स का उत्पादन बड़े पैमाने पर होता है। यह क्षेत्र अपनी पारंपरिक हस्तशिल्प कला के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। सरकारी सहयोग के अंतर्गत ओडीओपी (जारी-जरदोजी) और हस्तशिल्प क्लस्टर के माध्यम से स्थानीय एमएसएमई इकाइयों को विकास के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

देश के वाहन उद्योग को पांच साल में दुनिया में अव्वल बनाने का लक्ष्य: गडकरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि सरकार का लक्ष्य पांच साल के भीतर भारत के वाहन उद्योग को दुनिया में अव्वल बनाना है। गडकरी ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के वाहन उद्योग का भविष्य बहुत उज्ज्वल है क्योंकि देश के पास प्रशिक्षित जनशक्ति है। देश में सभी बड़ी वाहन कंपनियां मौजूद हैं। मंत्री ने कहा, ''पांच साल के भीतर, हमारा लक्ष्य भारत के वाहन उद्योग को दुनिया में नंबर एक बनाना है... यह मुश्किल है लेकिन असंभव नहीं।

गडकरी ने बताया कि भारत में विनिर्मित वाहनों की गुणवत्ता अच्छी है और लागत कम है। उन्होंने कहा, ''जब मैंने परिवहन मंत्री का कार्यभार संभाला था, तब भारतीय वाहन उद्योग का आकार 14 लाख करोड़ रुपए था। अब भारतीय वाहन उद्योग का आकार 22 लाख करोड़ रुपए है। वर्तमान में अमेरिकी वाहन उद्योग का आकार 78 लाख करोड़ रुपए है। इसके बाद चीन (47 लाख करोड़ रुपए) और भारत (22 लाख करोड़ रुपए) का स्थान है। गडकरी ने कहा कि भारत कोयला, पेट्रोल जैसे जीवाश्म ईंधन के आयात

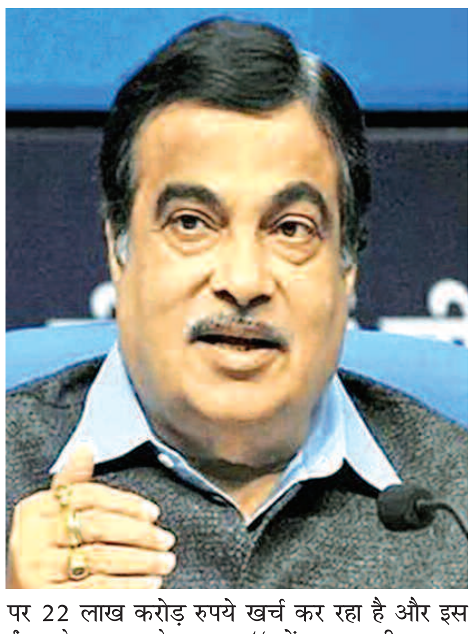

पर 22 लाख करोड़ रुपये खर्च कर रहा है और इस ईंधन के आयात के कारण, ''हमें प्रदूषण की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। मंत्री ने कहा कि भारतीय कंपनियां इलेक्ट्रिक कार, बस और ट्रक बना रही हैं क्योंकि ये बहुत किफायती हैं। लिथियम-आयन बैटरी की लागत भी कम हो रही है। समय के साथ, पेट्रोल, डीजल और इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमतें समान हो जाएंगी। मंत्री ने बताया कि भारत में इलेक्ट्रिक बसों की विनिर्माण क्षमता 50,000-60,000 प्रति वर्ष है, लेकिन देश की आवश्यकता प्रति वर्ष 1,00,000 बसों की है। उन्होंने कहा, ''हमें इलेक्ट्रिक बसों का उत्पादन बढ़ाने की जरूरत है... निर्यात का भी एक बड़ा बाजार है। यह इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियों के लिए एक अवसर है।

गडकरी ने कहा, ''परिवहन मंत्रालय कृषि उपकरण वाहनों में फ्लेक्स-फ्यूल (एथनॉल मिश्रित पेट्रोल) इंजन के इस्तेमाल को प्रोत्साहित करने के लिए काम कर रहा है। ई-20 (पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण) को लेकर सोशल मीडिया पर बढ़ती चिंता पर प्रतिक्रिया देते हुए, गडकरी ने कहा कि पेट्रोलियम क्षेत्र इस कदम के खिलाफ काम कर रहा है। उन्होंने कहा, ''हर जगह लॉबी होती हैं, हित होते हैं...पेट्रोल लॉबी बहुत समृद्ध है।

रोनाल्डो से प्रेरणा लेते हैं हॉकी के स्टार अभिषेक

नई दिल्ली, एजेंसी। अभिषेक ने बताया कि भारतीय हॉकी के दिग्गज सरदार सिंह को देखकर ही उन्होंने हॉकी खेलना शुरू किया था। हालांकि जब तक अभिषेक टीम में आए, तब तक सरदार सिंह रिटायर हो चुके थे। भारतीय हॉकी टीम के स्टार फॉरवर्ड खिलाड़ी अभिषेक ने हाल ही में हुए एशिया कप में शानदार प्रदर्शन कर भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। भारत ने फाइनल में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर न केवल खिताब जीता, बल्कि 2026 हॉकी वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई भी कर लिया। इस टूर्नामेंट में अभिषेक ने छह गोल किए और कई मौकों पर गोल बनाने में सहायक रहे। उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया।

मुझे रोनाल्डो से मिलती है प्रेरणा

अभिषेक ने बताया कि उनके शुरुआती कोच शमशेर दहिया, अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के फैन हैं और चाहते थे कि अभिषेक वैसा ही खेले। लेकिन अभिषेक ने हमेशा क्रिस्टियानो रोनाल्डो को अपना आदर्श माना। उन्होंने कहा, मैं रोनाल्डो के मैच देखता हूं और उनसे स्कोरिंग, पोजिशनिंग, टाइमिंग और शूटिंग के बारे में सीखता हूं। फुटबॉल और हॉकी दोनों ही टीम गेम हैं, और रनिंग और स्टैमिना का अहम रोल होता है। रोनाल्डो मेरी प्रेरणा हैं।

सरदार को देखकर शुरू हुआ हॉकी का सफर

अभिषेक ने बताया कि भारतीय हॉकी के दिग्गज सरदार सिंह को देखकर ही उन्होंने हॉकी खेलना शुरू किया था। हालांकि जब तक अभिषेक टीम में आए, तब तक सरदार सिंह रिटायर हो चुके थे। अपने भाई आशीष और एक दोस्त को देखकर उन्होंने पहली बार हॉकी स्टिक थामी थी। बचपन में एक बार कलाई में चोट लगने के कारण माता-पिता ने हॉकी खेलने से मना कर दिया था, लेकिन उनके कोच ने उन्हें दोबारा मैदान पर लाने में मदद की। अभिषेक आज भी अपने पहले कोच, जो हिंदी शिक्षक भी थे, से सलाह लेते हैं। उन्होंने कहा, शमशेर सर को भले ही आधुनिक हॉकी की ज्यादा जानकारी न हो, लेकिन वह मेरे खेल को बहुत अच्छे से समझते हैं।

अगला लक्ष्यः विश्व कप और ओलंपिक में पदक

पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक और हांगझोउ एशियाई खेल 2022 में स्वर्ण पदक जीतने वाले इस खिलाड़ी का अगला सपना है विश्व कप जीतना। उन्होंने कहा, हमने 50 वर्षों से विश्व कप नहीं जीता। मुझे लगता है कि हमारी टीम में वो काबिलियत है। हमें सिर्फ निरंतरता और फिनिशिंग पर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय हॉकी को फिर से स्वर्णिम दौर में ले जाने के लिए टीम को जीतने की आदत डालनी होगी। उन्होंने कहा कि अब ओलंपिक में सिर्फ कांस्य नहीं, सोने का पदक चाहिए।

एशिया कप में भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा

मैच शुड गो ऑन

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत ने कहा है कि एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच जारी रहना चाहिए। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने 14 सितंबर को दुबई में होने वाले भारत-पाकिस्तान एशिया कप टी-20 क्रिकेट मैच को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। जनहित याचिका (पीआईएल) में दुबई में होने वाले भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को रद्द करने की मांग की गई थी।

याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि मैच रविवार को होने वाला है, इसलिए शुक्रवार को ही इस मामले की सुनवाई कर ली जाए। याचिका में दावा किया गया कि पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच खेलना राष्ट्रीय गरिमा और शहीदों के सम्मान के खिलाफ है। यह याचिका चार लॉ स्टूडेंट्स की ओर से दायर की गई, जिन्होंने नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट 2025 को लागू करने की भी मांग की। यह याचिका अधिवक्ता स्नेहा रानी, ??अभिषेक वर्मा और मोहम्मद अनस चौधरी के माध्यम से दायर की गई थी।

अगला मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच होगा

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस विजय बिश्नोई वाली बेंच ने गुरुवार को इस अनुरोध को खारिज करते हुए कहा कि यह एक मैच है और इसे जारी रहने देना चाहिए। एशिया कप में भारत ने यूएई के खिलाफ रिकॉर्ड जीत के साथ आगाज किया है। अगला मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच होगा। यह मैच 14 सितंबर को रात 8 बजे से दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत ने एशिया कप 2025 के अपने पहले मुकाबले में यूएई को 9 विकेट से हराया। पहले गेंदबाजी करते हुए, भारतीय गेंदबाजों ने मुकाबले को एकतरफा बनाया और यूएई को 13.1 ओवर में सिर्फ 57 रन पर ढेर कर दिया। स्पिनरों और ऑलराउंडरों के लिए यह एक यादगार रात थी। कुलदीप यादव गेंदबाजी में स्टार रहे, उन्होंने सिर्फ 2.1 ओवर में 7 रन देकर 4 विकेट चटकाए। शिवम दुबे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन विकेट लिए, जबकि अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती ने एक-एक विकेट लिया। जसप्रीत बुमराह ने नई गेंद से शुरुआत में ही दबाव बनाए रखते हुए लय हासिल की। यूएई का बल्लेबाजी क्रम उनकी लगातार सटीकता के आगे लड़खड़ा गया, जिसमें सिर्फ अलीशान शराफू के 17 गेंदों में 22 रन ही रहे। 58 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत के शीर्ष क्रम ने कोई समय बर्बाद नहीं किया। अभिषेक शर्मा ने 16 गेंदों पर दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से 30 रनों की तेज पारी खेली, जबकि शुभमन गिल ने सिर्फ 9 गेंदों पर नाबाद 20 रन बनाए। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दो बड़े शॉट लगाकर टीम को जीत दिलाई और 13.33 की तेज रन रेट से भारत को सिर्फ 4.3 ओवर में जीत दिला दी।

शिवम दुबे ने शानदार प्रदर्शन का किया खुलासा, कहा-

गेंदबाजी कोच ने मुझे कुछ विशेष सलाह दी है

दुबई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग में इंपैक्ट प्लेयर नियम के कारण शिवम दुबे की गेंदबाजी में भूमिका सीमित हो गई थी लेकिन वह भारतीय टीम के लिए अदद ऑलराउंडर बनना चाहते हैं जिसमें उन्हें मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन और गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल का मार्गदर्शन मिल रहा है। संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ एशिया कप के पहले मैच में दो ओवर में चार रन देकर तीन विकेट लेने वाले दुबे ने एक तेज गेंदबाज के रूप ने अपने खेल में सुधार के संबंध में मोर्कल की भूमिका के बारे में बात की। दुबे ने भारत की 9 विकेट से जीत के बाद कहा, 'जब से मैं इंग्लैंड श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में वापस आया हूं, तब से मोर्ने मेरे साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने मुझे कुछ विशेष सलाह दी है और मैंने उन पर अमल किया है। इस विस्फोटक बल्लेबाज ने कहा, 'उन्होंने मुझे ऑफ स्टंप से थोड़ा बाहर की लाइन पर गेंदबाजी करने को कहा। उन्होंने धीमी गेंद करने को लेकर भी मेरे साथ काम किया और मेरे रन-अप में भी थोड़ा बदलाव किया। मुख्य कोच और कप्तान ने मुझे बताया था कि मेरी गेंदबाजी की भूमिका अहम होगी। आईपीएल के बाद दुबे को अपने ऑलराउंड खेल और फिटनेस पर काम करने के लिए दो महीने का समय मिला। दुबे का आईपीएल में उनकी फ्रैंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स पावर-हिटर के रूप में ज्यादा इस्तेमाल करती है। दुबे ने कहा, 'पिछले दो महीनों में, मैंने अपनी फिटनेस पर काफी काम किया है। जहां तक मेरी बल्लेबाजी का सवाल है तो मुझे पता है कि बीच के ओवरों में मुझे (एक पावर-हिटर के तौर पर) अपनी भूमिका निभानी है। मैं जानता हूं कि पिछले कुछ वर्षों में गेंदबाजों ने मुझे शॉर्ट पिच गेंदों से निशाना बनाया है और मैंने अपने शॉट्स की रेंज बढ़ाने पर काम किया है। इस ऑलराउंडर ने कहा, 'जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा, विकेट धीमा होता जाएगा और मैं जानता हूं कि तब मेरी धीमी गेंदें प्रभावी होंगी। मैं यह भी जानता हूं कि बीच के ओवरों में कैसे बल्लेबाजी करनी है। एक ऑलराउंडर के रूप में दुबे को कई बार हार्दिक पंड्या की चुनौती का सामना करना पड़ता है, लेकिन मुंबई के इस ऑलराउंडर ने जोर देकर कहा कि उनके बीच किसी तरह की प्रतिस्पर्धा नहीं है। उन्होंने कहा, 'हार्दिक मेरे भाई की तरह हैं जिनसे मैं बहुत कुछ सीखता हूं क्योंकि आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनका अनुभव मुझसे कहीं अधिक है। मेरा प्रयास हमेशा उनसे कुछ न कुछ सीख लेना होता है। दुबे ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले आगामी मैच के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'चाहे मैं यूएई के खिलाफ खेल रहा हूं या पाकिस्तान के खिलाफ, मैं अपने कोच गौती भाई (गंभीर) की बातों पर अमल करने की कोशिश करता हूं। जब आप भारत के लिए खेलते हैं, तो आपको देश के लिए कुछ अच्छा करने का अवसर मिलता है।

कुलदीप यादव अब शायद अगला मैच न खेलें: मांजरेकर

नई दिल्ली, एजेंसी। कुलदीप यादव ने दुबई में भारत के लिए एशिया कप अभियान की शानदार शुरुआत की और॒श्व के खिलाफ केवल 4.3 ओवर में 57 रनों पर ढेर करके रिकॉर्ड तोड़ जीत में मदद की। शुरुआत से ही भारतीय टीम का दबदबा रहा, क्योंकि जसप्रीत बुमराह की बेहतरीन यॉर्कर ने शुरुआत की - लेकिन कुलदीप द्वारा फेंके गए 9वें ओवर में बाएं हाथ के इस लेग स्पिनर ने तीन विकेट लिए,॒श्व के बल्लेबाजों को धूल चटाई और 7 रन देकर 4 विकेट हासिल किए और प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता। इंग्लैंड में भारत के सभी 5 टेस्ट मैचों में बेंच पर बैठने के बाद टीम में वापसी करने वाले इस खिलाड़ी ने तुरंत ही अपनी छाप छोड़ी, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर से अपना हुनर ??दिखाने के लिए बेताब था। कुलदीप के शानदार प्रदर्शन ने उन्हें खूब वाहवाही बटोरी, लेकिन साथ ही एक चेतावनी भी दी, उन्हें अक्सर टीम में अंदर-बाहर होते देखा गया है, और संजय मांजरेकर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर यह जाहिर कर दिया कि कुलदीप की भागीदारी और समावेशन को जिस तरह से संभाला गया है, उससे वे पूरी तरह सहमत नहीं हैं।

मांजरेकर ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखते हुए कहा, कुलदीप ने एक ओवर में 3 विकेट लिए। अब शायद अगला मैच न खेलें। उन्होंने एक मजाकिया इमोजी भी लगाई ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनकी टिप्पणी को सही अर्थ में लिया जाए। कुलदीप टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी, दोनों में भारत की जीत का अहम हिस्सा रहे थे। कई लोगों का मानना है कि उन्हें टेस्ट सीजन में टीम का हिस्सा होना चाहिए था, खासकर जब गौतम गंभीर को नतीजे हासिल करने में मुश्किल हो रही थी। हालांकि इस लेग स्पिनर को एक ऐसे देश में एक विशुद्ध स्पिनर होने का दुर्भाग्य मिला है जहां कई स्पिन गेंदबाज हैं जो बल्ले से भी कमाल दिखा सकते हैं। टेस्ट टीम में जगह बनाने के लिए उन्हें रवींद्र जडेजा और हाल ही में वाशिंगटन सुंदर जैसे गेंदबाजों के खिलाफ काफी संघर्ष करना पड़ा है।

नूपुर-पूजा ने मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत के लिए पदक पक्का किया, निकहत बाहर

लिवरपूल, एजेंसी। महान मुक्केबाज हवा सिंह की पोती नूपुर ने चैंपियनशिप के अपने पहले मुकाबले में अपनी प्रतिद्वंद्वी को 4-1 से हराकर 80 किग्रा से अधिक वर्ग के अंतिम चार में प्रवेश किया। भारत की अनुभवी मुक्केबाज पूजा रानी ने पोलैंड की एमिलिया कोटेरस्का को हराकर महिलाओं के 80 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया और इस तरह से विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना पहला पदक पक्का किया। इस तरह से विश्व चैंपियनशिप में भारत के तीन पदक पक्के हो गए हैं। पूजा से पहले दो बार की एशियाई चैंपियन जैस्मीन लेम्बोरिया (57 किग्रा) और नुपुर शेरॉन (80 किग्रा से अधिक) ने सेमीफाइनल में पहुंचकर पदक पक्के किए थे। पहले दौर में बाई हासिल करने वाली 34 वर्षीय पूजा ने अपने अनुभव के दम पर बुधवार देर रात क्वार्टर फाइनल में कोटेरस्का को 3-2 से हराया। 80 किग्रा भार वर्ग ओलंपिक में शामिल नहीं है और विश्व चैंपियनशिप में इस वजन वर्ग में 12 मुक्केबाज भाग ले रहे हैं। इस बीच भारत के पुरुष मुक्केबाजों के अभियान को एक और झटका लगा जब अभिनाश जामवाल 65 किग्रा क्वार्टर फाइनल में जॉर्जिया के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लाशा गुरुली से 1-4 के विभाजित निर्णय से हार गए। उनके बाहर होने के बाद पुरुष वर्ग में केवल जदुमणि सिंह (50 किग्रा) ही दौड़ में बचे हैं। अंतिम आठ में उनका सामना मौजूदा विश्व चैंपियन कजाकिस्तान के संझार ताशकेनबे से होगा। इस तरह से भारतीय पुरुष मुक्केबाजों का ताशकंद में खेली गई पिछली विश्व चैंपियनशिप की तुलना में यहां प्रदर्शन निराशाजनक रहा। पिछली प्रतियोगिता में दीपक भोरिया (51 किग्रा), मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) और निशांत देव (71 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते थे। महिलाओं की पिछली प्रतियोगिता नयी दिल्ली में आयोजित की गई थी जिसमें नीतू घंघास (48 किग्रा), निकहत (50 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) और स्वीटी बूरा (81 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीते थे। पूजा को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। उन्होंने पहले राउंड में अच्छी शुरुआत की थी लेकिन पोलैंड की खिलाड़ी ने पलटवार करते हुए यह राउंड 3-2 से जीत लिया। एशियाई खेल 2014 की कांस्य पदक विजेता पूजा ने दूसरे राउंड में अच्छी वापसी करके बड़ी बढ़त हासिल की। तीसरे राउंड तक दोनों मुक्केबाज थक चुकी थीं, लेकिन पूजा ने धैर्य बनाए रखा और आखिर में अपने नाम पर पदक पक्का किया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला स्थानीय मुक्केबाज एमिली एस्क्विथ से होगा। इससे पहले हेवीवेट मुक्केबाज नूपुर श्योराण ने मौजूदा विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत के लिए पहला पदक सुनिश्चित किया जब बुधवार को उन्होंने उज्बेकिस्तान की ओल्टीनॉय सोतिमबोएवा को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई जबकि दो बार की चैंपियन निकहत जरीन को क्वार्टरफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। निकहत को तुर्की की काकिरोग्लू बुसे नाज ने 5-0 से शिकस्त दी।

ऐतिहासिक फैसलाः

महिला वनडे विश्व कप में अंपायर और रेफरी सिर्फ महिलाएं, तीन भारतीयों को मौका

दुबई, एजेंसी। महिला वनडे विश्व कप का आयोजन भारत और श्रीलंका में 30 सितंबर से 2 नवंबर 2025 तक होगा। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) में विश्व कप को लेकर एक ऐतिहासिक फैसला लिया है। महिला वनडे विश्व कप क्रिकेट के इतिहास में यह पहली बार होगा जब टूर्नामेंट की सारी मैच ऑफिशियल्स और अंपायर महिलाएं होंगी। इससे पहले 2022 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स और आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में मैच ऑफिशियल्स और अंपायर के रूप में महिलाएं दिख चुकी हैं। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा, यह महिला क्रिकेट के सफर में एक निर्णायक क्षण है। हमें उम्मीद है कि यह खेल के सभी पहलुओं में कई और नई कहानियों का मार्ग प्रशस्त करेगा। मैच अधिकारियों के रूप में महिला पैनल का शामिल होना न केवल एक बड़ी उपलब्धि है, बल्कि क्रिकेट में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए आईसीसी की अटूट प्रतिबद्धता का एक सशक्त प्रतिबिंब भी है। उन्होंने कहा, यह विकास प्रतीकात्मक मूल्य से कहीं आगे जाता है। यह दृश्यता, अवसर और ऐसे सार्थक रोल मॉडल के निर्माण के बारे में है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित कर सकें। वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता को उजागर करके, हमारा उद्देश्य आकांक्षाओं को जगाना और इस बात को पुष्ट करना है कि क्रिकेट में नेतृत्व और प्रभाव लिंग-भेद से परे है। शाह ने कहा, महिलाओं के खेल के विकास में एक नए अध्याय को मान्यता देते हुए हमें गर्व हो रहा है।

सात्विक-चिराग की जोड़ी का हांगकांग ओपन में शानदार प्रदर्शन जारी, क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली, एजेंसी। हांगकांग ओपन 2025 में भारत की सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष जोड़ी राउंड ऑफ 16 में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया है। सात्विक और चिराग की जोड़ी का सामना राउंड ऑफ 16 में थाईलैंड की जोड़ी पीराचाई सुकफुन और पक्कापोन तीरात्साकुल से था जिसमें करीब डेढ़ घंटे तक चले इस मैच में कुल तीन सेट का मुकाबला हुआ जिसे भारतीय मेंस जोड़ी ने 2-1 से अपने नाम करते हुए अगले दौर के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया। पहले सेट में मिली हार, अगले 2 सेट में दिखाया शानदार खेल वर्ल्ड नंबर 9 रैंकिंग जोड़ी सात्विक और चिराग को राउंड ऑफ 16 में थाईलैंड के खिलाफ मैच में पहले सेट में 18-21 से करीबी हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद दूसरे सेट में सात्विक और चिराग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 21-15 उसे अपने नाम करने के साथ मुकाबले को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। तीसरे सेट में सात्विक और चिराग ने काफी आक्रामक खेल दिखाया जिसमें उनके स्मैश और तेज रिफ्लेक्सेस का जवाब थाईलैंड की जोड़ी पीराचाई सुकफुन और पक्कापोन तीरात्साकुल के पास नहीं था और उन्हें निर्णायक सेट में 21-11 के बड़े अंतर से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले सात्विक और चिराग की जोड़ी को राउंड ऑफ 32 में ताइवान की जोड़ी के खिलाफ भी कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ा था जिसमें उन्होंने पहला सेट तो 21-13 के अंतर से जीता लेकिन दूसरे सेट में 18-21 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद तीसरे सेट को 21-10 के अंतर से जीतकर वह राउंड ऑफ 16 में पहुंचने में कामयाब हुए थे।

वायरल हो गया वीडियो

'जॉली एलएलबी 3' के ट्रेलर लॉन्च पर अक्षय-अरशद की हरकत

'जॉली एलएलबी 3' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के कई वीडियोज अब सोशल मीडिया पर वायरल हैं। इनमें अक्षय कुमार और अरशद वारसी काफी मस्ती करते नजर आ रहे हैं। अक्षय कुमार और अरशद वारसी की फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' का आज ट्रेलर सामने आया है। इस कोर्ट रूम कॉमेडी-ड्रामा फिल्म का ट्रेलर लॉन्च इवेंट कानपुर और मेरठ में रखा गया। यहां अक्षय कुमार और अरशद वारसी के अलावा फिल्म की बाकी कास्ट में सौरभ शुक्ला भी नजर आए। अब ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम से जुड़े कई वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हैं।

अक्षय-अरशद ने चूमा जज त्रिपाठी का सिर

एक वीडियो वायरल है जिसमें अक्षय कुमार और अरशद वारसी के साथ फिल्म में जज त्रिपाठी की भूमिका निभाने वाले अभिनेता सौरभ शुक्ला भी नजर आ रहे हैं। वीडियो में अरशद और अक्षय सौरभ शुक्ला के सिर पर मस्ती में चूमते नजर आ रहे हैं।

दिव्या खोसला कुमार की एक चतुर नार रिलीज के लिए तैयार

बॉलीवुड अभिनेत्री और निर्माता दिव्या खोसला कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म एक चतुर नार की रिलीज को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में दिव्या ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म के सेट से एक बीटीएस वीडियो पोस्ट किया। इस बिहाइंड द सीन (बीटीएस) वीडियो में दिव्या एक सीन करती नजर आ रही हैं। उनकी तारीफ सेट पर मौजूद सिनेमैटोग्राफर समीर आर्यन और नील नितिन मुकेश कर रहे हैं। वहीं, दिव्या अपने किरदार के अनुरूप पारंपरिक लुक में दिख रही हैं। उन्होंने बैंगनी रंग का कुर्ता, पीली सलवार और स्लेटी रंग का स्वेटर पहना है, जिसके ऊपर चुन्नी भी है। बालों में बनाई गई चोटी उनके चतुर नार वाले किरदार को जीवंत कर रही है। इस लुक ने दर्शकों को उनके किरदार के प्रति और उत्सुक कर दिया है। दिव्या ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, एक चतुर नार के सेट से खास पल। हमारे टैलेंटेड डीओपी समीर आर्यन और मुझे बेहद खूबसूरती से नील नितिन मुकेश ने कैमरे में कैद किया। ये मेरी सबसे पसंदीदा और शानदार टीम है। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म 12 सितंबर को रिलीज होने जा रही है। फिल्म एक चतुर नार में दिव्या का देसी और दमदार अवतार दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने के लिए तैयार है। उनके इस लुक और बीटीएस वीडियो ने सोशल मीडिया पर तारीफों का सिलसिला शुरू कर दिया है। फैंस अब बेसब्री से फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म की कहानी एक छोटे शहर में रहने वाली होनहार लड़की की है। वह बहुत ही महत्वाकांक्षी और चालाक है। एक दिन उसके हाथ बड़े शख्स का प्राइवेट वीडियो आ जाता है।

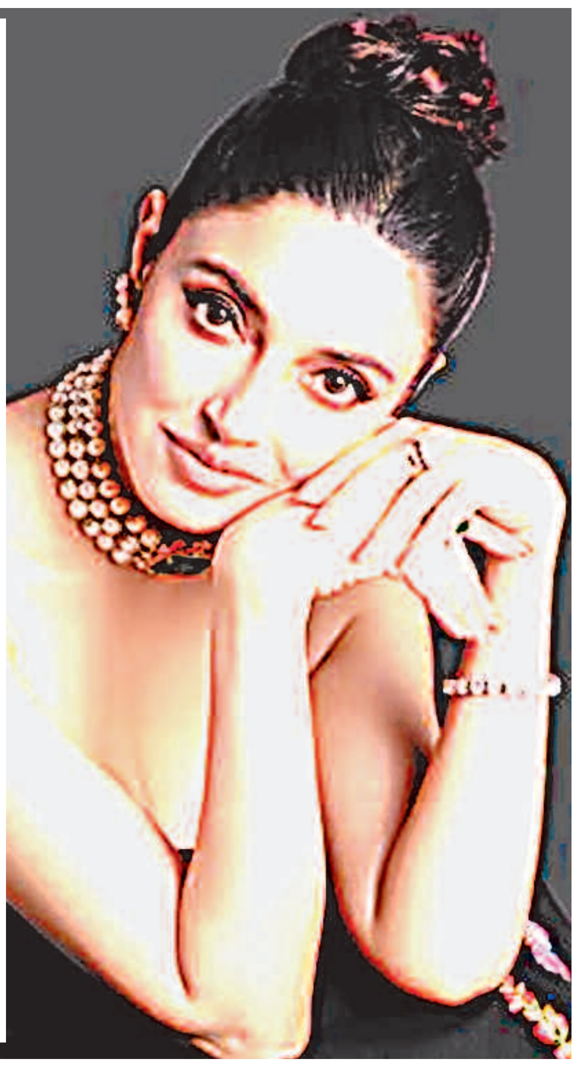

विद्युत जामवाल का पोटेंशियल यूज करने में फेल रहा बॉलीवुड

बॉलीवुड एक्टर विद्युत जामवाल इन दिनों अपनी हालिया फिल्म दिल मद्रासी की बॉक्स ऑफिस सफलता का जश्न मना रहे हैं। विद्युत जल्द ही हॉलीवुड की स्ट्रीट फाइटर के नए लाइव-एक्शन अडैप्शन में भी नजर आएंगे। फैन्स ने बॉलीवुड पर इनके सही इस्तेमाल न करने का आरोप लगाया है।

बॉलीवुड एक्टर विद्युत जामवाल अपनी हालिया तमिल फिल्म दिल मद्रासी की बॉक्स ऑफिस सफलता का जश्न मना रहे हैं। इस एक्शन थ्रिलर में शिवकार्तिकेयन लीड रोल में हैं और विद्युत विलन की भूमिका निभा रहे हैं।इस फिल्म से कई वर्षों के बाद साउथ सिनेमा में उनकी वापसी हुई है। विद्युत हॉलीवुड की स्ट्रीट फाइटर के नए लाइव-एक्शन अडैप्शन में भी नजर आएंगे। इस बीच, एक्टर के फैन्स ने बॉलीवुड पर उनकी क्षमता का पूरा इस्तेमाल न करने का आरोप लगाया है और इससे विद्युत भी सहमत नजर आ रहे हैं। विद्युत ने फैन्स की बॉलीवुड की आलोचना को फिर से शेयर किया है। स्ट्रीट फाइटर की घोषणा के बाद, विद्युत के कई फैन्स ने उनकी लेटेस्ट फिल्म मद्रासी से उनकी कुछ झलकियां शेयर कीं। उन्होंने उनके लुक की भी जमकर तारीफ की। इंस्टाग्राम पर एक मीम में विद्युत का मद्रासी फिल्म से लुक दिखाया गया था, जिसके साथ कैप्शन लिखा था, बॉलीवुड इस आदमी की क्षमता का उपयोग करने में विफल रहा। इसी तरह, ट्विटर पर एक विदेशी फैन ने विद्युत के लुक की तारीफ करते हुए कहा, लाइव-एक्शन स्ट्रीट फाइटर में धालसिम का किरदार निभाने वाले एक्टर बहुत ही हैंडसम है। एक इंडियन फैन ने ट्वीट पर रिएक्शन देकर कहा, काश भारतीय फिल्म जगत को अपने असली क्षमता का पता होता, लेकिन इसके बजाय वे साल-दर-साल मिड सीजन फिल्में बना रहे हैं।

दिल मद्रासी ने पांच दिनों में की शानदार कमाई

विद्युत ने इन दोनों पोस्ट को अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पोस्ट किया है। एआर मुरुगादॉस निर्देशित मद्रासी बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्म कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, दिल मद्रासी ने पांच दिनों में भारत में 44.45 करोड़ रुपये की कमाई की और वर्ल्डवाइड 71 करोड़ से ऊपर की कमाई कर ली है। इस फिल्म की कहानी और कलाकारों की एक्टिंग की खूब तारीफ हो रही है।

'सन ऑफ सरदार 2' में खुद को दरकिनार किए जाने पर सोनाक्षी ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा सन ऑफ सरदार फिल्म का हिस्सा थीं, जिन्हें दर्शकों ने काफी प्यार दिया था। हालांकि उन्हें सन ऑफ सरदार 2 में मेकर्स ने जगह नहीं दी। उनकी जगह फिल्म में मृणाल ठाकर ने मुख्य भूमिका निभाई। अब सोनाक्षी ने आखिरकार अजय देवगन अभिनीत इस फिल्म के दूसरे भाग में अपनी अनुपस्थिति पर सफाई दी है। आइए जानते हैं कि आखिर क्या है कारण।

क्या बोलीं सोनाक्षी सिन्हा?

सोनाक्षी सिन्हा ने बातचीत में सन ऑफ सरदार 2 में हिस्सा ना होने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'जहां तक मैं देख सकती हूं कि सन ऑफ सरदार 2 फिल्म के लिए वे विदेश गए थे। इसलिए वही किरदार कहानी का हिस्सा नहीं हो सकता था। आप केवल इसके लिए अपमानित महसूस नहीं कर सकते। आपको व्यावहारिक होना होगा और प्रत्येक फिल्म को एक अलग प्रोजेक्ट के रूप में लेना होगा।'

सन ऑफ सरदार 2 के बारे में

सन ऑफ सरदार 2 फिल्म में अजय देवगन के साथ मृणाल ठाकर मुख्य भूमिका में थीं। इस फिल्म को विजय कुमार अरोड़ा द्वारा निर्देशित किया गया था। वही इस कॉमेडी ड्रामा में रवि किशन, विंदू दारा सिंह और संजय मिश्रा जैसे कलाकार भी मौजूद थे।

सोनाक्षी सिन्हा का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनाक्षी सिन्हा की आगामी फिल्म जटाधारा है। इस फिल्म से सोनाक्षी सिन्हा का लुक भी सामने आ चुका है, जो उनके फैन्स को काफी पसंद भी आया। फिल्म में एक्ट्रेस के साथ साउथ एक्टर सुधीर बाबू लीड रोल में दिखाई देंगे। इसके अलावा सोनाक्षी को आखिरी बार निकिता रॉय में देखा गया था। इस फिल्म को कुश सिन्हा द्वारा निर्देशित किया गया था। फिल्म में सोनाक्षी ने एक ऐसी महिला की भूमिका निभाई थी, जो टूटी हुई भी है, जिद्दी भी और कहीं न कहीं अपनी ही सोच में खोई हुई है।

अक्षरा सिंह ने जिंदगी के नाम दिया बड़ा संदेश

अपनी दमदार एक्टिंग और बेबाक अंदाज के लिए जानी जाने वाली भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने बुधवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक खूबसूरत तस्वीर साझा की, जिसने न सिर्फ उनके फैंस का दिल छू लिया, बल्कि उनके कैप्शन ने भी सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। इस पोस्ट में अक्षरा ने कैप्शन में अपने जज्बात लिखे। तस्वीर में अक्षरा सिंह एक खूबसूरत सूट में नजर आ रही हैं जो उनकी सादगी और खूबसूरती को और निखार रहा है। उनके चेहरे पर आत्मविश्वास की एक अलग चमक है। अपने जज्बातों को जाहिर करते हुए अक्षरा ने लिखा, हो अगर गलतफहमियां, तो भी खामोशी से मुस्कुराऊंगी, शिकवे नहीं, बस सब्र से अपने जज्बातों को छुपाऊंगी। इस कैप्शन में अक्षरा ने न सिर्फ अपने जज्बात जाहिर किए हैं, बल्कि एक संदेश भी दिया है कि चाहे हालात कैसे भी हों, खुद को कमजोर नहीं पड़ने देना चाहिए। उन्होंने कैप्शन में आगे लिखा, साथ न दो तुम अगर, तो भी न डगमगाऊंगी, कांटों की राहों पर चलकर भी, अपने हौसलों को सजाऊंगी। दिल टूटे तो क्या हुआ, सांसों का सफर अब भी बाकी है, जिंदगी की किताब में कुछ नए पन्ने लिखने की झांकी है, हर दर्द को रोशनी में बदलकर खुद को ही अपनाऊंगी, हो अगर गलतफहमियां, तो भी खामोशी से मुस्कुराऊंगी।

माही विज का ट्रेडिशनल लुक

मशहूर टीवी अभिनेत्री माही विज को लागी तुझसे लगन, बालिका वधू, अकेला, कैसी लगी लगन, और शुभ कदम जैसे लोकप्रिय धारावाहिकों में देखा गया है। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में अभिनेत्री अलग-अलग अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। कभी वह कैमरे की ओर देखकर अपनी मुस्कान बिखेरती हैं, तो कभी फूलों के साथ खेलते हुए आकर्षक अंदाज में पोज देती हैं। उनकी यह सहजता और खूबसूरती प्रशंसकों को खूब भा रही है। माही ने इस वीडियो में हल्के गुलाबी रंग का सूट पहना है, जो उनकी सादगी और शालीनता को और निखार रहा है। हल्के मेकअप के साथ उन्होंने बड़े-बड़े झुमके पहने हैं, जो उनके लुक को और आकर्षक बना रहे हैं। उनके बालों को हल्का कर्ल किया गया है और कानों के पीछे हल्के गुलाबी रंग का गुलाब सजाया गया है, जो उनके इस पारंपरिक लुक को और खास बना रहा है।

रीम का स्टाइलिश अंदाज

टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री रीम शेख अपने खूबसूरत लुक और अनोखे अंदाज के लिए हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। अपनी बेहतरीन अदाकारी के साथ-साथ वह फैशन के मामले में भी फैंस के दिलों पर राज करती हैं। बुधवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में रीम ने काले रंग का लखनऊ चिकनकारी अनारकली सूट पहना है, जो उनकी सादगी और स्टाइल का शानदार मिश्रण पेश करता है। इस सूट की बारीक कढ़ाई और हल्का-फुल्का फैब्रिक उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहा है। रीम ने अपने इस ट्रेडिशनल परिधान को सादगी भरे मेकअप के साथ पूरा किया। उन्होंने मिनिमल मेकअप के साथ बालों को खुला छोड़ रखा है, जो उनके चेहरे की खूबसूरती को और निखार रहा है। इसके साथ ही रीम ने सफेद रंग के बड़े-बड़े झुमके पहने, जो उनके लुक में चार चांद लगा रहे हैं। तस्वीरों में वह अलग-अलग अंदाज में पोज देती नजर आईं, जिसमें उनकी मुस्कान और कॉन्फिडेंस साफ झलक रहा है। हर तस्वीर में उनकी खूबसूरती और आत्मविश्वास फैंस को लुभा रहा है।

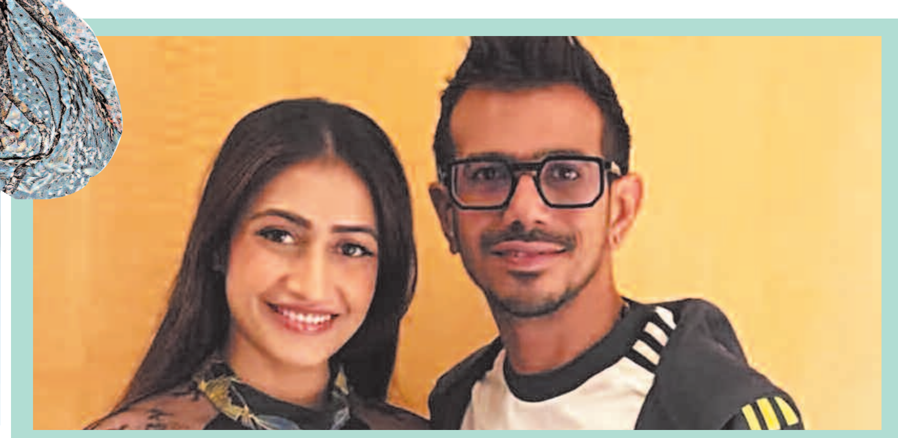

युजवेंद्र चहल से तलाक नहीं, टैलेंट की वजह से मिल रहे हैं फिल्मों के ऑफर: धनश्री

कोरियोग्राफर और अभिनेत्री इन दिनों रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' में दिखाई दे रही हैं। उन्हें इस शो के अलावा भी कई फिल्मों के ऑफर मिल रहे हैं। बहुत से लोगों का मानना है कि इसकी वजह युजवेंद्र चहल से उनका तलाक है, वह इसके लिए खूब सुर्खियों में रहीं। धनश्री वर्मा तलाक से मिली लोकप्रियता को भुना रही है, इस पर अब उनका रिएक्शन सामने आया है। धनश्री वर्मा ने बताया कि फिल्मों के ढेर सारे ऑफर मिलना तलाक की वजह से नहीं, बल्कि उनका टैलेंट है। धनश्री वर्मा ने कहा, मुझे इस पर यकीन नहीं होता। मैं यहां अकेले खड़ी हूं, पूरी दुनिया मेरे खिलाफ है। मुझे काम मिल रहा है, मैंने पहले भी कहा था, मुझे इंडस्ट्री से प्यार है, क्योंकि लोग अब भी मुझे काम दे रहे हैं। मुझे ढेर सारी फिल्मों के ऑफर आ रहे हैं, इसलिए नहीं कि जो मेरे साथ हुआ है, बल्कि इसलिए क्योंकि मुझमें टैलेंट है। इसका किसी और चीज से कोई लेना-देना नहीं है।

साभार एजेंसी